पेज : 2

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक सबसे बड़ी खबर

भव्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, गुरुवार, 8 मई 2025, वर्ष : 9, अंक : 42 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका ने ऑपरेशन सिंदूर की दी जानकारी

पाकिस्तान के 100 किमी अंदर तक सिंदूर का प्रहार, 25 मिनट में नौ आतंकी ठिकाने ध्वस्त

नई दिल्ली । पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक पर बुधवार सुबह 10ः30 बजे सरकार, सेना और एयरफोर्स के अफसरों ने ब्रीफिंग की। पहले एयर स्ट्राइक का 2 मिनट का वीडियो प्ले किया गया, जिसमें आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की कार्रवाई दिखाई गई। देश के इतिहास में पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस में आर्मी की कर्नल सोफिया कुरैशी और एयरफोर्स की विंग कमांडर विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी।

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि पहलगाम कायरतापूर्ण हमला था, इसमें कई लोगों की हत्या कर दी गई थी। लोगों को सिर में गोली मारी गई। बचे हुए लोगों से कहा गया कि वे इस हमले का संदेश पहुंचाएं। ये हमला जम्मू-कश्मीर की अच्छी स्थिति को प्रभावित करने के लिए किया गया था। पिछले साल सवा दो करोड़ से ज्यादा पर्यटक कश्मीर आए थे। हमले का मकसद था कि कश्मीर के विकास और प्रगति को नुकसान पहुंचाकर पिछड़ा बनाए रखा जाए। हमले का तरीका जम्मू-कश्मीर और देश में सांप्रदायिक दंगे फैलाने से प्रेरित था।

एक समूह ने खुद को टीआरएफ कहते हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। इसे यूएन ने प्रतिबंधित किया है और यह लश्कर से जुड़ा हुआ है। पाकिस्तान स्थित समूहों के लिए कवर के तौर पर टीआरएफ का इस्तेमाल किया गया। लश्कर जैसे संगठन टीआरएफ जैसे संगठन को इस्तेमाल कर रहे हैं। पहलगाम हमले की जांच से पाकिस्तान के साथ आतंकवादियों के संपर्क उजागर हुए हैं। टीवायआरएफ के दावे और लश्कर से सोशल मीडिया पोस्ट इसे साबित करती है। हमलावरों की पहचान भी हुई है।

इस हमले की रूपरेखा भारत में सीमापार आतंकवाद फैलाने के पाकिस्तान का प्लान उजागर हुआ है। पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों के बारे में हमें सूचना मिली थी कि वे और हमले कर सकते हैं। इन्हें रोकना जरूरी था। हमने इन्हें रोकने के अधिकार का इस्तेमाल किया है। यह कार्रवाई नपी-तुली और जिम्मेदारीपूर्ण है। आतंकवाद के इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म करने और आतंकियों को अक्षम बनाने पर केंद्रित है।

आतंकवाद के इस निंदनीय कार्य के आपराधियों को जवाबदेह ठहराने की आवश्यकता यूएन ने भी जताई थी। पिछले 10 साल में 600 जवान शहीद हुए, 350 नागरिक घायल पिछले एक दशक में 350 से ज्यादा भारतीय नागरिक सीमा पार से प्रेरित आतंकवाद का शिकार हो चुके हैं। 800 से ज्यादा लोग इन नृशंस हिंसक कृत्यों में घायल हुए हैं। इस दौरान 600 से जयादा जवानों ने देश की रक्षा करते हुए अपनी जान गंवाई है, जबकि 1400 से ज्यादा सुरक्षा कर्मी घायल हुए हैं।

कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा कि रात एक बजकर पांच मिनट से एक बजकर 30 मिनट के बीच ऑपरेशन हुआ। पहलगाम में निर्दयता से जिन निर्दोष पर्यटकों को मारा गया, उसके लिए यह ऑपरेशन किया गया था। पाकिस्तान में 3 दशकों से आतंकवादियों का निर्माण हो रहा है। हमले के बाद भी यह सामने आया है। हमने पाकिस्तान और पीओके में 9 टारगेट को चुना था और इन्हें हमने तबाह कर दिया। यहां पर लॉन्चपैड, ट्रेनिंग सेंटर्स टारगेट किए गए। हमने विश्वसनीय सूचनाओं और इंटेलिजेंस के आधार पर इन लक्ष्यों को चुना। ऑपरेशन के दौरान हमने यह तय किया कि बेगुनाह लोगों और सिविलियंस इन्फ्रास्ट्रक्चर को नुकसान न पहुंचे।

पीओके में सबसे पहले सवाई नाला मुजफ्फराबाद में था, यह लश्कर का ट्रेनिंग सेंटर था। सोनमर्ग, गुलमर्ग और पहलगाम हमले के आतंकियों ने यहीं ट्रेनिंग ली थी। मुजफ्फराबाद के ही सैयदना बिलाल कैंप में आतंकियों को हथियार, विस्फोटक और जंगल सर्वाइवल की ट्रेनिंग दी जाती थी। गुरपुर के कोटली में लश्कर का कैंप था, यहां

पुंछ में 2023 में श्रद्धालुओं पर हुए हमले के आतंकी ट्रेंड हुए थे। पाकिस्तान में हमारा पहला टारगेट सियालकोट का सरजल कैंप था। मार्च 2025 में पुलिस जवानों की हत्या करने वाले आतंकवादियों को यहीं ट्रेन दी गई थी। सियालकोट के महमूना जाया कैंप में हिजबुल का बहुत बड़ा कैंप था। यह कठुआ में आतंकवाद का नियंत्रण केंद्र था। पठानकोट हमला यहीं से प्लान किया गया। मरकद तैयबा मुरीदके में टेररिस्ट कैंप है। अजमल कसाब और डेविड कोलमैन हेडली यहीं ट्रेन हुए थे। मरकज सुभानअल्लाह भावलपुर जैश का हेडक्वार्टर था। यहां आतंकवादियों का रिक्रूटमेंट होता था, उन्हें ट्रेनिंग दी जाती थी। जैश के बड़े अफसर यहां आते थे। किसी तरह की नागरिक क्षति की रिपोर्ट नहीं है, हमने रिहायशी इलाकों को निशाना नहीं पहुंचाया है। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक मुजफ्फराबाद, बहावलपुर, मुरीदके समेत कुल 7 शहरों के 9 ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की गई। इनमें जैश-ए-मोहम्मद के 4, लश्कर-ए-तैयबा के 3 और हिजबुल मुजाहिदीन के 2 ठिकाने शामिल हैं।

देश के लिए गर्व का क्षण: ऑपरेशन सिंदूर पर पीएम मोदी की पहली प्रतिक्रिया

कैबिनेट बैठक में सेना की तारीफ, कहा- सटीक और साहसी कार्रवाई

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर अपनी पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया देते हुए इसे देश के लिए गर्व की बात बताया है। बुधवार को आयोजित केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में की गई एयर स्ट्राइक के बारे में विस्तार से जानकारी दी और भारतीय सेना की सटीक और साहसी कार्रवाई की जमकर सराहना की।

पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय सेना ने पूरी योजना के अनुसार बिना किसी चूक के आतंकवादियों के नौ ठिकानों को सफलतापूर्वक ध्वस्त किया है। उन्होंने कहा कि हमारे सशस्त्र बलों की बहादुरी और संकल्प ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। कैबिनेट के सभी मंत्रियों ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। मंत्रियों ने एक स्वर में कहा कि पूरा देश प्रधानमंत्री के साथ खड़ा है और इस निर्णायक कार्रवाई पर उन्हें गर्व है।

सरकार द्वारा दिए गए बयान के अनुसार, भारतीय सशस्त्र बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में मौजूद आतंकी ठिकानों पर लक्षित हमले किए। इन हमलों में केवल आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया गया, किसी भी पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को नुकसान नहीं पहुंचाया गया। यहां बताते चलें कि ऑपरेशन सिंदूर दरअसल 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के जवाब में की गई कार्रवाई है।

ब्लैकआउट: दिल्ली से लेकर दूसरे राज्यों तक, ऐसी दिखी भारत की तैयारियों की झलक

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंकवाद के पनाहगार पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बाद बुधवार को देशव्यापी मॉक ड्रिल किया गया। इस दौरान देश के विभिन्न राज्यों के बड़े शहरों में ब्लैकआउट देखने को मिला।

पाकिस्तान से युद्ध की आशंकाओं के बीच बुधवार को देशव्यापी मॉक ड्रिल देखने को मिला। 'ऑपरेशन अभ्यास' के तहत शाम चार बजे से शुरू हुए इस अभ्यास में हवाई हमलों, ब्लैकआउट और निकासी जैसी आपातकालीन घटनाओं के दौरान प्रतिक्रिया का आकलन किया गया।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मॉक ड्रिल के बीच नॉर्थ ब्लॉक, साउथ ब्लॉक, राष्ट्रपति भवन, संसद भवन और इंडिया गेट की लाइटें बंद कर दी गईं।

केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में भी इस अभ्यास का असर देखने को मिला। चंडीगढ़ प्रशासन की तरफ से 10 मिनट का ब्लैकआउट किया गया। 7ः30 से 7ः40 तक हुए ब्लैकआउट के दौरान पंजाब-हरियाणा सचिवालय, पंजाब-हरियाणा विधानसभा और पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट समेत शहर की तमाम इमारतों और घरों की लाइटें बंद नजर आईं। इस दौरान लोगों का पूरा समर्थन मिला।

हरियाणा के हिसार में भी लोगों ने मॉक ड्रिल के दौरान प्रशासन को पूरा सहयोग दिया। प्रशासन की अपील के बाद हिसार की जनता ने अपने घरों की लाइटें बंद कीं।

राजस्थान में अजमेर सहित कई बड़े शहरों पर मॉक ड्रिल का सफल अभ्यास किया गया। सरकार के आदेशानुसार, अजमेर में सायरन बजते ही ब्लैकआउट हुआ। शहर में 7:30 से 7:45 तक इसका असर दिखा। वाहनों, घरों, सड़कों की लाइटें बंद रहीं।

उत्तर प्रदेश के 15 जिलों में भी मॉक ड्रिल का सफल आयोजन हुआ। अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर भी ब्लैकआउट किया

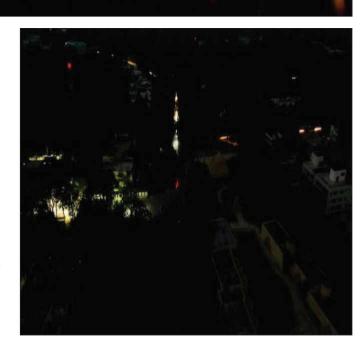

गया।

वहीं, बस्ती में लोगों ने अपने घरों की लाइटें बंद करके ब्लैकआउट में प्रशासन का सहयोग दिया। गांधी नगर क्षेत्र में भी यह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मौके पर सेना और एनसीसी के बच्चे भी मौजूद थे। ब्लैकआउट के लिए जिलाधिकारी रविश गुप्ता और एसपी प्रतिपाल सिंह चौहान ने लोगों से सहयोग की अपील की थी।

उत्तर प्रदेश के मेरठ, कानपुर, लखनऊ, गोरखपुर, बरेली, बुलंदशहर, संभल सहित 15 जिलों में ब्लैकआउट मॉक ड्रिल का आयोजन हुआ।

इन राज्यों के अलावा मध्य प्रदेश, ओडिशा, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में भी व्यापक स्तर पर मॉक ड्रिल का अभ्यास किया गया।

उल्लेखनीय है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध की आशंका को देखते हुए भारत ने अपनी तैयारियों को और मजबूत करने के लिए व्यापक कदम उठाए। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर देश के कई राज्यों में बुधवार को मॉक ड्रिल का सफल आयोजन हुआ। इस अभ्यास का उद्देश्य हवाई हमले, ड्रोन अटैक, मिसाइल हमले जैसी आपात स्थितियों से निपटने के लिए नागरिकों को जागरूक करना और प्रशासन की तत्परता को परखना है।

जिन्ह मोहि मारा, तिन्ह मोहि मारे...
ऑपरेशन सिंदूर पर बोले राजनाथ सिंह

नई दिल्ली।6 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में 50 बीआरओ (सीमा सड़क संगठन) बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के उद्घाटन के अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आप जानते हैं कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हमारे भारतीय सशस्त्र बलों ने हम सभी को गौरवान्वित किया है। सफल ऑपरेशन सिंदूर के लिए सेना की प्रशंसा करते हुए कहा कि सिर्फ उन लोगों को मारा जो हमारे निर्दोष लोगों की हत्या में शामिल थे।इस दौरान 'भारत माता की जय' के नारे भी लगे। राजनाथ ने कहा कि हमने भगवान हनुमान के उस सिद्धांत का पालन किया जिसका पालन उन्होंने अशोक वाटिका में जाते समय किया था। जिन्ह मोहि मारा, तिन्ह मोहि मारे। हमने उन्हीं को निशाना बनाया जिन्होंने हमारे निर्दोषों को मारा। उन्होंने कहा कि हमने जो लक्ष्य तय किए थे, उन्हें योजना के अनुसार सटीकता से नष्ट कर दिया गया।उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने सटीकता, सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ काम किया।दलगत राजनीति से ऊपर उठते हुए भारत के विभिन्न दलों के नेताओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किए गए मिसाइल हमलों की सराहना की और सोशल मीडिया पर 'भारत माता की जय' और 'जय हिंद' जैसे देशभक्ति के नारे पोस्ट किए।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'भारत माता की जय' कहा, जबकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया पर 'जय हिंद' और 'जय हिंद की सेना' लिखा।

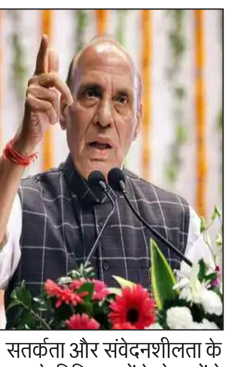

अगर पाकिस्तान तनाव बढाएगा तो मिलेगा जवाब : डोभाल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने बुधवार को विभिन्न देशों के अपने समकक्षों से बातचीत की।इस दौरान, डोभाल की बात चीनी विदेश मंत्री वांग यी से भी हुई।उन्होंने सभी देशों को अच्छी तरह से पाकिस्तान को लेकर समझाते हुए बताया कि भारत का तनाव बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन अगर पाकिस्तान ऐसा करता है तो वह दृढ़ता से जवाबी कार्रवाई करने के लिए तैयार है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।डोभाल ने अमेरिका, ब्रिटेन, सऊदी अरब और जापान में अपने समकक्षों को पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे के खिलाफ भारत के मिसाइल हमलों के बारे में जानकारी दी।अधिकारियों ने बताया कि डोभाल ने रूस और फ्रांस से भी संपर्क किया।एक अधिकारी ने बताया, 'एनएसए ने अपने समकक्षों को भारत की कार्रवाई और हमले के तरीके के बारे में जानकारी दी, जो कि सटीक, गैर–उकसावे वाला और संयमित था।उन्होंने (डोभाल ने) इस बात पर जोर दिया कि भारत का तनाव बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन अगर पाकिस्तान ऐसा फैसला करता है, तो वह दृढ़ता से जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।' भारत द्वारा नौ स्थानों पर 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाए जाने के तुरंत बाद यह बातचीत हुई।डोभाल ने अमेरिकी एनएसए व विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ब्रिटेन के जोनाथन पॉवेल, सऊदी अरब के मुसैद अल ऐबन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के एचएच शेख तहनून और जापान के मसाताका ओकानो से बात की। अधिकारी ने बताया, 'रूसी एनएसए सर्गेई शोइगु, चीन के विदेश मंत्री वांग यी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के राजनयिक सलाहकार के साथ भी संपर्क किया गया है।' डोभाल आने वाले दिनों में अपने समकक्षों के साथ संपर्क करेंगे।

कांग्रेस कार्य समिति ने एक स्वर में किया 'ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन

नई दिल्ली/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव । कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद बुधवार को पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति की अनौपचारिक आपात बैठक बुलाई जिसमें पहलगाम हमले के जवाब में सशस्त्र बलों की कार्रवाई का एकजुटता से और एक स्वर में समर्थन किया गया। कार्य समिति की बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस देश के वीर सैनिकों की साहसिक कार्रवाई की सराहना करती है और आतंकवाद के खिलाफ उठाए जा रहे हर कदम में देश के साथ खड़ी है। अचानक और अनौपचारिकरूप से बुलाई गई इस बैठक में दिल्ली में मौजूद पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं को शामिल होने का आग्रह किया गया था। श्री खरगे ने कहा, "देश में जो घटना घटी है और इसको लेकर सरकार जो कदम उठा रही है उस पर आज हमने कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक बुलाई। हम अपने सशस्त्र बलों पर गर्व करते हैं, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के आतंकी ठिकानों पर साहसिक और निर्णायक कार्रवाई करते हुए मुहंतोड़ जवाब दिया है। हम अपने जाँबाज सैनिकों के साहस, दृढ़ संकल्प और राष्ट्रभक्ति को सलाम करते हैं। उन्होंने कहा, "पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के दिन से ही कांग्रेस ने साफ तौर पर सशस्त्र बलों और सरकार के साथ एकजुटता से खड़े होकर सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ हर निर्णायक कार्रवाई का समर्थन किया था। पाकिस्तान और पीओके से उत्पन्न होने वाले आतंकवाद के सभी रूपों के विरुद्ध भारत की राष्ट्रीय नीति बहुत स्पष्ट और अडिग है। देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए सभी स्तर पर एकजुटता की सर्वाधिक जरूरत है। कांग्रेस देश के वीर जवानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "इतिहास गवाह है कि हमारे नायकों ने हमेशा राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखते हुए, देश की एकता और अखंडता के लिए अपनी शहादत तक दी है।

संक्षिप्त समाचार

लालू प्रसाद यादव के बेटे का बड़ा ऐलान, बोले- मैंने पायलट की ट्रेनिंग ले रखी है, देश के लिए जान की बाजी लगा दूंगा

पटना / भव्य खबर/ एजेंसी। 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान और ढडङ में "ऑपरेशन सिंदूर" चलाया। इस ऑपरेशन में भारतीय सेना ने 9 आतंकी ठिकानों पर हमला किया, जिसमें कई आतंकियों के मारे जाने की खबर है। ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान से बढ़ते तनाव के बीच राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने एक बड़ा ऐलान किया। तेज प्रताप यादव ने 7 मई 2025 की रात अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में वे पायलट की वर्दी पहने हुए थे। साथ ही उन्होंने अपनी पायलट लाइसेंस की तस्वीर भी पोस्ट की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा- अगर पायलट की ट्रेनिंग देश के काम आ सकती है, तो मैं तेज प्रताप यादव हर समय देश की सेवा के लिए तत्पर हूं। मैंने पायलट की ट्रेनिंग ले रखी है और अगर देश के लिए मेरी जान भी चली जाए तो मैं इसे अपना सौभाग्य समझूंगा। जय हिंद। तेज प्रताप यादव के इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स की प्रतिक्रियाओं का सिलसिला शुरू हो गया। एक यूजर प्रवीण ने लिखा, "तेज प्रताप यादव के पास जो लाइसेंस है, वह फ्लाइट रेडियो टेलीफोन ऑपरेटर लाइसेंस (रिस्ट्रिक्टेड) है, जो केवल रेडियो ऑपरेशंस के लिए है, न कि विमान उड़ाने के लिए। इसका मतलब यह है कि वे तकनीकी रूप से पायलट नहीं हैं क्योंकि उनके पास ऊङ्खअ (नागर विमानन महानिदेशालय) से पायलट लाइसेंस नहीं है। एक अन्य यूजर ने लिखा, "यह रेडियो ऑपरेटर का लाइसेंस दिखाकर खुद को पायलट बता रहा है। या तो इसे बेवकूफ बनाकर पायलट कहकर रेडियो ऑपरेटर बना दिया गया है, या फिर इसे लगता है कि बाकी दुनिया को अंग्रेजी नहीं आती। खैर, ये पोस्ट तो आरजेडी के समर्थकों के लिए है, जो अंग्रेजी नहीं समझ पाते और जो तेज प्रताप कहेंगे। वही उन्हें सही लगेगा।" किसी और यूजर ने लिखा, "तेज प्रताप जी, आपका जज्बा काबिले तारीफ है, ईश्वर करे आपकी जान न जाए, लेकिन अगर आपको फाइटर जेट दिया गया, तो शायद वो गिर जाएगा।

"पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला ऐतिहासिक", ऑपरेशन सिंदूर पर बोली जदयू

पटना / भव्य खबर/ एजेंसी। बिहार में सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड ने पाकिस्तानी के नौ ठिकानों पर किए गए हमले को ऐतिहासिक बताया है। भगवान बुद्ध की पावन ज्ञान भूमि बोधगया में दो दिनों तक चलने वाले जदयू के प्रवक्ताओं और मीडिया सेल के पदाधिकारी का प्रशिक्षण शिविर के क्रम में जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पाकिस्तानी आतंकियों पर जो हमला किया गया, वह ऐतिहासिक है। इसके लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद है, जिन्होंने एक ऐतिहासिक निर्णय लिया। उमेश कुशवाहा ने दो दिनों तक चलने वाले सेमिनार को लेकर कहा कि मिशन 2025 को लेकर प्रवक्ताओं और मीडिया सेल के पदाधिकारी को कई तरह के दिशा निर्देश दिए गए है। साथ ही उन्हें 2025 बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशिक्षित किया गया है, ताकि वे जनता बीच जाकर किस तरह की बातों को रखें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा जो जातिगत जनगणना करने का निर्णय लिया गया है, उसके लिए भी उन्हें बधाई देते हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में जातिगत जनगणना कराकर ऐतिहासिक कार्य किया है, उनके इस कार्य को अब केंद्र सरकार के द्वारा भी फॉलो किया जा रहा है और जातिगत जनगणना करने का निर्णय लिया गया है। जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि विदेश मंत्रालय ने यह बयान जारी कर दिया है कि जो हमला किया गया है वह सिर्फ आतंकियों को ठिकाने लगाने के लिए किया गया है। निर्दोष जनता और पाक सैनिकों के ऊपर कोई हमला नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना में मारे गए बेकसूर लोगों का ऑपरेशन सिंदूर के तहत न्याय दिलाने का कार्य किया गया।

तिरंगे में लिपटकर आया पलवल का लाल, हर दिल से निकली यही आवाज- अमर रहें दिनेश

पलवल / भव्य खबर/ एजेंसी। जम्मू के पुंछ में पाकिस्तान की ओर से की गई कायराना फायरिंग में हरियाणा के पलवल के रहने वाले जवान दिनेश कुमार शर्मा ने देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दे दिया। उनकी शहादत पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी समेत कई नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि शहीद दिनेश कुमार की शहादत पर पूरे देश को गर्व है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए लिखा, "ऑपरेशन सिंदूर के बाद आज सुबह जम्मू के पुंछ में पाकिस्तान की ओर से हुई गोलीबारी का डटकर सामना करते हुए माँ भारती के वीर सपूत हरियाणा के पलवल के बेटे जवान दिनेश कुमार शर्मा जी ने अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। आपकी शहादत पर प्रत्येक देशवासी को गर्व है। यह देश आपके त्याग को कभी भुला नहीं पाएगा। इस शहादत को मेरा नमन। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भी शहीद दिनेश कुमार की शहादत पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा, "हरियाणा की धरती के वीर सपूत भारतीय सेना के सैनिक दिनेश कुमार शर्मा जी ने पाकिस्तान की ओर से हुई गोलीबारी का डटकर सामना करते हुए मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी तैनाती जम्मू के बारामुला में थी। उनकी वीरगति को मेरा सलाम व भावपूर्ण श्रद्धांजलि। कांग्रेस नेता कुमारी सैलजा ने भी जवान दिनेश कुमार की शहादत पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, "जम्मू-कश्मीर में पलवल, हरियाणा के वीर सपूत दिनेश कुमार शर्मा जी ने देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। भारत मां के इस वीर लाल को कोटिशः नमन। ईश्वर शोकाकुल परिवार को संबल प्रदान करें। वहीं पुंछ में पाक फायरिंग को लेकर कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, "पुंछ जिले में पाकिस्तान द्वारा किए गए निर्दोष नागरिकों के नरसंहार का भी हिसाब से जवाब मिलेगा। पाकिस्तान की महाकायर फौज निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाकर अपनी बौखलाहट दिखा रही है। हमारी फौज ने एक भी सिविलियन क्षेत्र को निशाने पर नहीं लिया था। सभी आतंकी ठिकाने थे। यही फर्क है।

"ऑपरेशन सिंदूर"

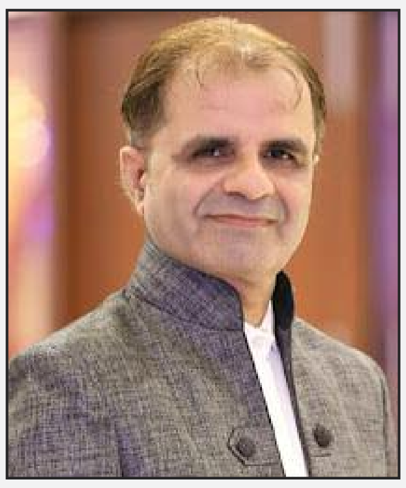

किशन सनमुखदास भावनानी

भारत पर टिकी हुई थी कि पहलगाम में मारे गए 26 सैलानियों का जवाब दोषियों उनके आकाओं योजनाकारो सहयोगियों को किस तरह देगा, क्योंकि भारत की रणनीतिक तैयारी घटना के दिन से ही शुरू हो गई थी। रणनीतिक रूप से मीटिंगों का दौरा,अंतर्राष्ट्रीय देशों से सलाह मशविरा फिर 7 मई 2025 को पूरे भारत के 244 जिलों में सिविल डिफेंस मॉकड्रिल को आयोजित किया गया था, परंतु उसके कुछ घंटे के पूर्व ही रात्रि करीब 1.44 ए.एम पर पाकिस्तान पर भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत सफल टारगेटेड सर्जिकल स्ट्राइक कर 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया, यह हमला बहावलपुर कोटली और मुजफ्फराबाद में किया गया है, जिसमें सभी आतंकी कैंप तबाह हो गए हैं।

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ की निगाहें भारत पर टिकी हुई थी कि पहलगाम में मारे गए 26 सैलानियों का जवाब दोषियों उनके आकाओं योजनाकारो सहयोगियों को किस तरह देगा, क्योंकि भारत की रणनीतिक तैयारी घटना के दिन से ही शुरू हो गई थी। रणनीतिक रूप से मीटिंगों का दौरा,अंतर्राष्ट्रीय देशों से सलाह मशविरा फिर 7 मई 2025 को पूरे भारत के 244 जिलों में सिविल डिफेंस मॉकड्रिल को आयोजित किया गया था, परंतु उसके कुछ घंटे के पूर्व ही रात्रि करीब 1.44 ए.एम पर पाकिस्तान पर भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत सफल टारगेटेड सर्जिकल स्ट्राइक कर 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया, यह हमला बहावलपुर कोटली और मुजफ्फराबाद में किया गया है, जिसमें सभी आतंकी कैंप तबाह हो गए हैं। कार्रवाई को सफलता से अंजाम दिया गया, इसके पश्चात रात्रि में ही एक्सः पोस्ट पर सभी संदेश आना शुरू हो गए मैंने सुबह 6 बजे तक लगातार मीडिया चैनलों पर नजर गाड़ाए रखा था तो सुबह 2.46 बजे राजनाथ सिंह का एक्सः पर पोस्ट आया भारत माता की जय,वहीं कांग्रेस नेता प्रियंका चतुर्वेदी का का 3 बजे के बाद पोस्ट आया माथे का सिंदूर मिटने वालों को उसका जवाब देकर रहेंगे, जय जवान! जयर्हि-हंदुस्तान! जय हिंद! इसी प्रकार तेजस्वी यादव, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,आदित्य ठाकरे इत्यादि के सुबह 4 बजे के आसपास बयान आना शुरू हो गए। मेरा मानना है कि इस सर्जिकल स्ट्राइक का नाम ऑपरेशन सिंदूर इसलिए रखा गया होगा, क्योंकि पहलगाम में अनेकों भारतीय बेटियां अपना हनीमून मनाने गई थी जिनकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे, उनका सिंदूर उजड़ गया था उनसे जात धर्म पूछकर उनके पतियों को मार गिराया गया था, इसलिए इस ऑपरेशन के जरिए उन बेटियों को इंसाफ देने की थोड़ी सी कोशिश की गई है यानी यूं कहें कि यह तो केवल टेलर हैअब खेला तो शुरू होगा। चूँकि भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर के तहत 9 आतंकी ठिकानों पर सफल टारगेटेड कार्रवाई कर उन्हें ध्वस्त कर दिया है, जिससे भारत नें आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को नया आयाम दिया है, क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर से घर में घुसकर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोगसे इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,ऑपरेशन सिंदूर- भारत ने पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर ध्वस्त किया, सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल के कुछ घंटे पूर्व की कार्रवाई हुई। साथियों बात अगर हम दिनांक 7 मई 2025 को अर्ली मॉर्निंग सिविल डिफेंस मॉकड्रिल के कुछ घंटे पहले पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल एयर स्ट्राइक की करें तो, भारत ने पाकिस्तान पर की एयर स्ट्राइक,9 आतंकी ठिकानों पर किया हमला।भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को एक नया आयाम देते हुए ऑपरेशन सिंदूर को लॉन्च किया है। इस ऑपरेशन में भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित 9 आतंकी ठिकानों पर टारगेटेड स्ट्राइक की है। यह कार्रवाई 6 मई 2025 की देर रात डेढ़ बजे के आसपास अंजाम दी गई। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को एक नया आयाम देते हुए ऑपरेशन सिंदूर को लॉन्च किया है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, भारतीय वायु सेना ने अत्यन्त सटीक और सावधानीपूर्वक इन ठिकानों को निशाना बनाया है।पीआईबी ने जानकारी दी है कि ऑपरेशन सिंदूर की प्लानिंग को बहुत ही रणनीतिक रूप से तैयार किया गया ताकि आतंकवादियों की गतिविधियों को करारा जवाब दिया जा सके, इस ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान की सैन्य सुविधाओं को नहीं छुआ गया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि कार्रवाई का असल मकसद आतंक को खत्म करना है,न कि पड़ोसी मुल्क के साथ संघर्ष को बढ़ाना, वायु सेना की तरफ से ये स्ट्राइक भारत के कमोबेश 300 लोकेशन पर होने वाले मॉक ड्रिल से कुछ घंटे पहले किया गया है। पीआईबी के मुताबिक, ये कदम पहलगाम में हुए बर्बर आतंक वादी हमले के बाद उठाए गए हैं, जिसमें 26 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी। भारत अपनी इस प्रतिबद्धता पर खरा उतरा है कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। पीआईबी ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आगे की जानकारी जल्द ही दी जाएगी। भारतीय सेना ने जम्मू और कश्मीर स्थित पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला ले लिया है सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर स्थित मुजफ्फराबाद में भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों पर स्ट्राइक की। साथियों बात अगर हम रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान की करें तो,भारतीय सशस्त्र बलोंने पाकिस्तान व पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जहाँ से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई गई. कुल मिलाकर, नौ (9) स्थलों को निशाना बनाया गया है.बयान में कहा गया- हमारी कार्रवाई केंद्रित, सधी और उकसाने से बचने वाली रही,किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया गया है भारत ने ठिकानों के चयन और उन्हें तबाह करने तरीके में काफी संयम दिखाया है,बयान के अनुसार ये कदम पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर उठाए गए हैं जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी, मंत्रालय ने कहा कि हम इस प्रतिबद्धता पर खरे उतर रहे हैं कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा, बाद में ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी। साथियों बात अगर हम सर्जिकल स्ट्राइक का नाम ऑपरेशन सिंदूर रखने से संभावित कारणों की करें तो, इसके पीछे सरकार का मकसद क्या रहा होगा,डिफेंस एक्सपर्ट की मानें तो पहलगाम में आतंकियों ने कई ऐसे लोगों को मारा जिनकी चंद दिनों पहले शादी हुई थी। भारत ने इन महिलाओं की आंखों में आंसू देखे थे, तभी कसम खाई थी कि एक-एक आंसू का हिसाब लिया जाएगा, इनमें गुरुग्राम की हिमांशी नरवाल भी थीं, जिनकी 16 अप्रैल को शादी हुई थी, वह पति ' विनय नरवाल के साथ हनीमून मनाने गई थीं, लेकिन आतंकियों ने विनय को मार डाला। इसी तरह जयपुर की प्रियंका शर्मा को आतंकियों को दर्ददिया, प्रियंका अपने पति रोहित के साथ पहलगाम में हनीमूनमनाने गई थीं, हमले के दौरान रोहित को गोली लगी औरउनकी मौके पर ही मौत हो गई, प्रियंका घायल हुईं और उन्हेंश्रीनगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। शिमला की रहनेवाली अंजलि ठाकुर अपने पति विवेक ठाकुर के साथ गईथीं, इनकी भी इसी साल 12 अप्रैल को शादी हुई थी, विवेकऔर अंजलि पहलगाम में ट्रेकिंग के लिए गए थे, लेकिनआतंकियों ने उन्हें भी नहीं बख्शा, अंजलि किसी तरह बचगईं, अंजलि ने बाद में कहा,हमारी जिंदगी शुरू होने सेपहले ही खत्म हो गई. उनकी बातों ने सबको हिला दियाथा। पुणे की रहने वाली स्नेहा पाटिल अपने पति अमितपाटिल के साथ हनीमून पर गई थीं, 10 अप्रैल को ही इनकीशादी हुई थी, अमित और स्नेहा पहलगाम में छुट्टियां मनारहे थे, तभी आतंकियों ने उन्हें गोली मार दी,स्नेहा नेअस्पताल में कहा, आतंकियों ने हमारा सब कुछ छीनलिया। सिंदूर मिटाने पर 'ऑपरेशन सिंदूर' पहलगाम केआतंकियों ने जब बैसरन में हमला किया तो वहां उन्होंनेकिसी भी महिला की जान नहीं ली, दरअसल, इस ऑपरेशन के नाम के पीछे भी एक कारण छिपा है ।जब आतंकी हमारी महिलाओं का सिंदूर छीनने की साजिश करें, तो जवाब उसी प्रतीक से दिया जाए, यह संदेश स्पष्ट है, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए न सिर्फ आतंकियों कोसबक सिखाया है, बल्कि यह भी जता दिया है कि अबकिसी भी महिला के सिंदूर पर हाथ डालना सीधा युद्ध केबराबर माना जाएग। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने पाकिस्तान को यह भी दिखा दिया है कि अब भारत पुरानी नीति पर नहीं चलेगा, 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद यह तीसरी बड़ी कार्रवाई है, जो सीधे पाकिस्तान की धरती पर जाकर की गई है। इसका एक बड़ा संदेश यह भी है कि भारत अब बात नहीं, केवल जवाबी कार्रवाई में विश्वास रखता है पाक को अब तय करना है, वह आतंक की पनाहगाह बना रहेगा या जिम्मेदार पड़ोसी की तरह व्यवहार करेगा। अतः अगर हम उपरोक्त पर्यावरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ऑपरेशन सिंदूर- पाकिस्तान में घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर ध्वस्त किया-सिविल डिफेंस मॉकड्रिल के कुछ घंटे पूर्व कार्रवाई। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर कर 9 आतंकी ठिकानों पर सफल टारगेटेड कार्रवाई की।भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को नया आयाम दिया-घर में घुसकर पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर से करारा जवाब दिया।

संपादकीय

मॉक ड्रिल का संदेश

अमृता आर. पंडित

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश के कई राज्यों को कल 7 मई को व्यापक नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब भारत पहलगाम में22 अप्रैल को आतंकी हमले, जिसमें 26 नागरिक मारे गए, के जवाबमें कड़ा रुख अपनाए हुए है। हालांकि घटना के बाद से ही केंद्र सरकारने एक के बाद एक कूटनीतिक और आर्थिक फैसले लेकर इस हमलेको शह देने वाले पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। लेकिन देश केनागरिक इस हमले से इस कदर गुस्से में हैं कि उसी तरह मुंह तोड़ जवाबदेना चाहते हैं जिस तरह पुलवामा और उरी में आतंकवादी घटनाओं केबाद दिया गया था। केंद्र में सत्तारूढ़ मोदी स-रकार पर भारी दबाव है किमाकूल जवाब दे। जन भावना इस कदर आक्रोशित है कि कुछ दिन पहलेप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेनाओं के पाले में गेंद डालते हुए उन्हें जवाबीकार्रवाई करने की पूरी छूट दे दी थी। अब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कईराज्यों को मॉक ड्रिल आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। मॉक ड्रिलआपातकालीन संकट या संकट की स्थिति में अपनी तैयारी और प्रतिक्रियाक्षमता को परखने का प्रभावी तरीका है। इससे सुरक्षा योजनाओं कोपरखने, उनकी कमी पहचानने और उन्हें सुधारने में मदद मिलती है।मॉक ड्रिल के जरिए दुनिया को साफ संदेश जाएगा कि पाकिस्तान कोसबक सिखाने के लिए भारत पूरी तैयारी कर रहा है, जो सीमित या पूर्णयुद्ध के रूप में हो सकती है यानी भारत के कूटनीतिक कदम अब युद्धकी रणनीति की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। मॉक ड्रिल के दौरान एयर रेडवार्निंग सायरनों का संचालन होगा। नागरिकों को संभावित हमलों कीस्थिति में खुद को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक सुरक्षा तकनीकों काप्रशिक्षण दिया जाएगा। क्रैश ब्लैकआउट की व्यवस्था की जाएगी।महत्त्वपूर्ण संयंत्रों और प्रतिष्ठानों की त्वरित कैमु लाजिंग की जाएगी जोराष्ट्रीय संपत्तियों को सुरक्षा के लिए एक मान युद्धकालीन उपाय है।निकासी योजनाओं का अद्यतन और पूर्वाभ्यास होगा जिसके तहत किसीभी आपात स्थिति में नागरिकों को तेजी से सुरक्षित स्थानों पर ले जाने काअभ्यास किया जाएगा।

हास्यव्यंग्य

व्यापारी के बेट

एक व्यापारी के दो पुत्र थे। मरने से पहले उसने अपनी संपत्ति दोनों बेटों में बराबर-बराबर बांट दी। एक पुत्र ने अपने व्यापार को काफी बढ़ाया। वहअत्यंत संपन्न होकर समाज के प्रतिष्ठत लोगों में गिना जाने लगा। जबकिदूसरे को व्यापार में घाटा हो गया और उसके परिवार को दो जून की रोटीजुटाने में भी अत्यंत तकलीफें उठानी पड़ीं।
अपने भाई की तरक्की औरअपनी दुर्दशा देखकर दूसरा भाई एक संत के आश्रम में पहुंचा और बोला,महाराज, मुझे लगता है कि ईश्वर केवल कल्पना है और यदि उसकाअस्तित्व कहीं है भी तो वह पक्षपाती है। क्या वह भी पक्षपात करता है? मैंऔर मेरे भाई दोनों एक ही पिता की संतान हैं। पिता ने दोनों को बराबरहिस्सा दिया।
लेकिन वह लगातार तरक्की कर रहा है और मैं रसातल कीओर जा रहा हूं। भला ऐसा क्यों?उसकी बात सुनकर संत उसे अपने साथ एक बगीचे में ले गए और बोले,देखो, वहां एक कोने में गन्ना बोया हुआ है, दूसरे कोने में चिरायता है, एकओर चमेली के फूल अपनी सुगंध बिखेर रहे हैं तो दूसरी ओर गुलाब केपौधों पर फूलों के साथ कांटे भी नजर आ रहे हैं । इनकी इस भिन्नता केलिए इन्हें पैदा करने वाली जमीन दोषी या पक्षपाती नहीं है। जैसा बीज बोयागया है वैसा ही फल मिला है। सुख-दुख और उन्नति-अवनति के लिएईश्वर जिम्मेदार नहीं बल्कि स्वयं मनुष्य जिम्मेदार है। उसके कर्म औरसंस्कार जिम्मेदार हैं। तुम्हारे भाई ने मेहनत और योग्यता से अपने काम कोसंभाला तो उस्की उन्नति होती गई, इसके विपरीत तुमने आलस्य और भोगविलास में अपना समय व्यतीत किया तो तुम्हारा धन धीरे-धीरे खत्म होतागया। तुमने मेहनत की ही कब थी जो ईश्वर को दोष दे रहे हो। जैसा कर्मतुमने किया है वैसा ही फल पाया है। ह सुनकर दूसरे पुत्र की आंखें खुलगईं। वह अपनी गलती सुधारने का निश्चय कर वहां से चला आया।

"बार एसोसिएशन चुनाव और महिलाओं का प्रतिनिधित्व"

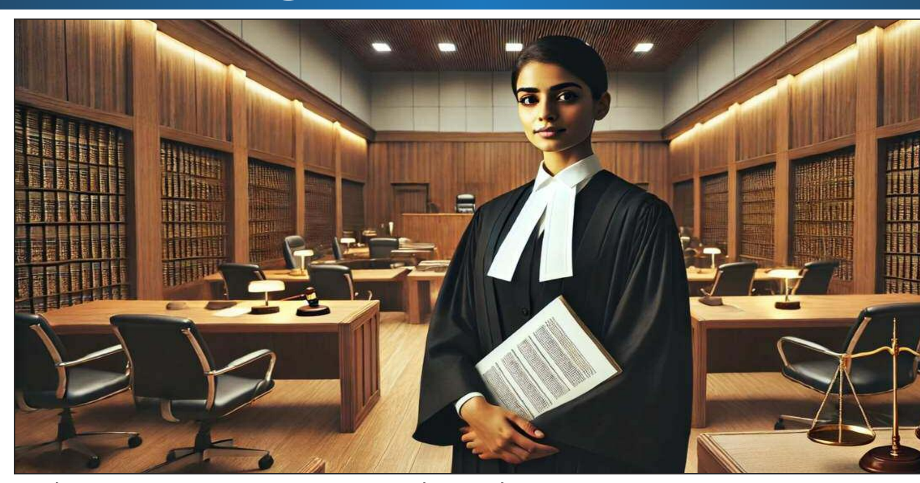

महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं—चाहे वह विज्ञान हो, शिक्षा हो, या व्यवसाय। लेकिन जब बात पेशेवर संस्थाओं जैसे बार एसोसिएशन के चुनावों की आती है, तो महिलाओं की भागीदारी अब भी सीमित नजर आती है। यह विडंबना ही है कि जहां कानून के रक्षक चुने जाते हैं, वहां न्याय का सिद्धांत—समान प्रतिनिधित्व—अभी भी अधूरा है। हालांकि कुछ बदलाव शुरू हुए हैं। अब शिक्षित, पेशेवर महिलाएं—डॉक्टर, इंजीनियर, अधिवक्ता—राजनीतिक और संगठनात्मक नेतृत्व की ओर कदम बढ़ा रही हैं। वे आत्मविश्वास और संकल्प के साथ मैदान में उतरती हैं। लेकिन यह राह आसान नहीं है। महिलाएं जब चुनाव लड़ती हैं, तो उनके लिए यह सिर्फ एक मुकाबला नहीं होता, यह एक मानसिकता के खिलाफ संघर्ष होता है। उन्हें अक्सर शक की निगाह से देखा जाता है—क्या ये चला पाएगी?, क्या इसे लोग वोट देंगे? चुनावी प्रक्रिया में भी संस्थागत भेदभाव उन्हें पीछे धकेलता है। कई बार उन्हें मंच तो दिया जाता है, पर निर्णायक भूमिका नहीं। वे टिकट मांगती हैं, तो उन्हें बताया जाता है कि पुरुष उम्मीदवार ज्यादा मजबूत हैं। राजनीतिक पार्टियाँ और बार समितियाँ अब भी महिलाओं को प्रतीकात्मक भूमिकाओं तक सीमित रखने में ही सहज महसूस करती हैं। उन्हें सिर्फ उपस्थिति के लिए रखा जाता है, नेतृत्व के लिए नहीं। इसके पीछे एक डर छिपा होता है—कि यदि महिलाएं नेतृत्व करेंगी, तो वे सिर्फ चेहरा नहीं, दिशा भी बदल देंगी। और यह व्यवस्था उस बदलाव के लिए तैयार नहीं है। फिर भी कई महिलाएं इस सोच को तोड़ने में सफल रही हैं। इंदिरा जयसिंह, करुणा नंदी, वर्षा शर्मा जैसी अधिवक्ताओं ने साबित किया कि जब अवसर मिले तो महिलाएं सिर्फ हिस्सा नहीं बनतीं, इतिहास बनाती हैं। यह बदलाव केवल व्यक्तिगत नहीं, सामाजिक है। जब एक महिला बार चुनाव में जीतती है, तो वह सैकड़ों अन्य महिलाओं को भी खड़ा होने की प्रेरणा देती है। सेंट्रल बार चुनाव 2025 इसका एक ताजा उदाहरण है। इस चुनाव में 6 महिलाएं संयुक्त सचिव पद पर, एक महिला मध्य उपाध्यक्ष पद पर, दो वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पद पर और 7 महिलाएं कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पद पर चुनावी मैदान में उतरीं। यह संख्या अपने-आप में हौसला देने वाली थी। लेकिन परिणामों ने एक और सच्चाई को उजागर किया। कुल 16 महिला उम्मीदवारों में से केवल 3 ही विजयी हो सकीं—एक वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य और दो कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य। यह नतीजा यह बताने के लिए काफी है कि महिला उम्मीदवारों की योग्यता या मेहनत में नहीं, बल्कि सामाजिक और मानसिक संरचना में बाधा है।
इन महिलाओं के लिए चुनौती केवल विरोधी उम्मीदवार नहीं थे, बल्कि आर्थिक असमानता, सहयोग की कमी और गहराई से जमी पितृसत्तात्मक सोच भी थी। कई बार लोग खुले तौर पर स्वीकार करते हैं—"महिलाएं जीत भी जाएं तो क्या कर लेंगी?" यह कथन केवल एक विचार नहीं, बल्कि वोटिंग व्यवहार का हिस्सा बन चुका है।
यह साफ है कि समस्या महिलाओं की क्षमता में नहीं है, समाज की सोच और व्यवस्था की संरचना में है। हमें ऐसी प्रणाली की जरूरत है जो महिलाओं को अवसर दे, अधिकार दे, और उनके नेतृत्व पर विश्वास करे। यह सिर्फ महिलाओं की लड़ाई नहीं है, यह न्याय और लोकतंत्र की भी लड़ाई है।
जब तक हर मंच पर महिलाओं की निर्णायक भागीदारी नहीं होगी, तब तक बराबरी सिर्फ एक आदर्श रहेगी, हकीकत नहीं। अब समय आ गया है कि बार एसोसिएशन जैसे संस्थान नेतृत्व की कुर्सियों पर महिलाओं को भी जगह दें—न दया से, न दिखावे के लिए, बल्कि उनके हक और योग्यता के आधार पर। जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो वे अकेली नहीं चलतीं—वो पीछे आ रही असंख्य पीढ़ियों को भी दिशा देती हैं। इस रास्ते को सिर्फ तालियों की नहीं, ठोस समर्थन और हमारी सोच की रोशनी की जरूरत है।

मंजुषा सिंह

"पहलगाम से ऑपरेशन सिन्दूर तक : आतंक के विरुद्ध निर्णायक युद्ध"

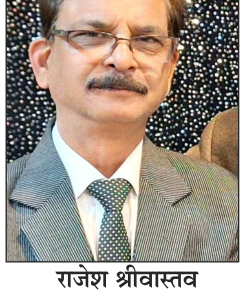

राजेश श्रीवास्तव

22 अप्रैल 2025 का पहलगाम हमला केवल एक आतंकी घटना नहीं, बल्कि भारत की अखंडता और मानवीय सभ्यता पर क्रूर प्रहार था। बैसरन की सुंदर वादियों को जब निर्दोष पर्यटकों के खून से रंगा गया, तो यह स्पष्ट हो गया कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद अब सिर्फ सीमा पार हमले नहीं, बल्कि धार्मिक पहचान के आधार पर नरसंहार का रूप ले चुका है। भारत ने इस हमले के बाद जो तीव्र और निर्णायक प्रतिघात दिया, वह विश्व बिरादरी के लिए एक स्पष्ट संदेश था—अब भारत चुप नहीं रहेगा। ऑपरेशन सिंदूर के तहत सीमापार आतंकी अड्डों को नष्ट कर भारतीय सेना ने अपने पुराने प्रतिरक्षा-प्रधान रुख से आगे बढ़कर प्रतिशोध की नई नीति अपनाई है। पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि अब हर हमले की कीमत उसे चुकानी पड़ेगी—आर्थिक, राजनीतिक और रणनीतिक स्तर पर। सिंधु जल संधि का निलंबन हो, पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र पर रोक या राजनयिक संबंधों को सीमित करना—इन सब कदमों ने पाकिस्तान को स्पष्टतः घेरा है। वह अब केवल निंदा या विरोध प्रदर्शन से नहीं, बल्कि ठोस नीतिगत बदलावों से जूझ रहा है। भारत ने जो कूटनीतिक दबाव बनाया है, वह पाकिस्तान की डूबती अर्थव्यवस्था और वैश्विक अलगाव को और तेज करेगा। मगर प्रश्न यही है—क्या यह सब पर्याप्त है? क्या पाकिस्तान, जिसने दशकों से आतंकवाद को अपने कूटनीतिक उपकरण की तरह इस्तेमाल किया है, अब सुधर जाएगा? जवाब है—नहीं। पाकिस्तान की सैन्य सत्ता और आई एस आई का तंत्र न केवल आतंकवाद को पोषित करता है, बल्कि उसे अपनी सामरिक नीति का अभिन्न अंग मानता है। कश्मीर को ह्यजुगुलर वेनह्ण बताने वाला पाकिस्तान कभी नहीं चाहेगा कि भारत शांति से सांस ले। भारत को यह चक्र तोड़ना होगा—हमला, रोष, जवाब, और फिर मौन। आतंकवाद का समूल नाश कोई एक रात की कार्रवाई नहीं, बल्कि निरंतर और रणनीतिक युद्ध है। इसके लिए भारत को आतंक के वित्तीय स्त्रोतों को जड़ से काटना होगा। हवाला, ड्रग्स, और विदेशी फंडिंग जैसे नेटवर्कों को ट्रैक कर अंतरराष्ट्रीय सहयोग के साथ समाप्त करना होगा। साथ ही, भारत को पाकिस्तान को वैश्विक स्तर पर आतंक का पालक घोषित कराने की कोशिशों को और तीव्र करना चाहिए। अमेरिका, रूस और यूरोप से मिले समर्थन को केवल बयानबाजी तक सीमित न रखकर, पाकिस्तान पर आर्थिक और रणनीतिक प्रतिबंधों की दिशा में ले जाना होगा। सर्जिकल स्ट्राइक अब प्रतीकात्मक नहीं, नियमित नीति होनी चाहिए। केवल आतंकी ठिकानों पर नहीं, बल्कि उन्हें संचालित करने वाले मस्तिष्कों— आई एस आई अधिकारियों, प्रशिक्षकों, और आतंकी नेतृत्व पर सीधा हमला भारत की

सुरक्षा नीति का हिस्सा होना चाहिए। आंतरिक स्तर पर सुरक्षा तंत्र की कमजोरी भी उजागर हुई है। पहलगाम जैसे पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा सतर्कता, स्थानीय सहयोग, और तकनीकी निगरानी को प्राथमिकता देनी होगी। आतंक का मुकाबला बंदूक से पहले सूचना और तैयारी से होता है। साथ ही, भारत को सामाजिक स्तर पर वह दीवार खड़ी करनी होगी, जिसे आतंकवादी तोड़ना चाहते हैं। हिन्दू-मुस्लिम एकता और कश्मीर के स्थानीय नागरिकों का आतंक के खिलाफ स्पष्ट रुख इस लड़ाई को जीतने की आधारशिला है। जब आतंकी धर्म के नाम पर मारते हैं और स्थानीय लोग पीड़ितों की मदद करते हैं, तब भारत की आत्मा और भी प्रबल होती है। यह समय है जब भारत केवल प्रतिक्रिया नहीं, पूर्ण नीति-परिवर्तन का नेतृत्व करे। एक ऐसी नीति जो पाकिस्तान की जड़ें हिला दे, जो आतंक को न केवल मिटाए, बल्कि उसके विचार को भी समाप्त कर दे। यही सच्चा न्याय है उन निदोषों के लिए, जो पहलगाम में केवल सैर करने आए थे, पर लौटा नहीं सके। ऑपरेशन सिन्दूर केवल एक सैन्य प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि उस अदम्य साहस और रणनीतिक कौशल का प्रतीक है, जो हमारे जवानों के रक्त में बहता है। उन्होंने न केवल अपने शौर्य से पहलगाम के निदोषों की पीड़ा का उत्तर दिया, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि भारत अब केवल सहने वाला नहीं, संकल्प लेने वाला राष्ट्र है। सीमाओं पर डटे हर सैनिक, आसमान की निगरानी करता हर पायलट, और खुफिया तंत्र का हर नायक इस निर्णायक युद्ध के वास्तविक नायक हैं। भारत उनकी वीरता को नमन करता है—उनके साहस, उनकी निष्ठा और उनके अद्वितीय पराक्रम को। वे केवल शत्रु से नहीं लड़ते, वे उस विचारधारा से लड़ते हैं जो मानवता की नींव को हिलाना चाहती है। उनके बलिदान से ही यह देश सुरक्षित है, यह धरती गौरवान्वित है।

!! जय हिन्द !!

संक्षिप्त डायरी

दिल्ली दंगे : अदालत ने हत्या और साजिश के आरोपों से 12 लोगों को बरी किया

नई दिल्ली / भव्य खबर । दिल्ली की एक स्थानीय अदालत ने 2020 के उार-पूर्वी दिल्ली दंगों से संबंधित एक मामले में हत्या और आपराधिक साजिश के आरोपी 12 लोगों को बरी कर दिया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी 26 फरवरी, 2020 को गोकलपुरी इलाके में हाशिम अली नामक व्यक्ति की हत्या करने वाली दंगाई भीड़ का हिस्सा थे। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुलस्त्य प्रमाचला ने कहा कि परिस्थितिजन्य साक्ष्य भीड़ का हिस्सा होने के रूप में आरोपी की पहचान स्थापित करने के लिए अपर्याप्त थे। 30 अप्रैल को दिए गए अपने 52 पृष्ठ के आदेश में न्यायाधीश ने कहा, 'मुझे लगता है कि परिस्थितिजन्य साक्ष्य के नाम पर कुछ ऐसे साक्ष्य मौजूद हैं, जो किसी भी आरोपी व्यक्ति को अपराधी भीड़ का सदस्य बताने के लिए अपर्याप्त हैं।इसके बाद अदालत ने लोकेश कुमार सोलंकी, पंकज शर्मा, अंकित चौधरी, प्रिंस, जतिन शर्मा, हिमांशु ठाकुर, विवेक पांचाल, ऋषभ चौधरी, सुमित चौधरी, टिंकू अरोड़ा, संदीप और साहिल को बरी कर दिया। इसमें कहा गया कि अभियोजन पक्ष ने परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर भरोसा किया था योंकि प्रत्यक्षदर्शियों ने आरोपी की पहचान करने के लिए उसके मामले का समर्थन नहीं किया था। अदालत ने अभियोजन पक्ष की इस दलील को भी खारिज कर दिया कि कुछ आरोपी व्यक्ति (जो 'कट्टर हिंदू एकता नामक एक व्हाट्सएप ग्रुप का हिस्सा थे) ने अपनी चैट में हत्या की बात कबूल की थी। इसमें कहा गया है कि ऐसी पोस्ट या संदेश केवल ग्रुप के अन्य सदस्यों की नजर में हीरो बनने के इरादे से ग्रुप में डाले जा सकते हैं। इसमें कहा गया है कि इन पोस्ट को हत्या को साबित करने के लिए ठोस सबूत के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है जिसमें दंगा, हत्या और आपराधिक साजिश शामिल है।

दिल्ली में हिट-एंड-रन मामले में हत्या के प्रयास के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली / भव्य खबर । दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में महिपालपुर लाईओवर के पास अपनी एसयूवी से कुचलकर एक सुरक्षा गार्ड की हत्या करने के प्रयास के आरोप में 24-वर्षीय एक व्यक्ति को गिर तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान रंगपुरी निवासी विजय उर्फ लाले के रूप में हुई है और अपराध में कथित तौर पर इस्तेमाल की गई एसयूवी को जत कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना रविवार शाम को उस वक्त हुई, जब सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करने वाले पीड़ित राजीव कुमार को वाहन चालक ने जानबूझकर टक्कर मार दी। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) सुरेन्द्र चौधरी ने एक बयान में कहा, "उसे (गार्ड को) कई चोटें आईं तथा उसके पैरों और टखनों में फ्रैक्चर हो गया। घटना के बाद वसंत कुंज दक्षिण पुलिस थाने में एक प्राथमिकी दर्ज करके जांच शुरू की गई।पुलिस की टीम ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों से सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिससे उन्हें अपराधी के वाहन के पंजीकरण सं या का पता लगाने में मदद मिली। फुटेज में एसयूवी से पीड़ित को टक्कर मारते देखा जा सकता है, जिसके बाद वह (चालक) वाहन लेकर मौके से भाग गया।

एनडीएमसी ने दिल्ली में शुरू किया 20 दिवसीय स्वच्छता अभियान

नई दिल्ली / भव्य खबर । नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने राष्ट्रीय राजधानी के सार्वजनिक स्थानों को साफ-सुथरा बनाने के वास्ते सोमवार को 20 दिवसीय मेगा स्वच्छता अभियान शुरू किया। एनडीएमसी के अध्यक्ष केशव चंद्रा ने मंडी हाउस सर्किल और बंगाली मार्केट के बीच सफदर हाशमी मार्ग से इस अभियान की शुरूआत की। चंद्रा ने कहा, "प्रधानमंत्री जी ने स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है्ज्हम सभी इससे परिचित हैं। हाल ही में उपराज्यपाल और मु यमंत्री ने दिल्ली को एक बार फिर से सुंदर बनाने और शहर के हर कोने को चमकाने का आह्वान किया था। हमने 20 दिवसीय अभियान शुरू किया है, जिसमें एनडीएमसी के सभी अधिकारी सहित कर्मचारी प्रतिदिन एक घंटा श्रमदान करेंगे। एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर में अभियान का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा, "हमारा एक ही लक्ष्य है कि एनडीएमसी स्वच्छ रहे। एनडीएमसी के करीब 9,000 कर्मचारी आज श्रमदान कर रहे हैं। हम सभी को स्वच्छता के लिए काम करना चाहिए। एनडीएमसी की यह पहल पिछले सप्ताह मु यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा घोषित व्यापक शहरव्यापी स्वच्छता अभियान का हिस्सा है। तीन मई से शुरू हुए 20 दिवसीय अभियान का उद्देश्य दिल्ली के सार्वजनिक स्थलों में स्पष्ट बदलाव लाना है। अभियान के बाद राज निवास में उपराज्यपाल वी. के. स सेना की अध्यक्षता में एक बैठक हुई, जिसमें जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस उपायुक्त और विभिन्न विभागों के प्रमुख शामिल हुए।

फर्जी पासपोर्ट के जरिए सऊदी अरब में दोबारा प्रवेश की कोशिश के मामले में एजेंट समेत दो गिरफ्तार

नई दिल्ली / भव्य खबर । आईजीआई एयरपोर्ट थाना पुलिस ने फर्जी पासपोर्ट के जरिए सऊदी अरब में दोबारा प्रवेश की कोशिश कर रहे एक व्यक्ति को गिर तार किया है। इसके साथ ही इस पूरे फजीवाड़े में शामिल एक एजेंट को भी दबोचा है। आईजीआई एयरपोर्ट डीसीपी ऊषा रंगनानी के अनुसार यह मामला तब सामने आया जब एक भारतीय नागरिक मोहमद अली (54) 28 अप्रैल को सऊदी अरब से डिपोर्ट होकर दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा। जांच में पता चला कि वह पहले 2017 में पासपोर्ट सं या पी0752 पर सऊदी गया था और वहां वीजा ओवरस्टे के चलते लैकलिस्ट कर दिया गया था। इसके बावजूद वह हाल ही में एक नए पासपोर्ट (सं या डलू*754) पर, अलग पहचान के साथ, लखनऊ एयरपोर्ट से सऊदी के लिए रवाना हुआ था।

ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकी हमले में सुहाग खोने वाली बहनों को न्याय दिलाया : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पहलगाम में आतंकी हमले सुहाग खोने वाली बहनों न्याय दिलाया है। उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि वे सेनाओं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का साधुवाद करती है कि उनकी निर्णायक शक्ति ने देश के 140 करोड़ भारतीयों को सम्मान दिलाया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफल के बाद आज भारत में एक संतोष की अनुभूति महसूस की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अगर कोई भारत को किसी भी तरह से छेड़ने की कोशिश करेगा तो हमारी सेनाएं और सरकार उसको छोड़ेगी नहीं। उन्होंने कहा कि किसी माथे का सिंदूर ना मिटने देंगे, मिटाया तो घर में घुस के मार देंगे। ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम में मारे गए बेगुनाह 26 लोगों को श्रद्धांजलि है। मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए सेना और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की धन्यवाद किया।

उल्लेखनीय है कि भारत ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया। पहलगाम आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारत ने ये कार्रवाई की है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की है। इस ऑपरेशन को 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया गया है। भारतीय बलों ने उन आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाया है, जहां से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई गई और निर्देशित किया गया था।

दोस्तों की हत्या का बदला लेने के लिए नाबालिग को मारी गोली, गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 07 मई (वेब वार्ता)। शाहदरा जिला के गीता कालोनी इलाके में दोस्तों की हत्या का बदला लेने के लिए किशोर को गोली मार कर घायल कर दिया। गोली किशोर के सिर व पेट में लगी। आनन-फानन में उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे लोक नायक अस्पताल रेफर कर दिया गया। अस्पताल में उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। उसके सिर में गोली फंसी हुई है। घायल 17 साल के किशोर ने पिछले साल सितंबर में गीता कालोनी इलाके में प्रॉपर्टी विवाद में दो सगे भाई शाहिद व इरशाद की गोली मारकर हत्या कर दी थी। उनकी मौत का बदला लेने के लिए दोनों के दो दोस्तों आमान (19) व 17 वर्षीय नाबालिग ने वारदात को अंजाम दिया। दोनों को दबोच लिया गया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल तमंचा बरामद कर लिया है।

शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया, मंगलवार रात 11 बजे उनको गोली मारने की सूचना मिली। मामले की जांच में पता चला कि घायल किशोर परिवार के साथ जगत पार्क, लक्ष्मी नगर में रहता है। इसके परिवार में माता-पिता व अन्य सदस्य हैं। मंगलवार रात वह स्कूटी पर सवार होकर अपनी मौसी से मिलने रानी गार्डन आया था। देर रात वापस लौटते समय वारदात हुई। दोनों ने शाहिद व इरशाद की हत्या का बदला लेने के लिए जानलेवा हमला करने की बात बताई है।

प्रॉपर्टी के विवाद में हुई थी शाहिद व इरशाद की हत्या....

सितंबर 2024 में नाबालिग ने प्रॉपर्टी विवाद में दो सगे भाइयों शाहिद व इरशाद की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पहले गली में इरशाद को गोली मारी गई। इसके करीब डेढ़ घंटे बाद शाहिद की खून से लथपथ लाश उसके कमरे में मिली। उस भी गोली मारी गई थी। दरअसल नाबालिग शाहिद और इरशाद के मकान में रहता था।

नाबालिग के परिवार का दावा था कि जिस मकान में वह रह रहे थे, वह उन्होंने शाहिद और इरशाद के पिता से खरीद लिया था। शाहिद व इरशाद इसे मानने के लिए तैयार नहीं थे। इसी बात पर नाबालिग ने एक ही दिन में दोनों की हत्या कर दी। उसे पकड़कर बाल सुधार गृह भेजा गया था। वहां से वह जमानत पर बाहर आ गया था। आमान व पकड़ा गया नाबालिग शाहिद व इरशाद के पक्के दोस्त थे। अपने दोस्तों की मौत का बदला लेने के लिए उन्होंने नाबालिग पर गोली चलाकर हमला किया।

भाजपा नेताओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सराहना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए भारत के हमले के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के नेताओं ने बुधवार को सोशल मीडिया के अपने अपने हैंडल पर 'भारत माता की जय' के नारों के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' की सराहना की।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट किया, ''भारत माता की जय।'' उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' का एक पोस्टर भी साझा किया। उन्होंने कहा, ''मैं भारतीय सशस्त्र बलों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नमन करती हूं क्योंकि उनके निर्णय और निर्णायक शक्ति ने 140 करोड़ भारतीयों का मान बढ़ाया है।''

उन्होंने लिखा, ''किसी माथे का सिंदूर ना मिटने देंगे, मिटाया तो घर में घुस के मार देंगे। 'ऑपरेशन सिंदूर', पहलगाम में मारे गए बेगुनाह 26 लोगों को श्रद्धांजलि है। देश के वीर सैनिकों को नमन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को नमन।'' उन्होंने कहा, '''ऑपरेशन सिंदूर' ने उन महिलाओं को न्याय दिलाया है जिन्होंने अपने पतियों को खो दिया है और पहलगाम में 'आत्मा को झकझोर देने वाली' निर्दोष लोगों की हत्याओं के बाद पूरे देश को यह जानकर संतोष हुआ है कि अगर उन्होंने भारत को परेशान किया तो हमारी सरकार और सेना किसी को भी नहीं बख्शेगी।'' मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री और भारतीय सेना को धन्यवाद दिया और कहा कि समूचा देश उनके साथ खड़ा है।

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में हमलावरों ने पीड़ितों से कहा था कि वह जाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बताएं और अब उन्होंने इसका जवाब दिया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, ''22 अप्रैल- मोदी को बता देना? सात मई - मोदी ने बता दिया।'' तिवारी ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, ''भारत माता की जय। 'आतंकिस्तान' (पाकिस्तान) को सबक सिखा रहा है भारत। 'ऑपरेशन सिंदूर'। हर गोली का हिसाब होगा, हर बलिदान का बदला लेंगे। जय हिंद।''

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष और भाजपा की दिल्ली इकाई के पूर्व अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भरोसा है, क्योंकि उन्होंने जो कहा, वह किया। गुप्ता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''दुश्मन खेमा तैयार होने का दिखावा कर रहा था, लेकिन एक बार फिर भारतीय वायुसेना की ताकत के आगे वह परास्त हो गया। पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर हमला करने और आतंकी सरगनाओं को कभी न भूलने वाला नुकसान पहुंचाकर 26 निर्दोष नागरिकों की क्रूर हत्या का बदला लेने के लिए सेना को बधाई।''

भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार देर रात को पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल हमले किए, जिनमें बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा के गढ़ शामिल हैं। ये हमले जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले का बदला लेने के लिए किए गए। पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। रक्षा मंत्रालय ने देर रात एक बजकर 44 मिनट पर जारी एक बयान में 'ऑपरेशन सिंदूर' की शुरुआत की पुष्टि की, जिसका उद्देश्य भारतीय धरती पर हमलों की साजिश रचने और उन्हें निर्देशित करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले आतंकवादी बुनियादी ढांचे को नष्ट करना है।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था–दुरुस्त, पुलिसकर्मियों के साथ अर्धसैनिक बल तैनात

नई दिल्ली। 'ऑपरेशन सिंदूर' के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और प्रमुख स्थानों पर अतिरिक्त पुलिसकर्मियों तथा अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी है।

दिल्ली हाईअलर्ट पर – पुलिस अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय राजधानी पहले से ही हाई अलर्ट पर है और बुधवार की शाम कई एजेंसियां 'मॉक ड्रिल' करेंगी। उन्होंने कहा कि, हमने प्रमुख स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए हैं। दिल्ली पुलिस पूरी तरह सतर्क है और किसी को भी कानून–व्यवस्था भंग करने नहीं दिया जाएगा। महत्वपूर्ण स्थानों और सोशल मीडिया मंचों पर नजर रखी जा रही है।'

अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात – अधिकारी ने कहा कि नयी दिल्ली, मध्य दिल्ली, उत्तरी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली, दक्षिण–पश्चिम दिल्ली के छावनी क्षेत्र और आईजीआई हवाई अड्डे जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है और वरिष्ठ अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शहर के पर्यटन स्थलों और बाजारों समेत विभिन्न इलाकों में गश्त बढ़ा दी है।

सुरक्षा के लिए विशेष गश्ती इकाइयों को किया तैनात –उन्होंने बताया कि कनॉट प्लेस, इंडिया गेट, जनपथ, यशवंत पैलेस, गोल मार्केट और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए विशेष गश्ती इकाइयों को तैनात किया है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस दलों ने प्रमुख प्रवेश और निकास बिंदुओं पर वाहनों की जांच तेज कर दी है।

पीओके के मंदिरों के खंडहरों में पुनः सुनाई देगा हर-हर महादेव का जयघोष: कपिल मिश्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना की ओर से पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर किए गए हमले को लेकर बीजेपी नेता और दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने इसे आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कदम बताते हुए कहा, '1400 साल के आतंक का सर्वनाश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों होगा।'

कपिल मिश्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पीओके के मंदिरों के खंडहरों में पुनः हर हर महादेव का जयघोष सुनाई देगा। युद्ध काल में सबको सैनिक बनना होगा। डॉक्टर, नर्स, पुलिस, निगम कर्मचारी और सामान्य नागरिक, सभी को योद्धा की तरह कर्तव्यों का पालन करना होगा। भव्य विजय की तैयारी करें।'

कपिल मिश्रा ने एक अन्य पोस्ट में पाकिस्तान के मदरसों में रात को हुए ऐलान का जिक्र करते हुए तंज कसा। उन्होंने लिखा, 'पाकिस्तान के मदरसों में ऐलान हुआ- घर छोड़कर भागो, कलमा पढ़ते रहो। जिहादियों ने बेगुनाहों को कलमा पढ़ने को कहा था, जो नहीं पढ़ पाया, उसे मार दिया गया। अब वे भागते-भागते कलमा पढ़ रहे हैं। जिहादियों ने कहा था, मोदी को बता देना। जाओ, बता दिया। भारत माता की जय।'

आपको बता दें कि 'ऑपरेशन सिंदूर' का यह सैन्य अभियान 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब है, जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक सहित 26 लोगों की जान गई थी। भारतीय सेना ने बुधवार को पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया। इन हमलों में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के ठिकानों को निशाना बनाया गया, जबकि पाकिस्तानी सैन्य सुविधाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया।

इस ऑपरेशन के बाद देशभर में उत्साह का माहौल है। बिहार के बेगूसराय में स्थानीय लोगों ने आतिशबाजी और पटाखों के साथ खुशी का इजहार किया। जिला मुख्यालय के नगर थाना चौक पर लोगों ने जमकर नारेबाजी की और पाकिस्तान विरोधी नारे लगाए। स्थानीय लोगों ने कहा, ' सिंदूर का बदला सिंदूर से लिया, खून का बदला खून से लिया।'

वहीं वाराणसी में भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तानी आतंकवादियों पर किए गए 'ऑपरेशन

सिंदूर' हमले के बाद जश्न मनाया गया। सभी धर्मों के लोग एक साथ आए और भगवा रंग की होली खेली तथा एक-दूसरे को गुलाल लगाया।

हमें भारतीय सेना और अपने वीर जवानों पर गर्व : केजरीवाल

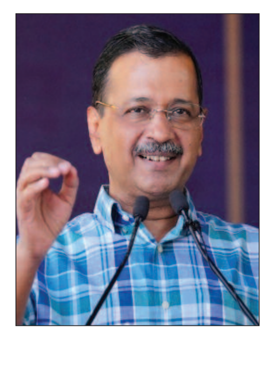

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारतीय सैन्य बलों की ओर से आतकवादियों के ख़िलाफ़ कार्रवाई पर कहा कि हमें भारतीय सेना और अपने वीर जवानों पर गर्व है। श्री केजरीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा, 'हमें भारतीय सेना और अपने वीर जवानों पर गर्व है। आतंकवाद के खिलाफ़ इस लड़ाई में 140 करोड़ भारतवासी भारतीय सेना के साथ खड़े हैं। भारतीय सेना का साहस, हर देशवासी का विश्वास है। हम सब साथ हैं—आतंकवाद के खिलाफ़ एकजुट हैं। जय हिंद, जय भारत।' दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष आतिशी ने कहा, 'जय हिंद की सेना। ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी पर भारतीय सेना को बधाई। आतंकवाद के ख़िलाफ़ इस लड़ाई में पूरा देश भारतीय सेना के साथ खड़ा है।' आप नेता संजय सिंह ने कहा, 'जय हिन्द, जय हिन्द की सेना। भारतीय सेना पर गर्व है 140 करोड़ भारतीयों की शुभकामनाएँ आपके साथ हैं। भारत माता की जय।'

'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए भारतीय सेना बधाई की पात्र : संदीप दीक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने पहलगाम हमले का बदला पाकिस्तान और पीओके में 'ऑपरेशन सिंदूर' एयर स्ट्राइक से लिया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि यह सैन्य कार्रवाई स्वागत योग्य है। इसके लिए उन्होंने भारतीय सेना को बधाई दी। संदीप दीक्षित ने कहा कि खबरों के मुताबिक भारतीय सेना ने जैश–ए–मोहम्मद और लश्कर–ए–तैयबा के मुख्यालय को तबाह कर दिया है। इसके लिए मैं सेना को बहुत बधाई देता हूं। इससे पहले संदीप दीक्षित ने एक्स पोस्ट में लिखा, 卐अभी सुबह–सुबह खबर मिली कि हमारी वायु सेना, थल सेना और जल सेना ने मिलकर पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को बर्बाद कर दिया, जहां–जहां से आतंक जन्म लेता था और पनपता था, उस कोख को ही बर्बाद किया है। हमारी सेनाओं को दिल से धन्यवाद और सलाम।' गौरतलब है कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद सख्त जवाबी कार्रवाई करते हुए मंगलवार देर रात

पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें आतंकवादी समूह लश्कर–ए–मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर भी शामिल है। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने 26 लोगों की गोलीमार कर निर्मम हत्या कर दी थी। इसके बाद से ही भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ा हुआ है। भारत ने पड़ोसी मुल्क के खिलाफ काफी सख्त कदम उठाए थे और पीएम मोदी लगातार आतंकियों को उनके अंजाम तक पहुंचाने की बात कर रहे थे।

नागरिक अधिकारों से ऊपर नहीं है अतिक्रमणकारियों के अधिकारी : हाईकोर्ट

– तैमूर नगर नाले पर हुए अतिक्रमण की कार्रवाई पर अदालत ने की टिप्पणी

– अदालत ने डिमोलिशन ड्राइव को जारी रखने की अनुमति देते हुए सुनाया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण करने वाले लोगों पर गंभीर टिप्पणी की। अदालत ने कहा, अवैध रूप से अतिक्रमण करने वाले व्यक्तियों को अन्य नागरिकों के अधिकारों से ऊपर अपने कथित अधिकारों को लागू करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने तैमूर नगर नाले को अवरुद्ध करने वाले अतिक्रमणों को हटाने के लिए चलाए जा रहे डिमोलिशन ड्राइव को मंजूरी दे दी।

न्यायमूर्ति प्रतिबा एम सिंह और न्यायमूर्ति प्रीतम सिंह अरोड़ा की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि क्षेत्र और आसपास की कॉलोनियों में वैध रूप से रहने वाले निवासियों के अधिकार, जो बाढ़-मुक्त और रहने योग्य परिस्थितियों के हकदार हैं, उन व्यक्तियों की तुलना में प्राथमिकता रखते हैं, जिन्होंने सार्वजनिक भूमि पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर आधुनिक सुविधाओं के साथ निर्माण किया है। कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि मानसून के आगमन को देखते हुए नाले का विस्तार न केवल आवश्यक है, बल्कि तत्काल और अनिवार्य भी है। यह याचिका 14 परिवारों की ओर से दायर की गई थी, जो क्षेत्र में झुग्गियों में रहने का दावा करते थे। उन्होंने डिमोलिशन ड्राइव के खिलाफ पुनर्वास या वैकल्पिक आवास की मांग की थी। हालांकि, कोर्ट ने स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ताओं के पास भूमि पर कोई कानूनी अधिकार नहीं है और यह स्वीकार किया गया कि यह सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण है। अदालत ने याचिकाकर्ताओं को परिसर खाली करने के लिए एक दिन का समय दिया। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि डिमोलिशन के दौरान यदि कोई बुजुर्ग, महिला या बच्चे मौजूद हों, तो उन्हें अपनी संपत्ति शांतिपूर्ण तरीके से हटाने की अनुमति दी जाए, ताकि कानून-व्यवस्था की कोई समस्या न हो।

रैन बसेरों में आश्रय ले सकते हैं अतिक्रमणकारी परिवार

पीठ ने कहा कि प्रभावित अवैध निवासी अस्थायी रूप से नाइट शेल्टर या रैन बसेरों में जा सकते हैं। हालांकि, दिल्ली अर्बन शेल्टर इम्प्रूवमेंट बोर्ड (डूसिब) के वकील ने बताया कि नाइट शेल्टर पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर उपलब्ध हैं, इसलिए सभी याचिकाकर्ता परिवारों को समायोजित करना संभव नहीं हो सकता।

अगुस्ता वेस्टलैंड : मिशेल की जमानत संशोधन याचिका पर आदेश सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को ब्रिटिश नागरिक क्रिश्चियन जेम्स मिशेल की जमानत शर्तों में संशोधन की याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया है। इस मामले मे मिशेल पर अगुस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर सौदे से जुड़े धनशोधन का मामला दर्ज है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि संशोधन आवेदन पर अभियोजन व बचाव पक्ष को सुन लिया गया है। आदेश सुरक्षित रखा जा रहा है। क्रिश्चियन जेम्स मिशेल ने याचिका में आग्रह किया कि 5 लाख रुपये के जमानती मुचलके की शर्त माफ कर दी जाए। साथ ही जमानती पेश करने की शर्त भी हटा ली जाए, क्योंकि यहां कोई मिशेल का परिचित या रिश्तेदार नहीं है। 4 मार्च, 2025 को इसी पीठ ने मामले में मिशेल को जमानत दी थी, जबकि धनशाधेन मामले में मिशेल को जमानत देते हुए हाईकोर्ट ने उसे सत्र अदालत में अपना पासपोर्ट जमा करने के निर्देश भी दिए थे। याचिका के माध्यम से मिशेल ने पासपोर्ट आत्मसमर्पण की शर्त को रद्द करने का अनुरोध किया है। याचिका में कहा गया है कि उसका पासपोर्ट समाप्त हो गया है। नया पासपोर्ट प्राप्त करने में अनुमानित 4 से 8 सप्ताह लगेंगे। मिशेल को 4 दिसंबर, 2018 को गिरफ्तार कर प्रत्यर्पित किया गया था, जबकि प्राथमिकी 2013 में दर्ज की गई थी। 36 सौ करोड़ रुपये के घोटाले में अगुस्ता वेस्टलैंड से 12 वीवीआईपी हेलीकॉप्टरों की खरीद शामिल है।

प्रदूषण से निपटने के लिए भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार ने कमर कसी: श्री दत्त शर्मा

–इलेक्ट्रिक पोल्स पर मिस्ट/वॉटर स्प्रिंकलर लगाने के निर्देश जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली को प्रदुषण से बचाने के लिए दिल्ली की भारतीय जनता पार्टी सरकार नें तेजी से प्रयास करने शुरू कर दिए है। यह कहना है घोंडा से पूर्व विधायक श्री दत्त शर्मा का। श्री दत्त शर्मा कहते हैं पिछले एक दशक में दिल्ली सरकार की घोर लापरवाही के चलते दिल्ली विश्व का सबसे प्रदूषित शहर बन गया था जिसे कंट्रोल करने में भाजपा सरकार को कड़ी मशक्कत करनी पड़ेगी। बावजूद इसके रेखा गुप्ता सरकार नें इस ओर कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। श्री दत्त शर्मा कहते हैं प्रदूषण की रोकथाम के लिए दिल्ली सरकार ने एक और महत्वपूर्ण फैसला लिया है. दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने प्रदूषण के हॉटस्पॉट माने जा रहे क्षेत्रों में सड़कों के सेंट्रल वर्ज और किनारों पर इलेक्ट्रिक पोल्स पर मिस्ट/वॉटर स्प्रिंकलर लगाने के निर्देश जारी किए हैं. यह आदेश दिल्ली के 13 चिह्नित प्रदूषण के हॉटस्पॉट वाले क्षेत्रों में तत्काल प्रभाव से लागू किया जाएगा। यह कदम मुख्य रूप से वायु में मौजूद खतरनाक धूल कणों के उत्सर्जन को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है। आदेश के तहत लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी), दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी), भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) व सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। श्री शर्मा कहते हैं सरकार का प्रयास है हर प्रदूषण वाले हॉटस्पॉट में हर दिन धूल नियंत्रण के उपायों को सुनिश्चित किया जाएगा। पहले एनडीएमसी और डीडीए की तरफ से मिस्ट स्प्रे सिस्टम को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में कुछ इलाकों में लागू किया गया था, जिसके अच्छे परिणाम मिले हैं। प्रदूषण नियंत्रण के लिए तकनीकी दिशा-निर्देश भी तय किए गए हैं. इसमें 50-100 माइक्रोन की धुंध बनाने वाले मिस्ट जेट्स वॉटर स्प्रिंकलर का प्रयोग अनिवार्य किया गया है। ये सिस्टम इलेक्ट्रिक पोल्स पर स्थापित किए जाएंगे, जिससे अतिरिक्त संरचना की आवश्यकता न पड़े और इसे तेजी से लागू किया जा सके। सरकार नें सभी विभागों को यह भी निर्देश दिया है कि वे प्रत्येक हॉटस्पॉट क्षेत्र में प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी नियुक्त करें, जो रोजाना कार्यों की निगरानी, अनुपालन और रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार होंगे। पर्यावरण विभाग समय-समय पर औचक निरीक्षण भी करेगा. यह पूरी योजना ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) व वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप बनाई गई है।

संक्षिप्त डायरी

दलित किसान की बेरहमी से हत्या, खेत की रखवाली के दौरान डंडों से किया गया हमला

सुलतानपुर/ भव्य खबर । जिले के सुरहरपुर गांव में एक दलित किसान की हत्या की घटना ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। मृतक की पहचान राम खिलाड़ी के रूप में हुई है। वह 3 मई की शाम खेत की रखवाली कर रहे थे, तभी उन पर डंडों से जानलेवा हमला किया गया। राम खिलाड़ी की पत्नी अमरावती की तहरीर पर पुलिस ने राम सजीवन वर्मा को नामजद करते हुए पांच अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। अमरावती के अनुसार, आरोपी राम सजीवन अपने साथियों के साथ उनके घर आया और लड़की लादने के बहाने राम खिलाड़ी और उनके साथी मोतीलाल को साथ ले गया। कुछ घंटे बाद गांव के ही विनोद ने आकर बताया कि राम खिलाड़ी की हत्या कर दी गई है।सीओ कादीपुर विनय गौतम ने बताया कि खेत में रखवाली के दौरान दो बाइक सवार आए और दोनों पर डंडों से हमला कर दिया। सिर पर गंभीर चोट लगने से राम खिलाड़ी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मोतीलाल को भी गंभीर चोटें आई हैं। सूचना मिलने पर 112 पुलिस और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और राम खिलाड़ी को दोस्तपुर सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस की कई टीमें आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही हैं।

घर के बरामदे में लेटे व्यक्ति पर की गई ताबड़तोड़ फायरिंग

सुलतानपुर/ भव्य खबर । थाना कुड़वार क्षेत्र के दुल्लापुर गांव में शनिवार देर रात पुरानी रंजिश के चलते अधेड़ व्यक्ति मोहम्मद मुजाहिद पर जानलेवा हमला किया गया। घटना उस समय हुई जब वह अपने घर के बरामदे में लेटे हुए थे। तभी गांव के ही मोहम्मद असीर, मोहम्मद मेहरबान, अबुबकर और मोनू ने आकर पहले गालियां दीं और विरोध करने पर फायरिंग कर दी। एक गोली मुजाहिद की जांघ में लगी। गोली लगने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल मुजाहिद को पहले राजकीय मेडिकल कॉलेज लाया गया, जहां से उन्हें ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया। पीड़ित के भाई मोहम्मद मुस्तकिम ने बताया कि आरोपियों से उनकी पुरानी रंजिश चली आ रही है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। सीओ सिटी प्रशांत सिंह ने बताया कि दो नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और बाकी की गिरफ्तारी जल्द की जाएगी। बताते चलें कि इसी रंजिश को लेकर 12 अप्रैल को भी एक हमला हो चुका है। मोहम्मद ताहिर जब अपने भांजे के साथ खेत में भूसा भर रहे थे, तभी रात करीब 10:30 बजे मसीउल्ला उर्फ मोनू, मेहरबान अंसारी सहित कई लोगों ने उन पर हमला किया था। हमलावरों ने गालियां दीं और फायरिंग की, लेकिन ग्रामीणों के शोर मचाने पर फरार हो गए। इस मामले में भी केस दर्ज किया गया था।

बिना नंबर स्कॉर्पियो से मिला हथियार, भाजपा नेता के पास भाई का लाइसेंसी असलहा, केस दर्ज

सुलतानपुर/ भव्य खबर । कुड़वार थाना क्षेत्र में पुलिस ने भाजपा नेता और सोहगौली ग्राम प्रधान संजय कुमार को उनके भाई का लाइसेंसी हथियार रखने के मामले में गिरफ्तार किया है। इस संबंध में एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। घटना रोडवेज बस स्टैंड के पास की है, जहां दरोगा हरेंद्र सिंह को मुखबिर से सूचना मिली कि अवंतिका फूड माल के सामने एक बिना नंबर की सफेद स्कॉर्पियो में अवैध हथियार रखा गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गाड़ी की तलाशी ली, जिसमें तीन महिलाएं और एक पुरुष सवार थे। पुरुष के पास से 12 बोर की रिपीटर गन बरामद हुई, जिसमें चार कारतूस भी लगे थे। इसके अलावा, गाड़ी से 32 बोर की पिस्टल भी बरामद की गई। आरोपी की पहचान सोहगौली निवासी संजय कुमार के रूप में हुई। पूछताछ में उन्होंने बताया कि पिस्टल उनका है और इसका लाइसेंस भी मौजूद है, जो जांच में सही पाया गया। लेकिन, रिपीटर गन के बारे में संजय ने बताया कि वह उनके भाई राजीव कोरी की है, जो धरमंगल का पुरवा के निवासी हैं। संजय ने कहा कि उनके भाई बाहर रहते हैं, इसलिए वह उनका हथियार रखते हैं और इस्तेमाल करते हैं। जब पुलिस ने रिपीटर गन का अधिकार पत्र मांगा, तो संजय कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद पुलिस ने उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

पत्रकारों की समस्याओं को लेकर प्रेस क्लब में बैठक, जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

सुलतानपुर/ भव्य खबर । प्रेस क्लब में उ. प्र. मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति की बैठक जिलाध्यक्ष अरुण कुमार जायसवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में मान्यता प्राप्त पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई, जिसमें प्रमुख रूप से आयुष्मान कार्ड से जुड़ी समस्याएं, कोविड के पूर्व रेलवे में मिलने वाली सुविधाओं का पुनः बहाली, और स्वशासी राजकीय मेडिकल कॉलेज में पत्रकारों के लिए दवा काउंटर की मांग शामिल थी। बैठक में सदस्यों ने सुलतानपुर के सांसद राम भुहाल निषाद को एक मांग पत्र सौंपा, जिसमें पत्रकारों के लिए रेलवे की सुविधाओं को फिर से बहाल करने की मांग की गई। इसके अलावा, बीते दिनों पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा की गई हत्या की घटना की निंदा करते हुए मृतकों के परिवारों के लिए प्रधानमंत्री के नाम संबोधित पत्र जिलाधिकारी को सौंपा गया। संगठन के सभी सदस्य कलेक्ट्रेट में नगर मजिस्ट्रेट विदुषी सिंह से मिले और उन्हें मांग पत्र सौंपकर कार्रवाई की अपील की। पत्रकारों ने इस बैठक के बाद पहलगाम में मारे गए पर्यटकों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। बैठक में संरक्षक सत्यदेव तिवारी, डॉ. राजकिशोर सिंह, महासचिव श्यामचंद्र श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष अनूप श्रीवास्तव, सतीश पांडेय, सचिव ज्ञानेंद्र विक्रम सिंह, कार्यकारिणी सदस्य सत्य प्रकाश गुप्ता, अंकित राय, अवधेश गुप्ता, विजय पांडेय समेत अन्य सदस्य उपस्थित थे।

पाकिस्तान पर हमले के बाद लखनऊ में जश्न

तिरंगा लेकर सड़कों पर निकले लोग; मॉक ड्रिल भी चल रही, अलर्ट पर चारबाग

लखनऊ। भारत के पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक के बाद लखनऊ में जबरदस्त जश्न है। लोग तिरंगा लेकर सड़कों पर निकल रहे हैं। आर्मी के लिए जिंदाबाद के नारे लगा रहे हैं। एक-दूसरे को मिठाई खिला रहे हैं। इस बीच पुलिस लाइन में ब्लैक आउट की रिहर्सल भी शुरू हो गई। लोगों को एयर अटैक और बमबारी से बचने की मॉक ड्रिल कराई जा रही है। मॉक ड्रिल में सायरन बजाकर लोगों को अलर्ट किया। आग लगने पर उसे कैसे बुझाया जाए, इसकी भी ट्रेनिंग दी गई। इस दौरान शहर के अलग-अलग स्कूलों के बच्चों को युद्ध के हालत में बचाव कार्य का लाइव डेमो दिया गया। स्टूडेंट्स ने जमकर 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। वहीं, चारबाग रेलवे स्टेशन अलर्ट मोड पर है। मॉक ड्रिल के दौरान बमबारी-भगदड़ का सीन क्रिएट किया गया। सिविल डिफेंस टीम को बताया गया कि बमबारी हुई है और भगदड़ मच गई है। कई लोग घायल हो गए हैं। पुलिस जवान के साथ लोग घायलों को घटनास्थल से बाहर निकालकर मेडिकल पोस्ट पर लाते हैं। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया जाता है। शहर के मुस्लिम धर्मगुरुओं ने ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की। मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा- यह बेहद सराहनीय कदम है। हम इसका स्वागत करते हैं। पहलगाम हमले के 15वें दिन भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत POK पर एयर स्ट्राइक करके मुंह तोड़ जवाब दिया है। भारतीय सेना के जज्बे को सलाम है। इससे पहले मंगलवार को भी पुलिस लाइन में मॉक ड्रिल का रिहर्सल किया गया था। जिसमें सिविल डिफेंस के लोग सायरन बजते ही जमीन पर लेट गए और हाथों से अपने दोनों कान बंद कर लिए था। गोली लगने या हमलों के दौरान क्या किया जाए, इसकी ट्रेनिंग भी आम लोगों को दी गई थी।यूपी डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया है कि इंडियन आर्मी के पाकिस्तान पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद CM योगी ने पुलिस को महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि राज्य के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ाई जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कानून व्यवस्था चुस्त रहे।- DRM ने चारबाग रेलवे स्टेशन का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने हाल ही में सभी रूटों के टिकटों की संख्या के बारे में काउंटरों पर पूछताछ की।गोमती नगर के विवेक खंड-3 में लोगों ने स्ट्राइक पर खुशी जताई। लोगों ने भारत माता की जय, वंदे मातरम् आदि नारों के साथ पाकिस्तान को चेताया।लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी से जुड़े कार्यकर्ता अमित त्रिपाठी द्वारा एक बड़ा पोस्टर लगाया गया है। इसमें लिखा है- ये नया भारत है.. घर में घुसेगा भी, मारेगा भी...। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव शिया धर्मगुरु मौलाना यासूब अब्बास ने ऑपरेशन सिंदूर का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम के आतंकी हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया गया। पूरे विश्व की निगाहें इस बात पर टिकी थीं कि भारत भारत क्या एक्शन लेने वाला है। पाकिस्तान दबाव बनाने की कोशिश कर रहा था। हमारे जवानों ने यह स्ट्राइक करके उसे मुंहतोड़ जवाब दिया।

राजकीय बौद्ध संग्रहालय द्वारा भारतीय संस्कृति अभिरुचि पाठ्यक्रम का हुआ शुभारंभ

संवाददाता
कसया,कुशीनगर।
राजकीय बौद्ध संग्रहालय कुशीनगर द्वारा पांच दिवसीय भारतीय संस्कृति अभिरुचि पाठ्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अध्यक्ष कुशीनगर भिक्षु संघ डॉ. अग्ग महापंडित भदंत ज्ञानेश्वर ने धम्म पाठ के साथ किया। बर्मी बुद्ध विहार परिसर कुशीनगर में आयोजित भारतीय संस्कृति अभिरुचि पाठ्यक्रम के मुख्य वक्ता मुख्य वक्ता डॉ. अवनीश तिवारी ने अपने संबोधन में भारतीय संस्कृति के समृद्ध इतिहास और विविध पहलुओं के बारे में प्रतिभागियों को विस्तार से जानकारी दी।कार्यक्रम आयोजक राजकीय बौद्ध संग्रहालय कुशीनगर के प्रभारी/ उप निदेशक गोरखपुर डॉ. यशवन्त सिंह राठौड़ ने भारतीय संस्कृति के महत्व पर प्रकाश डाला और उपस्थित अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया। यह पांच दिवसीय पाठ्यक्रम 10 मई 2025 तक प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे से 11:30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन 11 मई को शाम 4:30 बजे होगा। इस अवसर पर संग्रहालय के तेज प्रताप शुक्ला, तरुण शुक्ला बेग, ललित एवं बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर के डॉ. अजय कुमार मिश्र, डॉ. कृष्ण कुमार जायसवाल, डॉ. वीणा कुमारी, डॉ. सौरभ द्विवेदी एवं भिक्षु उपस्थित रहे।

आगरा में ज्वेलर का हत्यारा अमन कैसे अपराधी बना

आगरा। में ज्वेलर योगेश चौधरी की 2 मई को हत्या कर दी गई। बदमाश 20 लाख के ज्वेलरी लेकर भाग गए। आगरा पुलिस ने 4 दिन बाद एक बदमाश अमन को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार सुबह पुलिस अमन को साथ लेकर लूटी गई ज्वेलरी बरामद कराने सिकंदरा के अंसल एपीआई में बन रहे फ्लैट के पास गई थी। इसी बीच अमन ने दरोगा की पिस्टल छीनकर गोली चला दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में अमन को गोली लगी। इस केस में अमन के भाई सुमित को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एक अन्य आरोपी फारुख भी बिजपुरी गांव का रहने वाला है, जो अभी फरार है। जिस बाइक से लूट की गई थी, वह अमन के दोस्त हेमंत की थी। उन लोगों ने वारदात के बाद बाइक को कुएं में फेंक दिया था। पुलिस ने बाइक को कुएं से निकलवाया। नंबर के आधार पर हेमंत को पकड़ा गया। उसी ने तीनों आरोपियों की पहचान करवाई।अमन आगरा के बिचपुरी DR एस्टेट के गणेश विहार में रहता था। एनकाउंटर के बाद यहां भारी पुलिस फोर्स मौजूद था। घरों के बाहर लोग खड़े थे। अमन के घर से रोने की आवाजें आ रही थीं। पत्नी मोहिनी उर्फ मोना अमन की लाश पर हाथ पटक-पटककर रो रही थी। वो चीख रही थी- मैंने कई बार समझाया...गलत लोगों को साथ छोड़ दो।

सह फसली खेती का लाभ::50 हजार की किसान ने भिण्डी बेचा

संवाददाता
कुशीनगर। ढाढा चीनी मिल के क्षेत्र किसान प्रशिक्षण प्राप्त कर गन्ने के साथ सह फसली खेती का लाभ ले रहे हैं। इसी क्रम में हाटा विकास खण्ड के ग्राम ढाढा खुर्द में किसानों को गन्ने के साथ सह फसली खेती का लाभ मिल रहा है। किसान राजू चौधरी ने दो माह में 50 हजार की भिंडी बेची है और उस रुपए से नई बाइक ले ली है। किसान चौधरी ने फरवरी के पहले सप्ताह में गन्ना प्रजाति को 0118 लाईन से लाईन की दुरी 120 सेमी ट्रेंच विधि से बोया है। भिण्डी बोने के 35 से 40 दिन पर भिण्डी निकलना शुरू हुआ शुरू में 40 - 50, अप्रैल में 30 - 40 रुपया किलो बिका। इस समय 20 से 25 रुपया किलो बिक रहा है। यह जानकारी उत्तर प्रदेश गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केंद्र पिपराइच गोरखपुर के पूर्व सहायक निर्देशक ओमप्रकाश गुप्ता को किसान राजू चौधरी ने अपने खेत पर दी।बताया कि कुल पौने दो एकड़ गन्ना बोया है पूरे खेत में भिण्डी बोया है। भिन्डी इतना निकल रहा है कि हम तुड़वा नहीं पा रहे हैं। प्रति दिन आधा एकड़ खेत की भिण्डी तोड़ रहे है। तीसरे दिन तोड़ाई करते हैं। भिंडी जून तक चलेग ओमप्रकाश गुप्ता ने शारदकाल में गन्ने के साथ आलू, लाहसुन, मटर, मसूर, टमाटर बोने की सलाह फोटो ग्राफ दिखाकर दिया था। ढाढा चीनी मिल के उप महाप्रबंधक गन्ना डीडी सिंह और वरिष्ठ गन्ना प्रबंधक देवेश गिल ने किसान के खेत का भ्रमण किया।
किसान को चोटीबेधक कीट से प्रभावित पौधा दिखाया। ग्राम पटनी के किसान लालबहादुर, रामध्यान का गन्ना भिण्डी का खेत गन्ना प्रबंधक मनोज पाण्डेय और गन्ना विकास अधिकारी भास्कर सिंह ने दिखाया।
गन्ना सुपरवाइजर राम भरोसे ने गन्ना सर्वे घोषणा पत्र के विषय में बताया। प्रमुख किसान वीरेंद्र सिंह, ब्रजनाथ, सतेन्द्र राव, रामवृक्ष गुप्ता, रामनिवास, तूफानी सिंह आदि को मिल के अधिशाषी अध्यक्ष करन सिंह ने कहा कि सम्मानित किया जाएगा।

आतंकी ठिकानों के नेस्तनाबूद होने पर पटाखे फोड़ मनाई खुशी

भारतीय सेना के रणबांकुरों पर हमें गर्व: राकेश जायसवाल

संवाददाता
कुशीनगर। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान में स्थित 9 आतंकी ठिकानों को भारतीय सेना द्वारा नेस्तनाबूत करने की खबर से पूरे क्षेत्र में हर्ष को लहर दौड़ चली। यहां पटाखे फोड़ कर अपनी खुशी का इजहार किया गया। कसया नगर के गाँधीचौक पर नपाप अध्यक्ष प्रतिनिधि भाजपा नेता राकेश जायसवाल के नेतृत्व में तिरंगा लेकर निकले बुद्धिजीवी, अधिवक्ता, नगरवासी एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने भारत जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद, भारतीय सेना जिंदाबाद एवं पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाये। समाजसेवी राकेश जायसवाल ने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों ने कहा था कि मोदी को पैगाम दे देना तो मोदीजी ने संज्ञान लेकर उनके घर में घुस कर उन्हें तबाह कर दिया। भारतीय सेना के रणबांकुरों पर हम सभी को गर्व है। मंडलाध्यक्ष आद्या पांडेय, रूपम सिंह, अधिवक्ता फूलचंद यादव ने अपने विचार रखकर मोदी सरकार एवं सेना की सराहना की।
इस अवसर पर सभासद राजेश मद्देशिया, राकेश यादव, मनीष मिश्र, उग्रसेन, राशिद अली, परवेज, सन्नी जायसवाल,सत्यप्रकाश पांडेय, भीमबली सिंह, हरेंद्र जायसवाल, राहुल सोनी, राधे यादव, भरत आहूजा, पूर्व प्रधान रविंद कुमार, किसन जायसवाल, कन्हैया जायसवाल, शकुंतला देवी, हरीश कुमार शर्मा, संतोष जायसवाल, विकास राव, अकबर हुसैन, टुनटुन, सुमित जायसवाल मौजूद रहे।

बच्चे ने पाकिस्तान मुदार्बाद नारा लगाया, युवक ने घोंपा चाकू

शाहजहांपुर। पहलगाम आतंकी हमले का भारत ने मंगलवार आधी रात करारा जवाब दिया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के 9 आतंकी संगठनों को नष्ट कर दिए। इसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। भारतीय सेना की इस कार्रवाई से यूपी में जश्न का माहौल है। शाहजहांपुर में एक बच्चे ने जश्न मनाते हुए पाकिस्तान मुदार्बाद का नारा लगाया। यह देख दो मुस्लिम युवक भड़क गए। बच्चे पर चाकू से हमला कर दिया। इससे बच्चा घायल हुआ है। उसे अस्पताल में एडमिट कराया गया है। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने हमलावर युवक की पिटाई कर दी। उसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। घटना बुधवार सुबह करीब 9:45 बजे की है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। मामले की जांच कर रही है। घायल बच्चे को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है।पुलिस के मुताबिक, पुवायां नवीन गल्ला मंडी में 8 साल का सुरजीत ऑपरेशन सिंदूर के बाद हिंदुस्तान जिंदाबाद और पाकिस्तान मुदार्बाद नारे लगा रहा था। उसकी इस बात वहां मौजूद मोहीद खान नाराज हो गया। उसने अपने साथी वसीम के साथ मिलकर सुरजीत की पिटाई कर दी। इसके बाद सुरजीत के हाथ पर चाकू घोंप दिया। जिससे वह जमीन पर गिर पड़ा। इसके बाद वहां काम कर रहे मजदूरों ने दोनों की पिटाई करते हुए पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें लोगों में झगड़ा होते हुए दिख रहा है।
पल्लेदारी का काम करते हैं दोनों पुलिस ने मोहीद खान और वसीम को हिरासत में ले लिया है। वहीं पुलिस ने घायल सुरजीत को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा। दोनों युवक मंडी में पल्लेदारी का काम करते हैं।
नाबालिग सुरजीत धरमगदापुर गांव का रहने वाला है, जबकि आरोपी मोहीद खान कटरा बाजार थाना निगोही और वसीम खान निगोही रोड पुवाया का रहने वाला है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई। हिंदूवादी संगठन के लोग भी आ गए। लोगों ने इस दौरान जमकर नारेबाजी की। घटना के बाद हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता कोतवाली पहुंचे और पीड़ित परिवार के साथ कानूनी कार्रवाई की मांग की।प्रत्यक्षदर्शी धरमगदापुर जप्ती निवासी बबलू ने बताया, वह सब्जी मंडी में मजदूरी करते हैं। मंगलवार सुबह 9:45 बजे के करीब राम बहादुर का 9 साल का बेटा सुरजीत पाकिस्तान पर हुए हमले को लेकर खुशी जाहिर कर रहा था। सुरजीत ने हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। सब्जी मंडी की दुकान पर काम करने वाले मोहीद खां ने नारे का विरोध करते हुए सुरजीत के ऊपर धारदार हथियार से चाकू से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे सुरजीत का हाथ कट गया। मैंने मोहीद को पकड़ने की कोशिश की तो मेरे साथ भी मोहीद के साथी वसीम ने मारपीट की। मोहीद को छुड़ाकर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। पीड़ित के पिता ने कोतवाली में तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की।एसपी ने कहा-पाकिस्तान पर हमले को लेकर खुशी मनाने के दौरान हुआ विवाद कोतवाली प्रभारी हरपाल सिंह बालियान ने बताया- आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घायल बच्चे को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया- पाकिस्तान में हमले को लेकर विवाद की सूचना मिली थी।

पाकिस्तान एयर स्ट्राइक के बीच बिहार में मॉक ड्रिल

पटना। पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने बुधवार रात पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर के 9 आतंकी ठिकानों पर हमला किया। वहीं भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर भारत सरकार ने आज देशभर के 244 जिलों में युद्ध जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल आयोजित करने का फैसला लिया है।इसके तहत बिहार के पटना, पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, अररिया, बेगूसराय में यह अभ्यास किया जाएगा।

राजधानी पटना में मॉक ड्रिल को लेकर सुबह से ही तैयारी चल रही है। पटना के हर चौक चौराहे पर इंटीग्रेटेड अनाउंसमेंट सिस्टम के जरिए लोगों को संबोधित किया जा रहा है की शाम को 7:00 से 7:10 तक ब्लैक आउट की स्थिति रहेगी। कोई भी नागरिक इससे पैनिक ना हो और इसमें पूरा समर्थन दें। माइक के जरिए जानकारी दी जा रही है कि ब्लैक आउट के समय लोग घरों में ही रहे पूरी तरह से लाइट बंद कर ले, अगर घरों में लाइट जलाना अनिवार्य हो तो घरों की खिड़की और पर्दे लगा दें। गाड़ी सड़क पर चला रहे है तो गाड़ी खड़ी कर लाइट बंद कर दे।प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह सिर्फ एक रिहर्सल है। कोई वास्तविक खतरा नहीं है, इसलिए नागरिक घबराएं नहीं। साथ ही यह भी कहा गया है कि खाने-पीने का सामान जमा करने की आवश्यकता नहीं है, यह सिर्फ 10 मिनट की सावधानी है। प्रशासन चाह रहा है कि लोग इस अभ्यास को गंभीरता से लें ताकि असली आपात स्थिति में भी वो सही प्रतिक्रिया दे सकें।

प्रशासन और आपात विभाग की विशेष तैयारी इस मॉक ड्रिल में सिविल डिफेंस, होमगार्ड, आपदा प्रबंधन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, दमकल विभाग, पुलिस और जिला प्रशासन की लगभग 1000 सदस्यीय टीम शामिल होगी। फायर ब्रिगेड और थानों की गाड़ियां सायरन बजाते हुए पूरे शहर में गश्त करेंगी, ताकि स्थिति वास्तविक लगे और लोगों को अभ्यास का अनुभव हो सके। सीमावर्ती राज्यों के साथ गृह मंत्रालय की बैठक अभी चल रही है। CM नीतीश कुमार, DGP विनय कुमार, चीफ सेक्रेटरी अमृत लाल मीणा ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े हुए हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान के 7 शहरों में पर एयर स्ट्राइक पर पटना में जश्न मनाया गया। राजधानी पटना में लोगों ने पटाखे फोड़े और पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाए। लोगों ने एक-दूसरे को रंग गुलाल भी लगाया। लोगों ने कहा कि पाकिस्तान संभल जाए, वरना अंजाम और भी बुरा होगा। पटना के सचिवालय में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित अन्य मंत्रियों के कार्यालय हैं। यहां पर खास तौर पर हाई अलर्ट जारी किया गया है। शाम 7:00 बजे यहां भी मॉक ड्रिल किया जाएगा। पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन में फायर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। अग्निशमन विभाग की तैयारियों की जांच करने के लिए मॉक ड्रिल किया गया, ताकि मुसीबत के वक्त लोगों की जान बचाई जा सके। पटना के SSP अवकाश कुमार ने कहा, यह युद्ध नहीं है, बस एक सुरक्षा रिहर्सल है। लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि पहलगाम हमले के बाद देशभर में प्रमुख स्थानों की सुरक्षा पहले ही बढ़ा दी गई है। यह मॉक ड्रिल नागरिकों को जागरूक और सतर्क करने के लिए चलाया जा रहा है। पटना में इसकी तैयारी को लेकर DM चंद्रशेखर सिंह और SSP अवकाश कुमार ने बताया कि यह ड्रिल गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार सिविल डिफेंस के तहत की जा रही है। 7 मई को शाम 6:58 बजे पटना के 80 अलग-अलग स्थानों पर एक साथ सायरन बजाया जाएगा, जिससे लोगों को सतर्क किया जा सके। इसके ठीक दो मिनट बाद, शाम 7:00 बजे से 7:10 बजे तक, पूरे पटना शहर की बिजली काट दी जाएगी। इस 10 मिनट के ब्लैकआउट के दौरान लोगों से अपील की गई है कि अपने घरों, दुकानों और वाहनों की सभी लाइटें बंद रखें। पटना नगर निगम ने स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत पटना शहर में हर चौक चौराहों पर साउंड सिस्टम लगाया गया है। शहर भर के हर चौराहे पर लगे सिस्टम इंटीग्रेटेड सिस्टम के जरिए मुख्यालय से जोड़ा गया है। इस सिस्टम को ऐसी परिस्थिति के लिए लगाया गया था जब कोई भी आपातकाल की स्थिति आती है तो सभी नागरिकों को तत्काल सूचना दी जा सके। इसी स्थिति में आज यह सिस्टम काम आ रहा है। मॉक ड्रिल को लेकर पटना के जिला अग्निशमन पदाधिकारी मनोज नट ने बताया कि पटना जिला में 78 जगहों पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां सायरन बजाएगी। इसके लिए तैयारी पूरी कर ली गई है। 6:58 से सायरन अगले दो मिनट तक बजेगा। ब्लैक आउट समाप्त होने की जानकारी भी 1 मिनट सायरन बजाकर दी जाएगी। इस मॉकड्रिल में MT वाहन, वाटर टेंडर, बुलेट मिक्स टेक्नोलॉजी की गाड़ियों को शामिल किया गया है। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को सतर्क करना, प्रशासन की तैयारियों को परखना और किसी भी आपात स्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। प्रशासन उम्मीद कर रहा है कि यह ड्रिल लोगों में जागरूकता बढ़ाएगी और संकट के समय उन्हें आत्मनिर्भर बनाएगी।

दूल्हे के भाई को बदमाशों ने मारा चाकू

भोजपुर। धनगाई थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवराजी टोला (शिराजी) गांव में मंगलवार की देर रात शादी समारोह में नाच के दौरान विवाद हुआ। इसमें हथियारबंद बदमाशों ने फायरिंग की है। दूल्हे के भाई को चाकू मार दी। परिजनों ने आननझफानन में इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद युवक को पटना रेफर कर दिया गया। हालांकि, परिजन ने उसे बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जख्मी युवक बक्सर के ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के काटे(कांट) गांव निवासी श्रीकांत यादव के 32 साल के बेटे राज कुमार यादव है। घटना की जानकारी देते हुए जख्मी युवक राज कुमार ने बताया कि उसके भाई की शादी धनगाई थाना क्षेत्र के शिवराजी टोला निवासी संतोष यादव की बेटी शीला से तय हुई थी।5 मई को तिलक और 6 मई को बारात थी। 6 मई के दिन ही लड़की के भाई प्रेमचंद यादव का तिलक होना था । 6 मई को अपने घर से बड़े ही धूमधाम से बारात लेकर हमलोग शिवराजी टोला आए ।

शादी समारोह में बारातियों के मनोरंजन के लिए हमलोग नर्तकियों का नाच प्रोग्राम रखे हुए थे। सब कुछ अच्छे से चल रहा था। जयमाल होने के बाद जब सभी बाराती शमियाना में नाच देखने गए थे। इसी बीच लड़की के भाई के दोस्त स्टेज पर चढ़कर नर्तकियों के साथ डांस करने लगे। बारझबार मना करने के बाद मौजूद भी वो लोग प्रोग्राम को खराब करना चाहते थे। नर्तकियों को तंग कर रहे थे, कमर पर हाथ रखकर परेशान कर रहे थे। इसी बात को लेकर हमने कहा कि एक साथ पांच छह लोग नहीं नाचे और लोग भी देखने आए है और नाचने आए है। लड़की के भाई के दोस्तों ने किया हमला इसी बात को लेकर लड़की के भाई के दोस्तों ने पहले कुर्सी उठाकर मारना शुरू किया गया। फिर कमर से पिस्टल निकालकर फायरिंग कर दी। चाकू मारने के बाद हवाई फायरिंग करते हुए सभी मौके से फरार हो गए। फायरिंग के दौरान शमियाना में अफरातफरी मच गई। परिवार वालों ने उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया। इलाज कर रहे ऑन ड्यूटी चिकित्सक डॉक्टर विकास ने बताया कि युवक को दाहिने साइड कमर में चोट लगी है।

खून काफी बह गया है। खून का इंतजाम कर ऑपरेशन की जा रही है।

शादी में हथियार लेकर नाचने का वीडियो वायरल

भागलपुर। के बाथ थाना क्षेत्र के ऊंचा गांव में एक शादी समारोह के दौरान हथियार लेकर नाचने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में दिख रहे युवक की पहचान रोहित तांती उर्फ खेसारी तांती के रूप में हुई है। यह घटना 4 मई को वासुदेव तांती की बेटी की शादी की है। वीडियो में रोहित खुलेआम हथियार लहराते हुए नाच रहा है। घटनास्थल बाथ थाना से केवल 2-3 किलोमीटर दूर है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इलाके में बाहुबलियों और अवैध नशे के कारोबारियों की सक्रियता के कारण ऐसी घटनाएं आम हो गई हैं। पुलिस जल्द करेगी कानूनी कार्रवाई

थाना अध्यक्ष कन्हैया झा ने बताया कि उन्हें वीडियो की जानकारी मीडिया से मिली है। उन्होंने कहा कि अवैध हथियार के साथ इस तरह का प्रदर्शन कानूनी अपराध है। पुलिस जल्द ही इस मामले में कार्रवाई करेगी। अब सभी की नजरें पुलिस की कार्रवाई पर टिकी हैं।

पाकिस्तान को मिलेगा मुंहतोड़ जवाब, भारत अब कमजोर नहीं-अश्विनी चौबे

भागलपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता अश्विनी कुमार चौबे ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पाकिस्तान को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि भारत अब किसी भी सूरत में कमजोर नहीं है। पाकिस्तान को हर गलत कदम का जवाब मिलेगा। चौबे ने कहा कि यह सिर्फ शुरूआत है। आने वाले समय में भारत हर मोर्चे पर पाकिस्तान को जवाब देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने दुनिया में अपनी ताकत साबित की है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने हनुमान और भगवान परशुराम जैसे प्रतीकों का अपमान किया है। यह भारत की अस्मिता को चुनौती है। भारतीय सेना की वीरता और सरकार के फैसले पाकिस्तान की योजनाओं को विफल कर देंगे। पूर्व मंत्री ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की नई नीति का प्रतीक है। अब भारत सिर्फ प्रतिक्रिया नहीं देगा, बल्कि पहले ही कार्रवाई करेगा। भारत की खुफिया एजेंसियां और सुरक्षा बल पूरी तरह तैयार हैं। चौबे ने जनता से सेना और सरकार का साथ देने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि देश के दुश्मनों को दिखाना जरूरी है कि भारत एकजुट है।

जल्दी ब्रेक लगाओ ब्रेक लगाता तब तक 8 बाराती मर गए

कटिहार। में सोमवार की रात बारातियों से भरी स्कॉर्पियो सड़क किनारे ट्रैक्टर से टकरा गई। हादसे में 8 की मौत हुई और 2 घायल हुए हैं। बारातियों ने 65 किलोमीटर की दूरी तय कर ली थी, 35 किलोमीटर का सफर बचा था तभी एक्सीडेंट हो गया। घायल दूल्हे के भाई से बात कर के हमें हादसे के पीछे 2 वजह समझ आई। पहली सड़क पर सूखने के लिए मक्का बिछाया गया था। जिसकी वजह से गाड़ी का बैलेंस बिगड़ा। दूसरा गाड़ी की स्पीड ज्यादा थी, जिससे ड्राइवर कंट्रोल नहीं कर पाया। हादसे में दूल्हे का भाई अभिषेक कुमार (26) भी घायल है। अभिषेक ने बताया- 'बाकी लोग लड़की के दरवाजे पर पहुंच गए थे, वहां से बार-बार जल्दी आने के लिए कॉल कर रहे थे। इस कारण ड्राइवर ने स्कॉर्पियो की स्पीड बढ़ा दी। हमारी गाड़ी की रफ्तार 100 किमी प्रति घंटे की थी।' 'रात करीब 11:30 बजे हम समेली पहुंचे। जहां चांदपुर चौक के पास टिकापट्टी पुल के नीचे सड़क किनारे मक्का बिछा हुआ था। मक्के पर चढ़ते ही गाड़ी का बैलेंस बिगड़ गया।' 'रफ्तार काफी तेज होने की वजह से ड्राइवर स्कॉर्पियो को संभाल नहीं सका। हम लोग लोग काफी डर गए थे, शोर मचा रहे थे। हम लोग ड्राइवर से कह रहे थे ब्रेक लगाओ, जल्दी पवार बेक लगाओ।' 'मैंने इतना ही कहते सबको सुना। जिसके बाद हादसा हो गया। सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर से गाड़ी टकरा गई। महसूस हो चुका था कि अब शायद ही बच पाएंगे।' वहीं, दूसरी तरफ घटनास्थल पर प्रशासन ने माइकिंग कराई है। मक्के को सड़क किनारे से हटा लिया गया है। मृतकों का मानना है कि पहले ये काम होता तो हादसा नहीं होता। अभिषेक ने बताया- 'बारात बड़हरा कोठी थाना क्षेत्र के डीबरा से कटिहार के कुरसेला के पश्चिम कौशिकपुर जा रही थी। बारातियों में 5 गाड़ियां शामिल थीं। 2 लड़कियों वालों के घर पहुंची चुकी थीं। तीन रास्ते में थीं। जिस कार का एक्सीडेंट हुआ वो बीच में थी, दूल्हा सूरज उसमें सवार नहीं था। आगे-पीछे 1 किलोमीटर की दूरी में 2 स्कॉर्पियो चल रही थीं।''जब हादसा हुआ तब पीछे से आ रही गाड़ी ने तुरंत घरवालों को सूचना दी। जिसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे और सभी को अस्पताल पहुंचाया गया। बताया जा रहा कि सूरज की शादी में किसी प्रकार का तामझाम नहीं किया गया। नॉर्मल तरीके से शादी हुई।'स्कॉर्पियो की अगले सीट पर ड्राइवर राधा मंडल, स्कॉर्पियो का मालिक धीरज पोद्दार और दूल्हे का चचेरा भाई रूपेश कुमार बैठा था। जबकि, मिड सीट पर दूल्हे के चचेरे भाई अजय कुमार, ज्योतिष कुमार, सिक्कू कुमार, टुनटुन कुमार और प्रिंस कुमार बैठे थे। इस टक्कर के कुछ ही सेकेंड में सभी ने दम तोड़ दिया।

1971 भारत-पाक युद्ध- किशनगंज में हुआ था ब्लैकआउट

किशनगंज। मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात में आखिरकार भारत ने पाकिस्तान के आतंकी संगठनों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर दी है। इंडियन एयरफोर्स ने पाकिस्तान और पीओके, यानी पाक अधिकृत कश्मीर के अंदर एयर स्ट्राइक की। इस हमले में 7 शहरों के 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया है। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक इसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं। भारत की ये जवाबी कार्रवाई पहलगाम हमले के 15 दिन बाद की गई है और इसका नाम दिया है ऑपरेशन सिंदूर। ये नाम उन महिलाओं को समर्पित है, जिनके पतियों की पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने हत्या कर दी थी। भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक 6 प्रमुख युद्ध हो चुके हैं। कई सीमित झड़पें और सैन्य गतिरोध भी हुए हैं।वहीं, 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय किशनगंज, पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से लगे होने के कारण पाकिस्तानी फौज की निगाहों में आ गया था। मुक्ति वाहिनी के लड़ाकों को यहां से शरण और सहायता मिल रही थी। इसी कारण पाकिस्तानी खुफिया तंत्र ने किशनगंज को दहलाने की मंशा से एक ही रात में कई बम धमाके कराए थे। इस युद्ध के दौरान किशनगंज के तीन जगहों पर धमाका हुआ था। इसमें मनोरंजन क्लब की छत, रूईधासा मैदान और ट्रेन में धमाका हुआ था। उस समय किशनगंज पूर्णिया जिले का हिस्सा था। सेना की जमीन रूईधासा मैदान में सेना के अस्त्र-शस्त्र रखे जाते थे। इस हमले में तीनों जगहों पर मौजूद हजारों की संख्या में लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, कुछ लोग इसमें बचे थे, जिनका बाद में निधन हो गया। इस हमले के एक ही व्यक्ति बचे हैं जिनका प्रकाश कुमार साहा हैं। उनका इस हादसे में हाथ चला गया था। प्रकाश साहा ने बताया कि वो 1971 में हमले के दौरान अपने 10 दोस्तों के साथ मनोरंजन क्लब में मूवी देखने आए थे। सभी लोग मूवी देख रहे थे, इसी दौरान अचानक से जोरदार धमाका हुआ। उसमें इनके दोस्तों की उनके आंखों के सामने मौत हो गई थी। प्रकाश साहा किसी तरह से वहां से बच कर निकले थे।सय्यद मो.रजा ने बताया कि 1971 के युद्ध के समय हमलोग बहुत छोटे थे। जब हमलोग बड़े हुए तो हमारे माता-पिता ने इस घटना के बारे में बताया था। जब भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश की मुक्ति के समर्थन में सेना भेजी, तब किशनगंज युद्ध के साए में था। मनोरंजन क्लब की छत पर सायरन लगा था, जो खतरे की आहट मिलते ही गूंज उठता था। रात में ब्लैकआउट होता ताकि दुश्मन के विमान निशाना न साध सकें। बचपन में आसमान में उड़ते फाइटर प्लेनों और क्लब की छत पर लगे सायरन को देखना एक अनोखा रोमांच था। मेरा जब जन्म हुआ तो उस वक्त भारत-चीन युद्ध चल रहा था। मां बताती थी कि उन दिनों दहशत की काली छाया मंडराती रहती थी। फिर, 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध हुआ तब मैं अबोध था पर, युद्ध की छाया में ही बचपन गुजर रहा था। जगन्नाथ स्कूल में मैं तब चौथी कक्षा में था।1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के कारण आसमान में भारतीय सेना के फाइटर प्लेन उड़ान भरते रहते। हम सभी बच्चे आसमान में प्लेन गुजरने के बाद छल्लेनुमा धुएं की लकीर को अपलक देखते रहते। पास में मनोरंजन क्लब की छत पर प्रशासन ने सायरन लगा दिया था। बाल-सुलभ उत्सुकता से मैंने क्लब की छत पर इस सायरन की इंस्टालेशन नीचे खड़े होकर देखी थी। 3-4 साल पहले तक यह सायरन मशीन क्लब की छत पर ही रखी देखी थी। किसी खतरे की आशंका होते ही सायरन बज उठता और सड़क के लोग अपने-अपने घरों में ही छिप जाते थे। रात में सायरन बजते ही पूरे शहर में 'ब्लैक आउट' हो जाता। यानी, पूरे शहर की बिजली काट दी जाती थी। ऐसा इसलिए किया जाता था कि दुश्मन देश के फाइटर प्लेन को नीचे कोई रोशनी नजर न आए और निर्जन इलाका जानकर दुश्मन बम न बरसाए। इन्दू टॉकीज में सावन भादो के साथ बम धमाका मो.आलम ने कहा कि किशनगंज की इन्दू टॉकीज में 'सावन भादो' फिल्म चल रही थी। उसी दौरान फर्स्ट क्लास सीटों के नीचे टाइम बम फिट किया गया था। बम उस दृश्य के साथ फटा जिसमें फिल्म में कार में विस्फोट होता है। यह धमाका इतना जोरदार था कि टीन की छतें हिल गईं और आसपास के घरों में भी दहशत फैल गई।

संक्षिप्त डायरी

बिहार के इस जिले में अधिकारियों पर बड़ा एक्शन! 9 का रोका गया वेतन, सामने आई ये बड़ी वजह

भागलपुर/ भव्य खबर। बिहार के भागलपुर जिला प्रशासन ने डॉ. अम्बेडकर समग्र विकास अभियान के तहत अपने कार्य में अपेक्षित सहयोग नहीं करने के मामले में पांच अंचलाधिकारी और किसानों के पंजीकरण कार्य में शिथिलता बरतने के आरोप में चार प्रखंड कृषि पदाधिकारी के वेतन पर रोक लगा दी है।जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी ने मंगलवार को बताया कि जिले के सभी प्रखंडों में डॉ. अम्बेडकर समग्र विकास अभियान के तहत महादलित टोला में लगे विकास शिविरों में संबंधत विभाग से जुड़े किसानों के कार्य में गोपालपुर, कहलगांव, पीरपैंती, इस्माइलपुर और सबौर के अंचलाधिकारी ने अपेक्षित सहयोग नहीं किया है। उन्होंने बताया कि इसी तरह कहलगांव, शाहकुंड, सबौर और बिहपुर के प्रखंड कृषि पदाधिकारियों ने किसानों के पंजीकरण कार्य में कोई रुचि नहीं ली है। इस वजह से उन सभी प्रखंडों में महादलित टोला के किसानों का पंजीकरण कार्य निर्धारित समय पर नहीं होने से संबंधित योजना प्रभावित हुई है। डॉ. चौधरी ने बताया कि ऐसे मामले को गंभीरता से लेते हुए चार प्रखंड कृषि पदाधिकारियों के वेतन पर रोक लगाते हुए सभी पर विभागीय कार्यवाही का निर्देश जिला कृषि पदाधिकारी को दिया गया है। इसके साथ ही उक्त पांच अंचल अधिकारियों के वेतन पर रोक लगा दी गई है। वहीं, जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को 07 मई तक किसानों के पंजीकरण सहित विभिन्न सेवाओं के लंबित आवेदनों का निष्पादन करने के लिए कहा गया है।

नीतीश कुमार की जल-जीवन-हरियाली योजना का दिखा असर, सुधर रहा भूजल स्तर

पटना/ भव्य खबर। वर्ष 2019 के जलसंकट के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के सभी 38 जिलों में भूजल को संरक्षित करने और बारिश के पानी को संग्रहित कर उसका इस्तेमाल सिंचाई के साथ-साथ दैनिक कार्यों में किए जाने का जो अभियान शुरू किया था, अब उसके सुखद परिणाम सामने आ चुके हैं। भूजल संकट का सामना करने वाले राज्य के जमुई और गया की पहाड़ियों और जंगलों में एकबार फिर से हरियाली लौट आई है। साथ ही, हर साल गंभीर जलसंकट का सामना करने वाले दक्षिण बिहार के सभी जिलों में भूजल का स्तर बेहतर हुआ है। यह स्वर जल-जीवन-हरियाली दिवस के मौके पर बुधवार को जल भवन में लघु जल संसाधन विभाग द्वारा आयोजित एक परिचर्चा में निकलकर आए हैं। परिचर्चा का विषय था सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं का जीर्णोद्धार एवं छोटी-छोटी नदियों, नालों और पहाड़ी क्षेत्रों में चेक डैम का निर्माणै इस परिचर्चा में राज्य सरकार के 15 विभागों के अधिकारी के साथ विशेष आमंत्रण पर केंद्रीय भूगर्भ जल बोर्ड पटना के अधिकारियों ने भी शिरकत की। परिचर्चा की अध्यक्षता करते हुए जल-जीवन-हरियाली मिशन की निदेशक प्रतिभा रानी ने कहा कि इस मिशन में शामिल सभी विभागों ने काफी अच्छा काम किया है। इस अभियान को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार भी मिले हैं। बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वर्ष 2019 के जल संकट के बाद 2 अक्टूबर, 2019 से जल जीवन-हरियाली अभियान शुरू किया था। लघु जल संसाधन विभाग के अभियंता प्रमुख सुनील कुमार ने परिचर्चा में कहा कि लघु जल संसाधन विभाग के द्वारा जल-जीवन-हरियाली अभियानैएवं हर खेत तक सिंचाई का पानी के तहत कई कार्य कराए जा रहे हैं। इनमें अतिक्रमण मुक्त सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं, जैसे एक एकड़ रकवा से बड़े आहर-पईन और पांच एकड़ रकवा से बड़े पोखरों व तालाबों को चिन्हित कर उनका जीर्णोद्धार शामिल है। उन्होंने कहा कि 2000 हेक्टेयर तक कमांड क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए वीयर और चेकडैम का निर्माण कराया जा रहा है।

"आज भारतीय सेना को बारम्बार प्रणाम करने का अवसर", राजद सांसद मनोज झा ने की 'ऑपरेशन सिंदूर' की तारीफ

पटना/ भव्य खबर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हमले के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की कार्रवाई की राजद सांसद मनोज कुमार झा ने जमकर सराहना की। राजद नेता मनोज कुमार झा ने आज शौर्य और पराक्रम का दिन है। आज हम अपने सैनिकों की वीरता और बहादुरी को बारम्बार प्रणाम करते हैं। इस घटना में लोगों ने अपनों को खोया है। वहीं इस पीड़ा का पूरे देश ने साझा दर्द महसूस किया है। राजद नेता मनोज कुमार झा ने कहा कि भारतीय सेना ने सिर्फ लक्षित स्थान पर ही हमला किया है। हमारी सेना बहुत जिम्मेदार है। हमारी भारतीय सेना ने आम नागरिकों पर हमला नहीं किया और न ही पाकिस्तानी आर्मी को कोई नुक्सान पहुंचाया। इसीलिए आज भारतीय सेना को बारम्बार प्रणाम करने का अवसर है। बता दें कि भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी निर्णायक लड़ाई को एक नया और आक्रामक मोड़ देते हुए ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। इस विशेष सैन्य अभियान के तहत, भारतीय वायु सेना ने 6 मई 2025 की रात करीब 1:30 बजे पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में स्थित 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक और योजनाबद्ध हवाई हमले किए। इस कार्रवाई में सीमित समय में आतंकी शिविरों को पूरी तरह तबाह कर दिया गया।

"भारतीय सेना के साहस और पराक्रम पर पूरे देश को गर्व"

पटना/ भव्य खबर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान ऑक्यूपाइड कश्मीर में आतंकवादियों के 09 ठिकानों को निशाना बनाया गया है। वहीं, 'ऑपरेशन सिंदूर' पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि आतंकवाद के विरुद्ध पूरा देश एकजुट है। भारतीय सेना के साहस और पराक्रम पर पूरे देश को गर्व है। आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व पर हम सभी को अटूट विश्वास एवं गर्व है। जय हिंद। इधर, बिहार के दोनों उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा तथा मुख्य विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की कार्रवाई का स्वागत किया है।

भारतीय सेना ने हर बार की सिन्दूर की रक्षा, 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बोले तेजस्वी यादव-हिंदुस्तान ज़िंदाबाद! भारतीय सेना ज़िंदाबाद!

पटना/ भव्य खबर। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी निर्णायक लड़ाई को एक नया और आक्रामक मोड़ देते हुए ह्यऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। इस विशेष सैन्य अभियान के तहत, भारतीय वायु सेना ने 6 मई 2025 की रात करीब 1:30 बजे पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में स्थित 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक और योजनाबद्ध हवाई हमले किए। इस कार्रवाई में सीमित समय में आतंकी शिविरों को पूरी तरह तबाह कर दिया गया। भारत की तरफ से पाकिस्तान के खिलाफ शुरू किये गए सैन्य अभियान ऑपरेशन 'सिन्दूर' पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की प्रतिक्रिया सामने आई है। राजद नेता ने सोशल सोशल मीडिया पर लिखा है कि, ह्लभारत, भारतीयों और भारतीय सेना ने कभी भी अपने देश में किसी भी प्रकार के आतंकवाद और अलगाववाद को बर्दाश्त नहीं किया है और ना ही कभी करेंगे। भारतीय सेना ने हर बार माताओं की कोख, बहनों की कलाई, और उनके माथे के सिंदूर की रक्षा की है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि हम सत्य, अहिंसा और शांति को मानने वाले लोग है। हम भारतीय कभी गलत नहीं करते लेकिन अगर कोई हमारे साथ गलत करता है तो फिर हम सहते नहीं। आतंकवाद को पोसने वाले लोग यदि हमारी एकता, अखंडता और संप्रभुता पर प्रहार करेंगे तो हमें एकजुट होकर मुँह तोड़ जवाब देना आता है। आतंकवाद के विरुद्ध इस लड़ाई में 140 करोड़ भारतवासी भारतीय सेना और सरकार के साथ है। हिंदुस्तान ज़िंदाबाद! भारतीय सेना ज़िंदाबाद! जय हिंद!

संक्षिप्त डायरी

आयोग नहीं देता किसी भी निजी कोचिंग संस्थान को मान्यता : भूपेंद्र चौहान

चंडीगढ़/ भव्य खबर । हरियाणा में जैसे-जैसे सीईटी के आयोजन की तारीख करीब आ रही है वैसे-वैसे अवैध रूप से कोचिंग सेंटरों का संचालन भी शुरू हो गया है। ये सेंटर हरियाणा कर्मचारी आयोग से मान्यता होने का दावा करते हुए बच्चों को सीईटी की तैयारी करवा रहे हैं। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य भूपेंद्र चौहान ने बुधवार को इसी जानकारी में बताया कि आयोग किसी भी कोचिंग संस्थान को मान्यता नहीं देता है। उन्होंने बताया कि हाल ही में उनके संज्ञान में यह आया है कि कुछ निजी कोचिंग संस्थान, आयोग के नाम का अनुचित उपयोग कर अयर्थियों को गुमराह कर रहे हैं। इस पर स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे कोई भी संस्थान न तो आयोग से मान्यता प्राप्त हैं और न ही किसी प्रकार से आयोग से संबंधित हैं। चौहान ने कहा कि यदि कोई कोचिंग संस्थान आयोग के नाम का दुरुपयोग करता है या अयर्थियों को भ्रमित करता है, तो यह कानूनी रूप से गलत है और ऐसा करने पर आयोग हर जरूरी कानूनी विकल्प पर गौर करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि कोचिंग संस्थानों को अयर्थियों को गुमराह करने से बचना चाहिए। इसके अतिरि त उन्होंने यह भी बताया कि हरियाणा सरकार ने हाल ही में हरियाणा निजी कोचिंग संस्थानों का पंजीकरण और विनियमन अधिनियम, 2024 लागू किया है। इस अधिनियम के तहत राज्य के सभी निजी कोचिंग संस्थानों के लिए पंजीकरण कराना और अधिनियम में निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा।

सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट में गैस लीक,मजदूर की मौत

हिसार/ भव्य खबर । बरवाला थाना के गांव ढाणी गारण में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट में कार्य करते वत गैस की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई और दूसरा मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल मजदूर को उपचार के लिए उपमंडल नागरिक अस्पताल बरवाला लाया गया जहां पर घायल मजदूर की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे हिसार रैफर कर दिया। हिसार शहर के एक निजी अस्पताल में घायल मजदूर का इलाज चल रहा है। पुलिस ने सूचना पाते ही मृतक मजदूर के शव को अपने कजे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल हिसार में भेज दिया गया है। सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट ढाणी गारण में किसी प्रकार की कोई से टी नजर नहीं आई। बताया जा रहा है कि गांव पाबड़ा निवासी अंकित (25) और गांव ढाणी खान बहादुर निवासी मनजीत(45) बुधवार को सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट ढाणी गारण में कार्य कर रहे थे। इस दौरान पाइप में से गैस लीकेज हो गई। लीकेज गैस की चपेट में आने से कार्यरत दोनों मजदूर अंकित और मनजीत गंभीर रूप से घायल हो गए। इन दोनों घायल मजदूरों को उपचार के लिए उपमंडल नागरिक अस्पताल बरवाला लाया गया जहां पर चिकित्सकों ने गांव पाबड़ा निवासी मजदूर अंकित को मृत घोषित कर दिया।

सडक हादसे में दो युवकों की मौत, दो घायल ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज, घायल पीजीआई रेफर

ढांड/ भव्य खबर । क्षेत्र के गांव चंदलाना में आज सुबह करीब 9 बजे सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए और हादसे में कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। चारों युवक झज्जर के धुलेड़ा गांव से अर्टिगा कार में सवार होकर अंबाला के बटेड़ी गांव में शादी में जा रहे थे। जैसे ही वे नेशनल हाई-वे 152डी पर टोल प्लाजा के पास पहुंचे तो आगे जा रहा एक ट्रक अचानक हल्के वाहनों की लेन में आ गया। इससे उनकी कार सीधे ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई। इस हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलने पर ढांड थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतकों व घायलों को सिविल अस्पताल कैथल पहुंचाया। वहां पहुंचने पर डॉ टरों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया और दो को इलाज के लिए पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया है। मृतक युवकों की पहचान 20 वर्षीय अजय और 21 वर्षीय रौनक के रूप में हुई है। ये सभी एक ही कार में सवार होकर अंबाला के गांव बटेड़ी जा रहे थे। ढांड थाना के जांच अधिकारी बलजोर सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई थी। मृतक व घायलों को नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पर दो की मौत हो गई व दो घायलों को हायर सेंटर रैफर किया गया है। पुलिस ने मृतक अजय के पिता विकास की शिकायत पर ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मृतक युवकों के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिए गए है।

नारनौल में हुई सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल

नारनौल/ भव्य खबर । गृह मंत्रालय तथा राज्य स-रकार की ओर से जारी निर्देश के अनुसार जिले में बुधवार को ठीक सायं चार बजे सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल की गई है। इस दौरान लघु सचिवालय में युद्ध जैसे हालात के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों का अयास किया गया। इस अयास के दौरान काल्पनिक तौर पर घायल नागरिकों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा पुलिस लाइन कयुनिटी सेंटर में तैयार किए गए अस्थाई ट्रामा सेंटर पर इलाज करवाया गया। अयास के दौरान सायरन बजते ही सभी राहत एवं बचाव टीम ने अपना अपना कार्य शुरू कर दिया। एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड तथा पुलिस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गई। रेस्-यू ऑपरेशन के दौरान पुलिस द्वारा ट्रैफिक मैनेजमेंट भी बेहतर तरीके से किया गया ताकि घायलों को अस्पताल पहुंचाने तक किसी प्रकार की परेशानी ना हो। इस मौके पर उपायु त डॉ विवेक भारती ने बताया कि ड्रिल का उद्देश्य नागरिक आबादी को किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार रहना है। इससे नागरिकों को घबराना नहीं चाहिए। यह अयास ऐसी विकट स्थिति के दौरान बड़े पैमाने पर दहशत को संभालना को कम करना है। साथ ही अगर कोई कमी रह गई है तो उसको भी उजागर करना है ताकि भविष्य में और बेहतर तरीके से कार्य किया जा सके। इसी प्रकार का अयास सभी उपमंडल स्तर पर भी संबंधित एसडीएम की कमान में किया गया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने भी इस दौरान पुलिस प्रशासन से संबंधित भूमिकाओं पर प्रकाश डाला।

जींद रेलवे जंक्शन पर आतंकी हमला, एचपी गैस प्लांट में लगी आग

जिले में पांच स्थानों पर हुई मॉक ड्रिल

जींद। जींद में पांच जगहों पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसमें किसी भी तरह की एमरजेंसी स्थिति से निपटने को लेकर अभ्यास किया गया। वीटा प्लांट, एचपी प्लांट, खटकड़ पावर ग्रिड, रेलवे जंक्शन और सफीदों मिनी सचिवालय में मॉक ड्रिल अभ्यास किया गया।

बुधवार शाम को मॉक ड्रिल के दौरान रेलवे जंक्शन पर आतंकवादी हमला दिखाया गया। इसमें जंक्शन पर मौजूद महिला समेत पांच यात्री घायल हो गए। रेलवे पुलिस, हरियाणा पुलिस ने मिलकर दो आतंकवादियों को पकड़ लिया और इसके बाद राहत कार्य शुरू किया गया।

इस दौरान तालमेल की कमी देखने को मिली। रेलवे जंक्शन पर मॉक ड्रिल शुरू करने को न तो किसी तरह का सायरन बजाया गया और तालमेल की कमी के कारण अभ्यास भी दो बार करना पड़ा। रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी मॉक ड्रिल के प्रति गंभीर नहीं दिखे। मॉक ड्रिल के दौरान एक एंबुलेंस, एक फायर ब्रिगेड, डॉग स्क्वायड और 80 से 90 पुलिस कर्मी मौजूद रहे। इसके अलावा एचपी प्लांट, वीटा प्लांट, खटकड़ पावर ग्रिड और सफीदों लघु सचिवालय में भी मॉक ड्रिल हुई। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने को लेकर यहां मॉक ड्रिल हुई हैं। उनके साथ एसपी कुलदीप सिंह, एडीसी विवेक आर्य, एएसपी सोनाक्षी सिंह मौजूद रहे। मॉक ड्रिल के दौरान रिलीफ एरिया, कंट्रोल रूम के अलावा आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए संयंत्र स्थापित किये गए थे।

डीसी ने की ये अपील =

अगर आपको हवाई हमले के सायरन या घोषणाएं सुनाई दे तो यह एक अभ्यास है तो घबराएं नहीं।

- पुलिस, स्कूल अधिकारियों, या बिल्डिंग सुरक्षा या किसी अन्य सरकारी प्राधिकरण के निर्देशों का पालन करें
- तुरंत सुरक्षित क्षेत्र में इकट्ठा हों।
- ब्लैकआउट के दौरान घर के अंदर रहें और खिड़कियों से दूर रहें। अगर आप गाड़ी चला रहे हैं, तो अपने वाहन को किनारे पर पार्क करें और लाइटें बंद कर दें। जहां हैं वहीं रहें और इधर-उधर न जाएं।
- खिड़कियों के पास फोन या एलईडी डिवाइस का इस्तेमाल न करें।
- मोटे पर्दे का इस्तेमाल करें या खिड़कियों को कार्डबोर्ड/पैनल से ढकें।
- -व्हाट्सएप या सोशल मीडिया पर असत्यापित जानकारी न फैलाएं।

प्रधानमंत्री ने वादे के अनुसार आतंकवाद के खिलाफ उठाया बड़ा कदम - दीक्षित

कैथल। भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी राज रमन दीक्षित ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत की सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर चलाकर आतंकी ठिकानों पर किए गए हमलों के संबंध में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले दिन ही कहा था कि पहलगाम हमले के एक-एक दोषी से बदला लिया जाएगा तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता से किए गए अपने वादे को पूरा करके दिखाया तथा आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना द्वारा चलाया गया ऑप्रेशन सिंदूर पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि व उनके परिजनों के साथ न्याय है। राज रमन दीक्षित ने कहा कि पाकिस्तान के कई आतंकी ठिकानों पर हमले किए गए हैं तथा पाकिस्तान की शरण में पनप रहे आतंकियों को ऐसा सबक सिखाया जाएगा कि वे दोबारा से इस तरह की हरकत करने के लायक नहीं रहेंगे। जिला मीडिया प्रभारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत देश मजबूत, सशक्त व सुरक्षित है तथा आतंकवाद के खिलाफ चलाया गया ऑप्रेशन स्पष्ट चेतावनी है कि भारत देश ने अब सहनशक्ति की सभी हदें पार कर दी है तथा अब भारत आकतंवाद को पूरी तरह से खत्म करके ही दम लेगा। राज रमन दीक्षित ने कहा कि पाकिस्तान हमसे तीन बार युद्ध हार चुका है। पाकिस्तान ने 1965, 1971 और सन 1999 में कारगिल युद्ध में भी भारत से मार खाई है तथा अब देश से मुकाबला करने की उसमें कोई क्षमता नहीं है।

लंबा सायरन बजने के साथ हुई नागरिक सुरक्षा गतिविधि,भीड़ होने के कारण लगाई वैकल्पिक सीढ़ी

-पीठ व स्ट्रेचर पर प्राथमिक उपचार कक्ष तक लाए गए लोग
-लोगों ने की घबराने व दम घुटने की शिकायत

रोहतक। जिला प्रशासन द्वारा लघु सचिवालय में प्रभावशाली नागरिक सुरक्षा अभ्यास (मॉक ड्रिल) किया गया, शाम करीब चार बजे बजे हवाई हमले की चेतावनी देने वाला लंबी अवधि का सायरन बजा। सायरन बजने के साथ ही नागरिक सुरक्षा से संबंधित गतिविधियां आरंभ हो गई। सायरन की चेतावनी को समझते हुए लघु सचिवालय के अधिकारी व कर्मचारियों के अलावा आमजन ने सीढ़ियों से उतरना शुरू कर दिया। अधिकतर लोग घबरा गए थे और उन्होंने दम घुटने की शिकायत की थी। सीढ़ियों में अधिक भीड़ होने की वजह से नागरिक लघु सचिवालय के भवन में फंस गए। इस स्थिति में वैकल्पिक सीढ़ी लगाई गई। स्वयं सेवकों द्वारा सर्व प्रथम बच्चों को पीठ पर बैठाकर नीचे लाया गया। इसके उपरांत गर्भवती महिलाओं व दिव्यांगजनों को भी प्रथम व द्वितीय तल से नीचे उतारा गया। बुजुर्ग भी इस वैकल्पिक सीढ़ी के माध्यम से नीचे लाए गए। जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा घटनास्थल पर ही प्राथमिक उपचार कक्ष स्थापित किया गया था, जहां घायलों को प्रशिक्षित सीपीआर ऑफिसर द्वारा प्रथम चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। प्रत्येक जरूरतमंद लोगों को सीपीआर दिया गया। घायल हुए लोगों का पट्टी बांधकर उपचार किया गया, जो लोग गंभीर अवस्था में थे, उन्हें तुरंत प्रभाव से अस्पताल पहुंचाया गया। फंसे हुए लोगों को प्राथमिक चिकित्सा कक्ष तक लाने के लिए स्ट्रेचर, व्हीलचेयर व पीठ का प्रयोग किया गया। प्राथमिक उपचार के उपरांत जो लोग चलने के स्थिति में थे उन्हें दो स्वयं सेवकों द्वारा पकड़ कर वाहन में बैठाकर अस्पताल ले जाया गया। इसके साथ ही रक्तदाताओं की भी सूची भी तैयार की गई थी ताकि संबंधित ग्रुप के रक्तदाताओं को मौके पर बुलाकर रक्तदान करवाया जा सके। इस दौरान लघु सचिवालय परिसर के आसपास संतोषजनक संख्या में एम्बुलेंस भी पहुंच गई थी। मॉक ड्रिल के दौरान परिवहन की बसों, स्वास्थ्य विभाग की एम्बुलेंस व अग्निशमन वाहनों को लघु सचिवालय से सिविल अस्पताल व पीजीआई भेजने का अभ्यास किया गया। उन्होंने कहा कि मॉकड्रिल का उद्देश्य नागरिक सुरक्षा तंत्र और आपातकालीन प्रतिक्रिया का परीक्षण और सुदृढ़करण है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अभ्यासों से नागरिकों को भयभीत होने की जरूरत नहीं है।

मॉनसून से पूर्व ड्रेनेज व सीवरेज की सफाई पूरी कर लें अधिकारी = प्रदीप दहिया

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के नवनियुक्त निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने बुधवार को पदभार संभालते ही कामकाज की रफ्तार तेज कर दी है। पहले ही दिन उन्होंने निगम कार्यालय में जीएमडीए व निगम अधिकारियों के साथ बैठक की। ठोस कचरा प्रबंधन व मानसून से पूर्व की जा रही तैयारियों की विस्तार से जानकारी ली। निगमायुक्त ने कहा कि जनसमस्याओं का समाधान निगम की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए और इसके लिए सभी अधिकारी समन्वय से कार्य करें। बैठक के दौरान शहर में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन को और प्रभावी बनाने, लिगेसी वेस्ट (पुराना कचरा) के निस्तारण की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर करने के निर्देश निगमायुक्त द्वारा दिए गए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मानसून से पूर्व नालों की सफाई, जलभराव वाले क्षेत्रों की पहचान और आवश्यक उपाय समय रहते पूरे किए जाएं। इसके साथ ही सभी अधिकारी मैदानी स्तर पर सक्रिय रहकर कार्यों की निगरानी करें। उन्होंने कहा कि समय परिणाम दिखाने का है, पारदर्शिता और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता ही प्राथमिकता होगी। बैठक में जीएमडीए अधिकारियों ने निगमायुक्त को मास्टर ड्रेनेज तथा जलभराव के मुख्य स्थलों के बारे में जानकारी दी। वहां पर किए जा रहे उपायों के बारे में बताया। अधिकारियों ने बताया कि गुरुग्राम में मुख्यत= तीन मास्टर ड्रेन हैं, जिन्हें लैग-1, 2 व 3 कहा जाता है। ये तीनों आगे जाकर नजफगढ़ ड्रेन में मिलती हैं। उन्होंने बताया कि अरावली में पानी को रोकने व हारवैस्ट करने के लिए चेक-डैम तथा क्रीक्स बनाए हुए हैं। नरसिंहपुर प्वाइंट के बारे में बताया गया कि बरसात के दौरान पंपों के माध्यम से पानी को बादशाहपुर ड्रेन में डाला जाता है। उन्होंने निगम अधिकारियों से भी कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में ड्रेनेज व सीवरेज की सफाई मानसून से पूर्व पूरी कर लें। पर्याप्त संख्या में मैनपावर व मशीनरी तैयार रखें। इस मौके पर नगर निगम गुरुग्राम के अतिरिक्त आयुक्त डा. बलप्रीत सिंह व महाबीर प्रसाद, संयुक्त आयुक्त विशाल कुमार, डा. जयवीर यादव, अखिलेश कुमार यादव व सुमित कुमार, चीफ इंजीनियर विजय ढाका, जीएमडीए के एसई सुधीर, कार्यकारी अभियंता विक्रम सिंह, संजीव कुमार व मनोज कुमार उपस्थित थे।

रेवाड़ी में पांच स्थानों पर हुआ नागरिक सुरक्षा अभ्यास

नारनौल। राष्ट्रव्यापी नागरिक सुरक्षा अभ्यास के तहत बुधवार को रेवाड़ी जिले में एयर स्ट्राइक के मद्देनजर मॉकड्रिल का आयोजन हुआ। जिला में लघु सचिवालय परिसर, बीएमजी मॉल, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड परिसर के साथ ही कोसली व बावल उपमंडल सचिवालय में निर्धारित समयावधि में मॉक ड्रिल हुई। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन एवं उपायुक्त अभिषेक मीणा के नेतृत्व में जिला में योजनाबद्ध तरीके से नागरिक सुरक्षा अभ्यास किया गया जिसमें आपदा की स्थिति में हुई जान माल की रक्षा के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई। राष्ट्रव्यापी नागरिक सुरक्षा अभ्यास के मॉक ड्रिल में साइरन के साथ सभी चिह्नित स्थानों पर अभ्यास शुरू हुआ और जिन भवनों में प्रथम व द्वितीय तल पर लोग मौजूद थे, वे तुरंत प्रभाव से भू-तल पर आ गए और स्वयं को सुरक्षित स्थानों पर पहुंच गए। जहां कहीं भी आपदा की स्थिति के दौरान लोग ऊपरी तलों पर फंस गए थे, उन्हें सुरक्षित तरीके से फायर बिग्रेड कर्मियों व आपदा मित्रों द्वारा नीचे उतारा गया और इलाज के लिए निकटवर्ती अस्पताल में पहुंचाया गया। शाम चार बजे हवाई हमले की चेतावनी वाला सायरन बजाकर सरकारी विभागों और स्वयंसेवकों सहित सभी हितधारकों को शामिल करते हुए महत्वपूर्ण और रणनीतिक स्थानों पर मॉक ड्रिल ऑपरेशन शुरू किया गया। इस मॉक ड्रिल के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया कि ऐसी स्थिति आने पर आश्रय के रूप में एक सुरक्षित आंतरिक कमरे या तहखाने की पहचान करें। उपायुक्त अभिषेक मीणा ने कहा कि फैमिली ड्रिल्स का अभ्यास करें, लाइट बंद करें, 1-2 मिनट के भीतर सुरक्षित क्षेत्र में इक्कठा हों। उन्होंने बताया कि लोगों में जागरूकता लाने के लिए कंट्रोल रूम सचिवालय में बनाया गया था। मॉक ड्रिल के दौरान उक्त कंट्रोल रूम में आई सूचना के आधार पर पूरा अभ्यास किया गया।

भारत ने पाकिस्तान से लिया पहलगाम आतंकी हमले का बदला - गौरव गौतम

पलवल। हरियाणा सरकार में खेल मंत्री गौरव गौतम ने देर रात भारत सरकार व सशस्त्र सेनाओं द्वारा 'ऑपरेशन सिन्दूर' के तहत पाकिस्तान के विभिन्न आतंकी ठिकानों पर की गई एयर स्ट्राइक करने पर भारतीय सेना को बधाई दी। जिस तरह आतंकियों ने पहलगाम में कायराना हरकत की थी उसका भारतीय सेना ने दिया मुंहतोड़ जवाब। मंत्री गौरव गौतम ने कहा जिन कायर आतंकवादियों ने हमारी बहन बेटियों के सिंदूर को उजाड़ने का काम किया, हमारी सेना ने उनको उजाड़ने का काम किया।भारतीय सेना की सराहना करते हुए खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से हमला करने की हिमाकत करता है तो नक्शे से पाकिस्तान गायब हो जाएगा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला 'ऑपरेशन सिन्दूर' के जरिए पाकिस्तान से लिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने जो पराक्रम दिखाया है, वह अभूतपूर्व है। पाकिस्तान से लिया गया यह बदला पहलगाम आतंकी हमले के मृतकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है, इससे मृतकों की दिवंगत आत्मा को शांति मिलेगी।

उन्होंने इसे देश के लिए गर्व का पल बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अब आतंकवादियों को ईंट का जवाब पत्थर से मिलेगा। देश की सेनाओं ने जो साहस और धैर्य दिखाया है, वह हर भारतीय को गर्व करने का अवसर देता है। ऑपरेशन सिन्दूर के जरिए दुनिया को यह स्पष्ट संदेश गया है कि भारत अब सहनशील नहीं, बल्कि सक्षम और सजग राष्ट्र है जो शांति चाहता है, लेकिन अगर मजबूर किया गया तो करारा जवाब देने से भी पीछे नहीं हटता।

यूजी द्वितीय वर्ष की छात्राओं के लिए इंटर्नशिप अनिवार्य = डा. आरती

कैथल। इंदिरा गांधी पीजी महिला महाविद्यालय कैथल की प्राचार्या प्रभारी डॉ. आरती गर्ग ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति तथा कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के दिशा-निर्देशों एवं पत्र संख्या एसीएम-आई/एमए/24/5591-5656 के संदर्भ में स्नातक डिग्री के द्वितीय वर्ष के सभी संकायों की सभी छात्राओं के लिए इंटर्नशिप अनिवार्य कर दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो छात्राएं निर्धारित समय सीमा में इंटर्नशिप पूर्ण नहीं करेंगी और आवश्यक दस्तावेज कॉलेज में जमा नहीं करवाएंगी, उन्हें डिग्री प्रदान नहीं की जाएगी। अत= सभी संकायों की द्वितीय वर्ष की छात्राओं को निर्देशित किया जाता है कि वे समय रहते अपनी इंटर्नशिप की योजना बनाएं, उसे पूर्ण करें तथा सभी आवश्यक दस्तावेज निर्धारित समय पर महाविद्यालय में जमा करवाएं।

आतंकी ठिकानों पर हमले से खुश वकीलों ने बांटी मिठाईयां

फरीदाबाद। पहलगाम हमले के 15 दिन बाद इंडियन एयरफोर्स द्वारा पाकिस्तान और पीओके, यानी पाक अधिकृत कश्मीर के भीतर एयर स्ट्राइक करने के बाद लोगों में खुशी का माहौल है। फरीदाबाद में बुधवार को सेक्टर-12 कोर्ट में वकीलों ने मिठाई बांटकर खुशी मनाई। वकीलों ने कहा कि हमारी सेना ने पहलगाम में मारे गए अपनों का बदला लिया है। वकीलों ने कहा कि पाकिस्तान में आतंकवाद की जड़ है और इस जड़ को भारत पूरी तरह से खत्म करेगा। ये नया भारत है यहां पाकिस्तान जैसे देश के सामने झुका नहीं जाता, बल्कि घर में घुसकर मारा जाता है। हमारी सेना ने साबित कर दिया है कि आंतकवादी चाहे कहीं छिप जाए, उनको तलाश करके मारा जाएगा। वहीं स्ट्राइक को लेकर हरियाणा सरकार के मंत्री विपुल गोयल और राजेश नागर और केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने अपने एक्स अकाउंट पर ट्वीट कर खुशी जाहिर की। केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर अपने एक्स पर लिखा-भारत में आंतक के लिए कोई जगह नही है, हमारे देश में आंतक के लिए शून्य सहनशीलता है। हमारा देश अब आंतक को बिल्कुल सहन नहीं करेगा। हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने भी अपने एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर लिखा- भारत माता की जय, इंडियन एयरफोर्स द्वारा पाकिस्तान में एयर स्ट्राइक कर आतंकियों के ठिकानों को तबाह कर दिया गया है। इन ठिकानों पर भारत पर हमलों की प्लानिंग की जाती थी, उनको आज हमारी सेना ने तबाह कर दिया है। हरियाणा सरकार में खाद्य मंत्री राजेश नागर ने अपने एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर लिखा- भारत माता की जय। उन्होंने कहा कि भारत वो देश है जो आंतक का मुंह तोड़ जबाव देना जानता है। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह करके दुनिया को बता दिया है कि भारत अपने खिलाफ किसी भी आतंकी हमले को सहन नही करेंगा।

साइबर ठगों को खाते बेचने वाले तीन को दबोचा

पलवल। पलवल पुलिस ने साइबर ठगों को फर्जी बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने बुधवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से मोबाइल और सिम कार्ड बरामद किए हैं। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की।साइबर क्राइम थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि आरोपियों के बारे में गुप्त सूचना मिली थी। नूंह के नई गांव निवासी तालिम, पलवल के कोट गांव निवासी मुजम्मिल और कोसी कला निवासी जुनैद साइबर ठगी के लिए फर्जी खाते खुलवाकर साइबर ठगों को बेचते हैं। पुलिस ने पलवल-हथीन रोड पर घेराबंदी कर एक लाल रंग की कार से दोनों आरोपियों को पकड़ा। तालिम के पास से एक मोबाइल और दो सिम कार्ड मिले।

पूर्व निगमायुक्त अशोक गर्ग को सफाई कर्मचारियों ने दी भावपूर्ण विदाई

-सरकार द्वारा उन्हें हिसार मंडल के आयुक्त की सौंपी गई है जिम्मेदारी

गुरुग्राम। सिविल लाइंस स्थित स्वतंत्रता सेनानी जिला परिषद भवन में गुरुवार को पूर्व नगर निगम आयुक्त अशोक कुमार गर्ग को भावपूर्ण विदाई दी गई। इस विदाई समारोह में नगर निगम की सफाई शाखा के अधिकारी, यूनियन पदाधिकारी और कर्मी एकत्र हुए। अशोक कुमार गर्ग को पगड़ी पहनाकर और फूलमालाओं से सम्मानित किया गय। आईएएस अधिकारी अशोक कुमार गर्ग को हाल ही में हरियाणा सरकार नगर निगम गुरुग्राम से तबादला करके हिसार मंडल का आयुक्त नियुक्त किया गया है। गुरुग्राम में उनका कार्यकाल खासतौर पर याद किया जाएगा। विशेषकर उस वक्त जब शहरी स्वच्छता एक चुनौती बनी हुई थी, उन्होंने कर्मचारियों की बात सुनीं। समस्याओं को समझा और समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि निचले स्तर के कर्मी भी प्रशासन की प्राथमिकता में रहें। इस विदाई समारोह ने यह सिद्ध कर दिया कि प्रशासक का मूल्यांकन केवल उसके आदेशों से नहीं, बल्कि उसके व्यवहार से होता है। पूर्व निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग को मंगलवार को एक सादे किंतु भावपूर्ण समारोह में विदाई दी गई। उन्हें पगड़ी पहनाकर एवं पुष्पमालाएं अर्पित कर सम्मानित किया। गुरुग्राम में उनके कार्यकाल के दौरान स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में अनेक प्रभावी कदम उठाए गए, जिनमें सफाई व्यवस्था में पारदर्शिता लाना, कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान तथा समन्वयपूर्ण कार्य प्रणाली को बढ़ावा देना प्रमुख रहे। समारोह में उपस्थित सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने उनके प्रशासनिक योगदान की सराहना की तथा उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर संयुक्त आयुक्त सुमित कुमार, वरिष्ठ सफाई निरीक्षक देवेन्द्र कुमार, संदीप कुमार, हर्ष चावला व अमन कुमार, सफाई निरीक्षक भूपेन्द्र कुमार, जितेन्द्र कुमार, हरीश शर्मा, दीपक डागर, गौरव व बलजीत, सफाई एक्सपर्ट प्रियंका, सफाई यूनियन से कार्यकारी प्रधान कैलाश कुमार, पूर्व जिला प्रधान राजेश कुमार, राज्य सचिव नरेश मलकट, पूर्व प्रधान रामसिंह, सुशीला, अनिता, कमला देवी, सोनिया, राकेश वाल्मिकी, धमेन्द्र, सुरेन्द्र, अनुज, जितेन्द्र सुमित, संजय, रविन्द्र, मुकेश, संगीत, भारत सहित सेंकड़ों सफाई कर्मचारी उपस्थित थे।

सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल ऑपरेशन अभ्यास आयोजित

राहत एवं बचाव कार्य में जुटे जवान, किया नागरिकों का उपचारउपायुक्त अनीश यादव ने की मॉक ड्रिल की निगरानी

हिसार।

जिला प्रशासन की ओर से राष्ट्रव्यापी नागरिक सुरक्षा अभ्यास के तहत हिसार जिले में सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। यह मॉक ड्रिल सायं 4 बजे लघु सचिवालय परिसर, महावीर स्टेडियम, नगर निगम, बरवाला, हांसी और नारनौंद उपमंडल में एक साथ शुरू हुई। उपायुक्त एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन अनीश यादव की अगुवाई में यह अभ्यास सुनियोजित ढंग से संपन्न हुआ, जिसका मुख्य उद्देश्य आपदा की स्थिति में जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा।उपायुक्त अनीश यादव ने बताया कि केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा बुधवार को की गई इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य जिला में आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र की मजबूती व नागरिक सुरक्षा प्रणाली की तैयारियों की जांच करना है। उन्होंने बताया कि निर्धारित समय पर सायरन बजते ही सभी चिन्हित स्थानों पर मॉक ड्रिल की प्रक्रिया शुरू हो गई और भवनों में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

मॉक ड्रिल के दौरान एयर रेड अलार्म सिस्टम एक्टिव होने के बाद एसडीआरएफ, फायर ब्रिगेड कर्मियों, हरियाणा पुलिस, गृह रक्षी, आपदा मित्रों और स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने संयुक्त रूप से कार्य किया। नगर निगम के मुख्य भवन पर हमले की परिस्थितियां बनाई गई। इसके बाद ऊपरी मंजिलों पर फंसे लोगों को सुरक्षित रूप से नीचे उतारा गया। तीन विक्टिम को प्राथमिक चिकित्सा उपरांत घर भेज दिया गया और तीन की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मॉक ड्रिल के दौरान एसडीआएफ के सभी उपकरण सही प्रकार से क्रियान्वित मिले। फायर ब्रिगेड और एबुंलेस का रिस्पोंस टाइम भी सही रहा।उपायुक्त ने आमजन को सहयोग के लिए धन्यवाद करते हुए कहा कि किसी भी आपात स्थिति की पूर्व तैयारी अत्यंत आवश्यक है। मॉक ड्रिल के माध्यम से लोगों को यह जानकारी दी गई कि किसी भी आपदा की स्थिति में तुरंत सुरक्षित स्थान की पहचान करें, लाइट बंद करें और निर्धारित समय में एकत्रित हों। इस तरह की ड्रिल नागरिकों को आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए तैयार करती हैं। इस अवसर पर उपायुक्त अनीश यादव, पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन, एडीसी सी. जयाश्रद्धा, नगर निगम आयुक्त नीरज, सीईओ जिला परिषद हरबीर सिंह, रोडवेज जीएम डॉ. मंगल सेन, नगराधीश हरिराम, जिला राजस्व अधिकारी विजय कुमार यादव, सिविल सर्जन डॉ. सपना गहलावत सहित अन्य अधिकारियों ने समीक्षा बैठक कर आपदा प्रबंधन तैयारियों की विस्तार से चर्चा की। उपायुक्त ने बताया कि राज्य सरकार ने आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत प्रतिक्रिया प्रणाली को औपचारिक रूप से लागू किया है, जिससे आपदा के समय प्रभावी निर्णय लिए जा सकें और भ्रम की स्थिति न बने।

संक्षिप्त डायरी

भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था सत, सशस्त्र सीमा बल ने चौकसी बढ़ाई

बगहा / भव्य खबर एजेंसी। बिहार में संभावित आतंकी हमले के इनपुट के बाद भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था सत की गई है। बगहा के इंडो नेपाल-बॉर्डर वाल्मिकीनगर स्थित सीमा पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों ने चौकसी बढ़ा दी है। सुरक्षाबलों की ओर से यात्रियों के सामानों की जांच भी विशेष मशीनों की मदद से की जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि को पकड़ा जा सके। इतना ही नहीं एसएसबी के अधिकारी लगातार पेट्रोलिंग कर रहे हैं और प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर निगरानी रखी जा रही है। पुलिस मु यालय ने राज्य के सभी जिलों को हाई अलर्ट पर रखा है और खासकर सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा के विशेष निर्देश जारी किए हैं। वाल्मिकीनगर सीमा पर हर गतिविधि पर बारीकी से नजर रखी जा रही है और लोगों से भी सतर्क रहने की अपील की गई है।

ऑपरेशन सिंदूर पर राजनीति नहीं होनी चाहिए: प्रशांत किशोर

पूर्णिया / भव्य खबर एजेंसी। भारतीय सेना ऑपरेशन सिंदूर पर जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट शदों में कहा कि आतंकवाद के खिलाफ सेना की कार्रवाई का पूरा देश समर्थन करता है, लेकिन इस मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। पूर्णिया में उद्घोष यात्रा के दौरान पत्रकारों से बातचीत में प्रशांत किशोर ने कहा, आतंकवाद के खिलाफ सेना जो भी कार्रवाई करती है, वह पूरी तरह उचित है। लेकिन इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। यह एक गंभीर मुद्दा है, जिसमें देश के नागरिकों और जवानों की जान दांव पर होती है। प्रशांत किशोर ने कहा कि सरकार को आतंकवाद के खिलाफ कठोर और निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए ताकि यह समस्या दोबारा सिर न उठा सके। उन्होंने कहा कि सेना और सुरक्षा एजेंसियों को बिना किसी हस्तक्षेप के अपना काम करने देना चाहिए। प्रशांत किशोर ने स्पष्ट किया कि जन सुराज परिवार पूरी तरह से भारतीय सेना के साथ खड़ा है और प्रार्थना करता है कि किसी भी भारतीय नागरिक या जवान को किसी भी तरह का नुकसान न पहुंचे। प्रशांत किशोर ने मीडिया से भी अपील की कि वह इस मुद्दे पर संयम बरते और इसे सनसनीखेज बनाने से बचे। उन्होंने कहा कि आतंकवाद एक गंभीर चुनौती है और इसे केवल सेना और सुरक्षा एजेंसियों के अनुभव और विशेषज्ञता से ही निपटा जा सकता है। गौरतलब है कि भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूरइ के तहत पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए हैं, जिसके बाद देशभर में उत्साह और जश्न का माहौल है। हालांकि, प्रशांत किशोर जैसे नेता इस पर राजनीतिक बयानबाजी से बचने और केवल सेना के समर्थन पर जोर दे रहे हैं।

कुत्तों का आतंक! अब तक 250 लोगों को काटा, घर से निकलने से डर रहे लोग

फरीदाबाद / भव्य खबर एजेंसी। बल्लभगढ़ के पंजाबी मोहल्ले में आवारा कुत्तों का आतंक है यहां लोगों का घर से निकलना मुश्किल है। लोगों का कहना है कि सुबहसुबह दो कुत्तों लगातार लोगों को काट रहे हैं जो भी गली में आता जाता है, उन पर हमला कर देते हैं। अब तक करीब 250 लोगों को यह कुत्तों काट चुके हैं। इस डर से लोग घर से बाहर निकलने में डर रहे हैं, जिन्हें जरूरी काम से बाहर जाना होता है तो वह डंडा लेकर निकलते हैं। एक स्थानीय निवासी ने बताया सुबह-सुबह ही ये कुत्तों लोगों को काट रहे हैं। पार्षद से इसकी शिकायत की थी, उन्होंने कहा कि वह बाहर हैं कुछ नहीं कर सकते। अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोगों को काट चुके हैं। मोहल्ले की रहने वाली एक महिला ने बताया सुबह 8 बजे से ही मोहल्ले में दहशत का माहौल है। हर किसी के हाथ में डंडा रहता है कोई भी बाहर निकलने की हिमत नहीं कर रहा। बच्चे महिलाएं सब डरे हुए हैं। शिकायत के बाद भी नगर निगम कार्रवाई नहीं कर रहा है। मोहल्ले के पार्षद भी कुछ नहीं कर पा रहे हैं।

बम की धमकी के बाद इंडिगो के विमान की मुंबई में आपात लैंडिंग

नई दिल्ली / भव्य खबर एजेंसी। चंडीगढ़ से उड़ान भरने वाले इंडिगो के एक विमान ने बम होने की धमकी मिलने के बाद छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग की। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी के अनुसार, हवाई अड्डे के हॉटलाइन नंबर पर मंगलवार को बम होने की धमकी वाला फोन आया था। मुंबई हवाई अड्डे के सूत्र ने बताया, "इंडिगो की उड़ान सं या 6ई-6382 में बम होने संबंधी धमकी के कारण हवाई यातायात नियंत्रण कक्ष ने मंगलवार को अपराह्न 2:32 बजे पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया। सूत्र ने विमान में मौजूद लोगों की सं या का खुलासा किए बिना बताया कि विमान दोपहर 14.57 बजे सुरक्षित रूप से उतरा और सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार जांच के लिए उसे एक अलग स्थान पर ले जाया गया। उन्होंने बताया कि विमान में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। पुलिस अधिकारी ने बताया कि विमान की गहन जांच की गई लेकिन इसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

पिछले चार महीनो में 17 छात्रों की आत्महत्या-सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रूख अ तियार किया

नई दिल्ली / भव्य खबर एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने छात्रों की आत्महत्या के मामले में कडा रुख अ तियार किया है। जनवरी 2025 से लेकर 5 मई के बीच में अभी तक 17 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा है, या इन बच्चों की आत्महत्या के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पादरीवाला और आर महादेवन की संयुक्त पीठ ने सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार को आदेश दिया है। वह आत्महत्या के मामलों से संबंधित पुलिस स्टेशन से जल्द से जल्द रिपोर्ट प्राप्त कर खंडपीठ को जानकारी दें। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आईआईटी खडगपुर और कोटा में नीट की तैयारी कर रही छात्रा द्वारा आत्महत्या के मामले में गंभीरता दिखाते हुए रजिस्ट्री को आदेश दिया है। आईआईटी खडगपुर के तीसरे वर्ष के सिविल इंजीनियरिंग के छात्र मोहमद आसिफ द्वारा 4 मई को हॉस्टल के कमरे में फंदे पर लटक कर आत्महत्या की है।

चुनाव से पहले नितीश को याद आये बेरोजगार

– सत्तारूढ़ गठबंधन को अपनी साख बचाने की चुनौती

– युवाओं की नाराजगी को शांत करने की कोशिश

पटना (एजेंसी)। बिहार में 2025 विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां बढ़ते ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बेरोजगारों की याद आ गई है। मंगलवार को उन्होंने अपने आवास पर बीजेपी नेताओं के साथ बैठक की और राज्य में 10 लाख लोगों को रोजगार देने का वादा किया। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ चुनावी वादा है या सरकार सच में युवाओं को रोजगार देने का इरादा रखती है?

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बैठक में बीजेपी नेताओं से राज्य के विकास, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा की। लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित किया उनके उस बयान ने, जिसमें उन्होंने कहा कि उनकी सरकार राज्य में 10 लाख नए रोजगार देगी। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब बिहार में चुनावी मौसम शुरू हो चुका है और सत्तारूढ़ गठबंधन को अपनी साख बचाने की चुनौती है। बिहार में बेरोजगारी लंबे समय से एक गंभीर समस्या रही है। राज्य के लाखों युवा हर साल रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों का रुख करते हैं। ऐसे में चुनाव से ठीक पहले 10 लाख रोजगार का वादा करना नीतीश सरकार की युवाओं की नाराजगी को शांत करने की कोशिश मानी जा रही है।

यह पहली बार नहीं है जब नीतीश कुमार ने रोजगार देने का वादा किया है। 2020 के विधानसभा चुनाव में भी नीतीश सरकार ने 19 लाख रोजगार देने का दावा किया था। लेकिन विपक्ष का आरोप है कि सरकार अपने पिछले वादों को पूरा करने में नाकाम रही है और अब चुनावी मौसम में फिर से पुराने वादों को दोहराया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बीजेपी नेताओं से उनके मंत्रालयों के कामकाज की जानकारी ली और 'प्रगति यात्रा' के दौरान किए गए वादों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। हालांकि बैठक के बाद बीजेपी नेताओं ने मीडिया से कोई बयान नहीं दिया, जिससे कयास लगाए जा रहे हैं कि यह बैठक चुनावी रणनीति को लेकर थी।

क्या वादा सिर्फ चुनाव तक?

बिहार की जनता यह सवाल कर रही है कि क्या यह वादा सिर्फ चुनाव तक ही सीमित रहेगा या वाकई सरकार इसे पूरा करेगी? विपक्षी दल इसे चुनावी चाल बता रहे हैं, जबकि नीतीश सरकार इसे राज्य के विकास का हिस्सा कह रही है। अब देखना होगा कि नीतीश कुमार का यह वादा बिहार के युवाओं को कितना भरोसा दिला पाता है और चुनाव के नतीजों पर इसका क्या असर पड़ता है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बीजेपी को अपना नया बॉस चुनने में हो सकती है देरी

नई दिल्ली ।भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नए अध्यक्ष का चुनाव होना है।बीजेपी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं।बीजेपी पार्टी को चुनाव के लिए बस हरी झंडी का इंतजार था।लेकिन अब पहलगाम आतंकी हमले और इसके जवाब में ऑपरेशन सिंदूर के बाद बनी परिस्थितियों में इसमें देरी हो सकती है।

बीजेपी संगठन चुनाव को लेकर स्थिति अभी कुछ साफ नहीं है। बीजेपी सूत्रों के अनुसार जेपी नड्डा के बाद अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए सारी प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है।पार्टी ने अब तक 14 राज्यों में संगठन चुनाव पूरे कर लिए हैं और 13 राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए नाम फाइनल हो चुका हैं।

बीजेपी के संविधान के मुताबिक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव कराने के लिए करीब 18 राज्यों में संगठन चुनाव की प्रक्रिया का पूरा होना जरूरी है। जिन राज्यों में चुनाव हुए थे, वहां भी संगठन चुनाव की प्रक्रिया जोरों पर है। महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली में भी प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव अगले 15–20 दिनों में हो सकता है। पार्टी के मुताबिक नए अध्यक्ष को लेकर बनी असमंजस की स्थिति के बावजूद संगठन के काम की रफ्तार तेज है। एक दिन पहले ही राष्ट्रीय महासचिवों के साथ बैठक कर पार्टी नेतृत्व ने कार्यक्रमों की समीक्षा की। दरअसल, बीजेपी ने बीते महीने से चार देशव्यापी अभियान शुरू किए थे। पार्टी के स्थापना दिवस पर एक हफ्ते का गांव चलो, बस्ती चलो अभियान की शुरुआत हुई थी। अभियान के तहत पार्टी के नेताओं ने देशभर के करीब ढाई लाख गांवों में करीब छह लाख बूथ तक पहुंचकर जनसंपर्क किए।

सरकार ने लागू की कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम, सड़क हादसे में घायल का होगा मुफ्त इलाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम 2025 की शुरुआत की है, जो 5 मई 2025 से पूरे देश में लागू हो चुकी है। इस योजना का उद्देश्य सड़क हादसों में घायल लोगों को तुरंत और बेहतर इलाज मुहैया कराना है, ताकि उनकी जान बचाई जा सके।

जानकारी के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति सड़क दुर्घटना का शिकार होता है, तो उसे 1.5 लाख तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। यह इलाज पहले 7 दिनों तक किसी निर्धारित अस्पताल में कैशलेस इलाज कराया जा सकेगा। इसका मतलब है कि आपको न तो जेब से पैसे निकालने होंगे और न ही किसी बीमा या दस्तावेज की चिंता होगी। कोई भी व्यक्ति एक्सीडेंट का शिकार होता है, वह इस योजना के अंतर्गत आएगा। हादसा किसी भी राज्य या शहर में हुआ हो, पूरे भारत में यह योजना लागू होगी। इलाज सिर्फ डिजाइनेटेड हॉस्पिटल यानी सरकार द्वारा चुने गए अस्पतालों में ही होगा। अगर आप किसी अन्य अस्पताल में जाते हैं, तो वहां सिर्फ शुरुआती इलाज मिलेगा, जब तक कि आपको किसी डिजाइनेटेड अस्पताल में शिफ्ट नहीं किया जाता है।

योजना को नेशनल हेल्थ अथॉरिटी लागू कर रही है। राज्यों में यह काम स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल और स्टेट हेल्थ एजेंसीज देख रही हैं। पूरे सिस्टम की निगरानी के लिए 11 सदस्यीय कमेटी बनाई गई है, जिसकी अध्यक्षता सड़क सचिव करेंगे। सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि 2023 में भारत में 4.80 लाख सड़क हादसे हुए, जिनमें 1.72 लाख लोगों की जान गई। इनमें से कई मौतें समय पर इलाज न मिलने के कारण हुईं। सरकार इस योजना के जरिए यह तय करना चाहती है कि कोई भी घायल इलाज से वंचित न रह जाए। समय पर इलाज मिलने से हादसों में मौतें कम होंगी। गरीब या आम आदमी को बिल की चिंता किए बिना इलाज मिलेगा। अस्पतालों में इलाज की प्रक्रिया आसान और तेज होगी।

आज मालेगांव ब्लास्ट 2008 केस का फैसला, साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और अन्य आरोपियों की किस्मत का होगा फैसला

मुंबई (एजेंसी)। 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में 17 साल बाद आज गुरुवार को फैसला सुनाया जाएगा। मालेगांव में एक धार्मिक स्थल के बाहर हुए विस्फोट में छह लोगों की जान चली गई थी और 101 लोग घायल हुए थे। इस घटना के बाद पहली बार हिंदू आतंकवाद फैलाने के आरोप लगे थे। 19 अप्रैल को मुंबई सत्र न्यायालय में विशेष एनआईए अदालत के न्यायाधीश एलके लाहोटी ने मामले की सुनवाई पूरी कर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। हाई-प्रोफाइल आरोपियों, बदली जांच एजेंसियों, बदले हुए जजों और प्रमुख गवाहों के दलबदल समेत इन तमाम घटनाक्रमों के कारण यह मामला पूरे देश में सुर्खियों में रहा है। आपको बता दें कि मालेगांव विस्फोट मामले में पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, सेवानिवृत्त मेजर रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी उर्फ ??स्वामी अमृतानंद, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी पर हत्या, विस्फोटक अधिनियम, शस्त्र अधिनियम, आतंकवाद निरोधक अधिनियम और यूएपीए से संबंधित आईपीसी की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। जबकि, आरोपी श्याम साहू, प्रवीण टकलकी, रामजी कालसंग्रा और संदीप डांगे फरार थे।

एटीएस से एनआईए तक जांच

मालेगांव विस्फोट मामले की प्रारंभिक जांच करने वाले आतंकवाद निरोधक दस्ते ने 11 लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मकोका के तहत आरोप पत्र दाखिल किया था। ये सभी अभिनव भारत संगठन से जुड़े हैं और एटीएस ने आरोप लगाया था कि उन्होंने हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए भोसला मिलिट्री स्कूल में कुछ युवकों को हथियार और विस्फोटक का प्रशिक्षण दिया था। घटना की प्रारंभिक जांच तत्कालीन एटीएस प्रमुख हेमंत करकरे के नेतृत्व में की गई थी, जिनकी 26/11 मुंबई आतंकी हमले में मौत हो गई थी। इसमें एटीएस ने एलएमएल फ्रीडम मोटरसाइकिल की मालिक साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को गिरफ्तार किया था, जिस पर बम रखा गया था। हमले की साजिश रचने के लिए कई जगहों पर बैठकें की गई थीं। एटीएस ने बैठक में मौजूद सभी लोगों को हिरासत में लिया और 2010 में उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। फिर 2011 में मामला नवगठित एनआईए को सौंप दिया गया। एनआईए ने आगे की जांच की और 13 मई, 2016 को मामले में एक पूरक आरोपपत्र दायर किया। एनआईए ने कहा कि वह एटीएस द्वारा लगाए गए कुछ आरोपों से सहमत नहीं है और अदालत से इस मामले में मकोका के तहत दर्ज मामलों को रद्द करने का अनुरोध किया। इसने यह भी स्पष्ट किया कि साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, श्याम साहू, प्रवीण टकलकी और रामजी कालसंग्रा पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं थे। हालांकि, अदालत ने इसे खारिज कर दिया और आरोपियों के नाम हटाने से इनकार कर दिया, यह समझाते हुए कि एटीएस द्वारा एकत्र किए गए सबूतों से इनकार नहीं किया जा सकता। एनआईए के अनुरोध पर विशेष एनआईए अदालत ने 2017 में मामले से मकोका की धारा हटाने पर सहमति जताई थी। हालांकि, उसने स्पष्ट किया था कि साध्वी प्रज्ञा सिंह और छह अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला जारी रहेगा। उसके बाद दिसंबर 2018 में मुंबई सत्र न्यायालय में मामला शुरू हुआ। सरकार ने इस मामले में 100 से अधिक चश्मदीदों से पूछताछ की। इनमें से कुछ इसमें घायल हुए थे, जबकि कुछ ने अपने रिश्तेदारों को इसमें खो दिया था। इस मामले में कुल 323 गवाहों की जांच की गई। जिनमें से 34 को अदालत में अपनी गवाही बदलने के बाद फितूर घोषित किया गया था। यह मामला पिछले 17 वर्षों से लंबित है। इस फैसले से पहले मामले के कुल 30 गवाहों की मृत्यु हो चुकी है। कई फितूरों ने अदालत को बताया था कि एटीएस ने उनके बयान जबरन दर्ज किए थे. सितंबर 2023 में, अदालत ने दोनों पक्षों की

अंतिम दलीलें सुनना शुरू किया, तथा सभी गवाह साक्ष्य दर्ज किए गए। इस मामले में अविनाश रसाल और उनकी बेटी अनुश्री रसाल ने विशेष सरकारी वकील के तौर पर काम किया। सरकारी पक्ष का पूरा पक्ष प्रत्यक्षदर्शियों और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है। इसमें आरोपियों के कॉल डेटा रिकॉर्ड और उनकी आवाज़ के नमूने शामिल हैं। दूसरी ओर, आरोपियों की ओर से दलील दे रहे प्रशांत मग्गू और रंजीत सांगले ने दावा किया है कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है और एटीएस ने उन्हें गलत तरीके से इसमें फंसाया है। बहरहाल इस बहुचर्चित मामले में अब मुंबई सत्र न्यायालय के विशेष न्यायाधीश एल.के.लाहोटी के फैसले पर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं।

पहलगाम में मारे गए शुभम की पत्नी बोली– मेरे पति की हत्या का बदला पूरा

कानपुर (एजेंसी)।भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया और पहलगाम में विधवा हुईं भारत की बेटियों को न्याय दिलाने का काम किया है।पहलगाम हमले में कानपुर के 31 वर्षीय व्यवसायी शुभम द्विवेदी ने भी अपनी जान गंवाई थी।उनकी पत्नी ऐशान्या द्विवेदी की शादी को अभी दो महीने भी पूरे नहीं हुए थे, उन्होंने उस भयावह दिन को याद करते हुए अपनी पीड़ा को शब्दों में बयां किया।एक नई उम्मीद और गर्व के साथ, ऐशान्या ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया है।बता दें कि जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए दिल दहला देने वाले आतंकी हमले ने न केवल देश को झकझोर दिया, बल्कि कई परिवारों की जिंदगी को हमेशा के लिए बदल दिया।अब भारत ने इस हमले का बदला पाकिस्तान के अंदर घुसकर लिया है।ऐशान्या ने एक भावुक बयान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया।उन्होंने कहा, मैं पीएम मोदी को मेरे पति की मौत का बदला लेने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं।मेरे पूरे परिवार को उन पर भरोसा था, और जिस तरह उन्होंने (पाकिस्तान को) जवाब दिया, उन्होंने हमारा भरोसा जीवित रखा।यह मेरे पति को सच्ची श्रद्धांजलि है।जहां कहीं भी मेरे पति होंगे, वे आज शांति में होंगे।भारत सरकार ने पहलगाम हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसके तहत आतंकियों और उनके समर्थकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई।इसके अलावा, पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए कौस्तुभ गणबोटे की पत्नी संगीता गणबोटे ने ऑपरेशन सिंदूर पर कहा, इन्होंने जो कार्रवाई की है वो एकदम सही किया है और ऑपरेशन का नाम सिंदूर देकर महिलाओं को सम्मान भी दिया है... पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए कौस्तुभ गणबोटे के बेटे कुणाल गणबोटे ने कहा, हमने जो प्रतिशोध लिया है ये एकदम सही है और ये होना ही चाहिए था।

रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना में अवैध विदेशी नागरिकों को हिरासत में लेने के आदेश दिए

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने पुलिस अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने और राज्य में अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तान और बांग्लादेश के नागरिकों को हिरासत में लेने का बुधवार को निर्देश दिया।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि रेड्डी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के मद्देनजर समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को आपातकालीन सेवाओं में लगे सभी विभागों के कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द करने और सभी जिला मुख्यालयों तथा संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी एवं सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राज्य सरकार ने बृहस्पतिवार को भारतीय सेना के समर्थन में एक रैली आयोजित करने का फैसला किया है, जिसमें मुख्यमंत्री और उनके कैबिनेट सहयोगी शामिल होंगे। रेड्डी ने अधिकारियों से

हैदराबाद में सभी वाणिज्य दूतावासों में सुरक्षा कड़ी करने और सभी आईटी कंपनियों में सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के लिए भी कहा। पुलिस विभाग को 'हिस्ट्रीशीटर' और पुराने अपराधियों की गतिविधियों पर भी नजर रखने को कहा गया है।

विज्ञप्ति में कहा गया है, ''मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को पाकिस्तान और बांग्लादेश के अवैध रूप से रह रहे नागरिकों को हिरासत में लेने का आदेश दिया है। कमान और नियंत्रण केंद्र में संचार प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए। शांति और सुरक्षा को भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।''

रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि पूरे देश को भारतीय सेना का समर्थन करने का एक मजबूत संदेश दिया जाना चाहिए और राजनीतिक दलों को मुश्किल समय में संयम बनाए रखना चाहिए। संबंधित अधिकारियों को आपातकालीन जरूरतों के लिए 'ब्लड बैंक' में रक्त और आपातकालीन दवा का स्टॉक करने के लिए कहा गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि मंत्रियों और अधिकारियों को सभी विदेश यात्राएं रद्द कर देनी चाहिए और उपलब्ध रहना चाहिए।

साथ ही कहा गया है कि फर्जी खबरें फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लोगों में चिंता और घबराहट पैदा करने वाली गलत सूचनाओं को रोकने के लिए एक विशेष सेल भी स्थापित किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट से उद्धव गुट को झटका, चुनाव निशान से जुड़ी याचिका पर जल्द सुनवाई से इंकार

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना के नाम और चुनाव निशान तीर कमान को लेकर पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे गुट सुप्रीम कोर्ट में कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। चुनाव आयोग ने शिवसेना नाम और निशान की लड़ाई में फैसला शिंदे गुट के पक्ष में दिया था। आयोग के इस फैसले को उद्धव गुट ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उद्धव गुट ने सुप्रीम कोर्ट से याचिका पर जल्द सुनवाई की गुहार लगाई थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव गुट को बड़ा झटका देकर जल्द सुनवाई से इंकार कर दिया है।

शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख ठाकरे की अगुवाई वाले गुट ने भारतीय निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर जल्द सुनवाई की गुहार लगाई थी। जस्टिस सूर्यकांत और

जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ के सामने ठाकरे के वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि इस पीठ ने महाराष्ट्र में 2023 से पहले की आरक्षण नीति के मुताबिक स्थानीय निकायों के चुनाव करने का आदेश दिया है।

सिब्बल ने निकाय चुनाव को लेकर आदेश का उल्लेख कर कहा कि इस मामले पर भी तत्काल सुनवाई होनी चाहिए। उन्होंने इसके पीछे दलील दी कि शिंदे गुट को पार्टी का चुनाव चिह्न मिला हुआ है। निर्वाचन आयोग के आदेश को हम लोगों ने चुनौती दे रखी है। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कपिल सिब्बल से पूछा कि तुरंत सुनवाई की क्या जरूरत है? यह स्थानीय निकाय चुनाव हैं।

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हमें बताया गया था कि साल 2017 के बाद से ही नगरपालिका चुनाव नहीं हुए थे। आपके पास भी चुनाव चिह्न है, आप चुनाव में भाग लीजिए। इस पर सिब्बल ने कहा कि शिवसेना का मूल चुनाव निशान तीर कमान, लेकिन यह अब शिंदे गुट के पास है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि चुनाव सुचारु रूप से होने दें। वैसे भी स्थानीय निकायों में ज्यादातर मतदाताओं के लिए चिन्ह का बहुत महत्व नहीं होता है।

ऑपरेशन सिंदूर पर चीन ने जताया खेद, कहा- शांति और संयम जरुरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में भारत के पराक्रमी सैनिकों ने पाकिस्तान में सैकड़ों किलोमीटर अंदर घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों पर ऐसी तबाही मचाई कि वे फिर पहलगाम जैसे हमले को अंजाम देने से पहले लाख बार सोचेंगे। चीन के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को बयान जारी कर कहा, हम भारत की आज तड़के की सैन्य कार्रवाई पर खेद जताते हैं और वर्तमान हालात पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं। हम भारत और पाकिस्तान से आग्रह करते हैं कि वे शांति और स्थिरता को सर्वोपरि रखें, शांत रहें और अधिकतम संयम बरतें।

चीन की यह प्रतिक्रिया उस समय आई है जब भारत ने 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान की सीमा के भीतर 100 किलोमीटर तक घुसकर 9 आतंकी ठिकानों को राफेल विमानों और मिसाइलों से निशाना बनाया। पाकिस्तान भारत की इस एयर स्ट्राइक से कांप गया है। उधर, चीन लंबे समय से भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता का इच्छुक रहा है, लेकिन भारत इस प्रकार के मामलों को द्विपक्षीय विषय मानते हुए तीसरे पक्ष की भूमिका को खारिज करता रहा है।

भारत के हमले के कुछ ही घंटों बाद पाकिस्तान की सेना ने दावा किया कि भारत के 6 मिसाइल हमलों में 8 लोगों की मौत और 35 घायल हुए हैं, जबकि 2 लोग लापता हैं। यह जानकारी चीन की सरकारी न्यूज़ एजेंसी ने पाकिस्तानी सेना के हवाले से दी है। उधर, भारत ने पाकिस्तान आम नागरिकों को निशाना बनाने के तमाम दावों को झूठा करार दिया है। भारत ने स्पष्ट किया है कि निशाना सिर्फ आतंकवादी थे और हमलों का केंद्र आतंकी ठिकाने थे। ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने मुरिदके में लश्कर-ए-तैयबा के ट्रेनिंग कैंप मरकज-ए-तैयबा और बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद के गढ़ जश-शुभानअल्लाह को भी प्रमुखता से निशाना बनाया।पाकिस्तान ने यह भी दावा किया कि उसने भारतीय वायुसेना के तीन फाइटर जेट मार गिराए हैं। हालांकि भारत की ओर से इस दावे की पुष्टि नहीं की गई है। भारतीय रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने इसे पाकिस्तान की घबराहट और प्रोपेगेंडा करार दिया है।

भारतीय सेना ने आधी रात की एयर स्ट्राइक में जैश-ए-मोहम्मद और लश्क-ए-तैयबा के 9 ठिकानों को निशाना बनाया और कम से कम 90 आतंकियों को मार गिराया। भारत की इस एयर स्ट्राइक ने पाकिस्तान को चारों खाने चित्त कर दिया है। पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी ठिकानों पर की गई एयर स्ट्राइक के बाद चीन का रिएक्शन आया है। उसने भारत के इस ऐक्शन पर चिंता जताते हुए भारत और पाकिस्तान दोनों से संयम बरतने और शांति बनाए रखने की अपील की है।

सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार आमिर खान की 'सितारे जमीन पर'

अभिनेता आमिर खान की अपकमिंग फिल्म सितारे जमीन पर सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। ताजा जानकारी के साथ आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर स्टारकास्ट के साथ ही बताया कि फिल्म सिनेमाघरों में कब दस्तक देगी। प्रोडक्शन हाउस ने फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर कैप्शन में लिखा, प्यार और खुशी का जश्न मनाती एक फिल्म 'सितारे जमीन पर' 20 जून को सिनेमाघरों में आ रही है। 'सितारे जमीन पर' के फर्स्ट पोस्टर में आमिर खान के साथ दस और सितारे नजर आए। इन नए चेहरों के नाम सम्वित देसाई, वेदांत शर्मा, गोपी कृष्ण वर्मा, अरूष दत्ता, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहानी, ऋषभ जैन, सिमरन मंगेशकर और नमन मिश्रा हैं। बता दें, अपकमिंग फिल्म के साथ आमिर खान लंबे समय के बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं।

ठग लाइफ से सामने आया तृषा कृष्णन का लुक, एक्ट्रेस के 42वें जन्मदिन पर फैंस को मिला बड़ा सरप्राइज

साउथ अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने 04 मई को अपना जन्मदिन मनाया। इस मौके पर पहले विश्वम्भरा के निर्माताओं ने फिल्म से तृषा का शानदार लुक शेयर किया। विश्वम्भरा के बाद अब तृषा की फिल्म ठग लाइफ से उनका एक लाजवाब लुक सामने आया है।

टर्मरिक मीडिया ने आज कुछ ही देर पहले तृषा कृष्णन की आगामी फिल्म ठग लाइफ से उनका एक शानदार लुक शेयर किया है। फिल्म के इस लुक में तृषा कुछ सोचती नजर आ रही हैं। व्हाइट शर्ट के साथ रेड स्कर्ट में तृषा सिंपल और खूबसूरत नजर आ रही हैं। वह सीढ़ी पर बैठी किसी गहन विचार में लीन नजर आ रही हैं और इस लुक के साथ पोस्टर पर लिखा है- हैप्पी बर्थ डे तृषा। इस तस्वीर में तृषा के पीछे खुला आसमान दिखाई दे रहा है।

टर्मरिक मीडिया ने कुछ ही देर पहले इंस्टाग्राम पर तृषा का ठग लाइफ से एक लुक शेयर किया है, जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, ठगों की दुनिया से दिलों की रानी तक - जन्मदिन मुबारक तृषा कृष्णन, हैप्पी बर्थडे तृषा, ठगलाइफ, ठग लाइफ फ्रॉम, जून5 कमल हासन। फिल्म का निर्माण मणिरत्नम करेंगे और इस फिल्म का संगीत ए आर रहमान तैयार करेंगे।

ठग लाइफ में कमल हासन और तृषा कृष्णन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। मणिरत्नम और एआर रहमान की जोड़ी ठग लाइफ फिल्म में एक साथ काम कर रही है। ठग लाइफ 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह गैंग्स्टर एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का निर्देशन मणिरत्नम कर रहे हैं। इस फिल्म को कमल हासन और मणिरत्नम ने मिलकर लिखा है। फिल्म में कमल हासन और तृषा के अलावा सिलाम्बरासन, अशोक सेलवन, नस्सर, अली फजल, पंकज त्रिपाठी सान्या मल्होत्रा और ऐश्वर्या लक्ष्मी भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

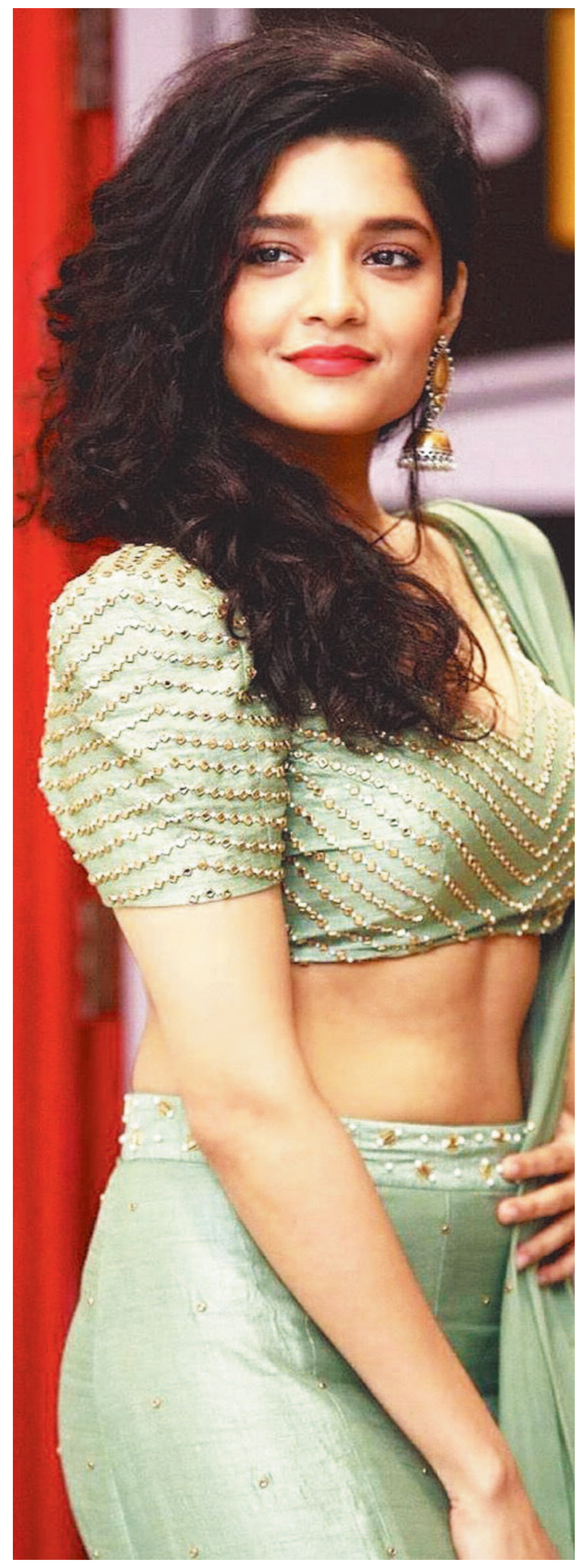

घुटनों में असहनीय दर्द के बाद भी नहीं मानी हार

साउथ इंडस्ट्री और हिंदी फिल्मों में अपने मजबूत किरदारों से पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस रितिका सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी फैट-टू-फिट जर्नी दिखा रही हैं। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने अपने घुटनों की चोट के बावजूद वजन घटाया और फिर से पुरानी फिगर हासिल की। रितिका सिंह ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसकी शुरुआत में उन्होंने बताया कि उनका वजन बढ़ गया था और वह 72 किलो तक पहुंच गई थीं। इसके बाद वीडियो में उन्होंने दिखाया कि कैसे उन्होंने वर्कआउट करके, मेहनत और लगन से अपना वजन घटाया और फिर से फिट शेप में वापस लौट आईं। वीडियो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, पिछले तीन महीने मेरे लिए बेहद बदलाव भरे रहे। सिर्फ इसलिए नहीं कि मेरा वजन बहुत बढ़ गया था, बल्कि इसलिए भी कि मेरे घुटनों की पुरानी चोटें और दर्द देने लगी थीं। दर्द इतना ज्यादा था कि मैं ठीक से चल भी नहीं पा रही थी, किक मारना या डांस करना भी मुश्किल हो गया था। तभी मैंने आईने में खुद को देखा और खुद से कहा कि बस बहुत हो गया, अब खुद को पूरी तरह बदलने का वक्त आ गया है। इस दौरान सामने आई चुनौतियों के बारे में बताते हुए उन्होंने आगे लिखा, मैंने अपनी लाइफस्टाइल में कई बड़े बदलाव किए, जैसे डाइट, एक्सरसाइज, और रूटीन में सुधार किया... लेकिन मेरे लिए सबसे बड़ा बदलाव कुछ छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना था, जो अक्सर छोटी और बेकार लगती हैं, लेकिन असल में सबसे ज्यादा असर उन्हीं चीजों ने डाला। उदाहरण के तौर पर ऐसी चीज़ें हो सकती हैं. एक्ट्रेस ने पोस्ट के आखिर में कहा, मैं इस बारे में और बात करना चाहूंगी, क्योंकि मुझे सच में लगता है कि ये कई लोगों की मदद कर सकता है, ताकि वे न सिर्फ बेहतर दिखें, बल्कि सबसे जरूरी बात बेहतर महसूस भी करें। वर्कफ्रंट की बात करें तो रितिका हाल ही में सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म वेट्टैयन में नजर आईं। इस फिल्म में उन्होंने एएसपी रूपा किरण का रोल निभाया। इस किरदार में वे रजनीकांत के साथ काम करती हैं, यानी उनकी टीम का हिस्सा हैं।

मैं कॉफी शॉप भी साड़ी पहनकर जाती हूं, ये मेरा पसंदीदा परिधानः लक्ष्मी मांचू

भारतीय अभिनेत्री, फिल्म निर्माता और साउथ के साथ ही अमेरिकी टेलीविजन में काम कर चुकीं लक्ष्मी मांचू ने बताया कि उन्हें साड़ी से खास लगाव है। यह उनका पसंदीदा परिधान है। साड़ी के प्रति अपने प्रेम का इजहार करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि वह ऐसी महिला हैं, जो कॉफी शॉप में भी साड़ी पहनकर जाती है। लक्ष्मी मांचू 'मेक इन इंडिया' के तहत एक इवेंट में शामिल हुईं, जिसमें कांचीपुरम, कोटा साड़ियों के अलावा देश के अन्य हिस्सों के कपड़े देखने को मिले। लक्ष्मी ने कहा, मुंबई में असली जरी नहीं मिलती है। मैंने मास्टर कारीगरों से मिलकर असली जरी खरीदी और उनसे अपनी खास साड़ी तैयार कराई। मैंने कलमकारी डिजाइन भी हाथ से बनाए, जिसके बारे में बुनकरों ने खुद कहा कि उन्होंने यह पहले कभी नहीं देखा था। लक्ष्मी ने बताया कि साड़ियां सबसे सुंदर परिधानों में से एक हैं, जो भारतीय परंपराओं और संस्कृति के सार को दिखाती हैं। उन्होंने कहा, मैं ऐसी महिला हूं जो मुंबई में कॉफी शॉप में भी साड़ी पहनकर जाती है, क्योंकि मेरे लिए यह सबसे सुंदर और पसंदीदा परिधान है। मेरा मानना है कि हमें अपने पहनावे के माध्यम से अपनी परंपराओं और संस्कृति को दुनिया के सामने लाना चाहिए। साड़ी दुनिया भर में पसंद की जाती है। लक्ष्मी मांचू मशहूर अभिनेता मोहन बाबू की बेटी हैं। उन्होंने अमेरिकी टेलीविजन सीरीज 'लास वेगास' से अभिनय की शुरुआत की थी, जिसमें उन्होंने जेम्स लेसुरे की प्रेमिका की भूमिका निभाई थी। इसके बाद अभिनेत्री 'लेट नाइट्स विद माई लवर' और 'मिस्ट्री ईआर', यक्षिणी जैसी सीरीज में भी काम कर चुकी हैं।

'फूलमती' बनीं नीना गुप्ता, तस्वीर शेयर कर फैंस को दिखाई झलक

बधाई हो, पंचायत जैसे मनोरंजन से भरपूर फिल्म और वेब सीरीज में काम कर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाली अभिनेत्री नीना गुप्ता सोशल मीडिया पर फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। इसी कड़ी में नीना ने आइवरी कलर की साड़ी में लेटेस्ट

तस्वीर शेयर की। खूबसूरत तस्वीर के साथ किसी चीज ने ध्यान खींचा तो वो है उनका खुद को दिया नाम! इंस्टाग्राम पर अपनी खूबसूरत तस्वीर को शेयर करते हुए नीना ने कैप्शन में लिखा, फूलमती। आइवरी कलर की साड़ी के साथ वह गोल्डन ज्वेलरी में बेहद प्यारी लगीं, जिसे देखकर उनके फॉलोअर्स तारीफ करने से खुद को रोक नहीं सके। एक यूजर ने लिखा, खूबसूरत। दूसरे ने तारीफ करते हुए लिखा, आप खूबसूरत के साथ स्टाइलिश भी हैं। तीसरे यूजर ने लिखा, आप स्टनिंग हैं। इससे पहले भी नीना अपने पति विवेक मेहता की बर्थडे पार्टी में यही साड़ी पहने दिखी थीं। काम की बात करें तो नीना गुप्ता हाल ही में फिल्म आचारी बा में नजर आईं, जिसमें उन्होंने एक उद्यमी की भूमिका निभाई है। हार्दिक गज्जर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में नीना का किरदार एक मां और दादी का है, जो परिवार में अनदेखी का शिकार है।

सहजता के साथ हर किरदार में फिट बैठ जाते थे इरफान, पीकू में दिखा असली रूपः शूजित सरकार

'पीकू', 'गुलाबो सिताबो', 'मद्रास कैफे' जैसी फिल्मों का निर्माण करने वाले निर्माता-निर्देशक शूजित सरकार का मानना है कि पीकू में दिवंगत अभिनेता इरफान खान ने कमाल का अभिनय किया था। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि 'पीकू' में इरफान का रोमांटिक अंदाज सामने आया, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं देखा था। शूजित ने बताया कि इरफान सहजता के साथ हर किरदार में फिट बैठ जाते थे। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता शूजित सरकार ने कहा कि उन्होंने इरफान खान को पहले कभी उस तरह नहीं देखा जैसा कि वह पीकू में निखर कर आए। उन्होंने कहा कि फिल्म में दिवंगत अभिनेता के अभिनय ने स्टार के उस पक्ष को दिखाया, जिसे वह पहले कभी नहीं देख पाए थे। जब शूजित से पूछा गया कि इरफान ने अपनी भूमिका में कॉमेडी और इमोशंस को कैसे बैलेंस किया, तो शूजित ने बताया, इरफान खान सहज अभिनेता थे। वह ताजगी और एनर्जी के साथ सेट पर आते थे। पीकू में वह गजब के आकर्षक लगे। मैंने जितनी भी फिल्में देखी हैं, उनमें से किसी में भी वह ऐसे नहीं दिखे थे। शूजित ने आगे कहा, पीकू में उनकी हर चीज शानदार है। वह ऐसा मौका ही नहीं देते कि आप 'राणा' से प्यार न करें। इस फिल्म में असली इरफान सामने आया। रोमांटिक इरफान।

'पीकू' 9 मई को सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होने वाली है।

कॉमेडी ड्रामा में अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और इरफान खान के साथ मौसमी चटर्जी, जीशु सेनगुप्ता और रघुबीर यादव भी अहम भूमिकाओं में हैं। 8 मई को पीकू रिलीज के 10 साल पूरे करने जा रही है। शूजित ने 2005 में रोमांटिक वॉर ड्रामा यहां से निर्देशन की शुरुआत की थी। उन्होंने 2012 में फिल्म विक्की डोनर से सुर्खियां बटोरीं। इसके एक साल बाद उन्होंने मद्रास कैफे बनाई। उनकी होम प्रोडक्शन, लीगल थ्रिलर पिंक ने अक्टूबर और अमेजन प्राइम वीडियो की कॉमेडी गुलाबो सिताबो का निर्देशन और निर्माण किया। सरकार ने 2021 में सरदार उधम बनाई थी, जिसे लेकर उनकी खूब तारीफ हुई।

खलनायक बन दहशत फैलाएंगे अक्षय कुमार

अक्षय कुमार और सैफ अली खान 17 साल बाद मलयालम हिट ओप्पम के हिंदी रीमेक में साथ नजर आएंगे। वहीं अब फिल्म में दोनों के किरदारों के बारे में जानकारी सामने आई है। बॉलीवुड के दो दिग्गज सितारे, अक्षय कुमार और सैफ अली खान 17 साल के लंबे इंतजार के बाद एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं। खबर है कि दोनों 2016 की सुपरहिट मलयालम फिल्म ओप्पम के हिंदी रीमेक में काम करेंगे, जिसमें मूल रूप से मोहनलाल ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म को लेकर ताजा अपडेट्स ने फैंस की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। सूत्रों के मुताबिक, इस बार अक्षय कुमार एक खतरनाक विलेन की भूमिका में नजर आएंगे, जबकि सैफ अली खान लीड रोल में होंगे। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुदित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित। संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।